हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शुक्रवार | 04 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 अंक : 91 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

80 लाख के पार आरजेडी के सदस्य, अब बूथ पर जोर; चुनाव पर तेजस्वी ने बुलाई समीक्षा बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली: राजद ने दावा किया है कि राज्य के हर बूथ पर राजद के दो क्रियाशील सदस्य बनाए गए हैं। साथ ही और राज्य में पार्टी के सदस्यों की संख्या 80 लाख से अधिक हो चुकी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित बैठक में पार्टी के सदस्यता अभियान की समीक्षा की। उन्होंने पार्टी नेताओं को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अंदर सभी सदस्यों का ब्योरा मुख्यालय स्तर पर संग्रहित कर लें। बैठक में पार्टी के प्रमंडल प्रभारी एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारियों समेत आमंत्रित सदस्य भी मौजूद थे।पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता चितरंजन गगन ने बताया कि पार्टी के जिला एवं प्रखंड स्तरीय नेताओं की ओर से निर्धारित लक्ष्य का करीब 80 प्रतिशत सदस्यों की सूची राज्य कार्यालय में जमा हो चुकी है। शेष बचे सदस्यों की सूची भी जल्द जमा करने का निर्देश सभी जिलाध्यक्षों को दिया जाएगा। राजद ने इस बार सांगठनिक संरचना में परिवर्तन कर बूथ को प्राथमिक इकाई के रूप में मान्यता दिया है।

बिल में मोदी-शाह ने ऐसा क्या जोड़ा, वक्फ का 9.43 लाख एकड़ जमीन जब्त,

धमकी देने वालों की सारी गलतफहमी कैसे निकाल दी?

बीजेपी अगर अच्छे मन से मुसलमानों के वेलफेयर के लिए वक्फ का इस्तेमाल भी करना चाहे तो वो कानून नहीं है। 17 राज्यों में सरकार है। वक्फ बनाने का काम सीधे राज्य सरकार के अंदर में होता है। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में सरकार में आने पर वक्फ बोर्ड के हेड पार्टी विधायक अमानतुल्लाह खान को बना दिया।

एजेंसी

नई दिल्ली: तमाम अटकलों, अनुमानों और बयानों के बीच आखिरकार मोदी सरकार ने लोकसभा में 2 अप्रैल को वक्फ अमेंडमेंट बिल 2024 पेश कर दिया। सब तरफ शोर था, जोर से था, कि कानून बनकर रहेगा। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बिल को पेश किया, जिसे एनडीए में शामिल टीडीपी, जेडीयू और चिराग पासवान की पार्टी का समर्थन मिला। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वक्फ में गैर इस्लामिक शामिल नहीं होगा। ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। वोट बैंक के लिए अल्पसंख्यकों को डराया जा रहा है। एक सदस्य ने ये कह दिया कि ये बिल अल्पसंख्यक मंजूर नहीं करेंगे तो इस पर शाह ने पूछा कि क्या धमकी दे रहे हो भाई! देश का कानून है स्वीकार करना पड़ेगा। लोकसभा में जिस तरह से सत्ता पर काबिज एनडीए के सांसदों ने विपक्ष की धज्जियां उड़ाई उससे वक्फ बिल पर विपक्ष पूरी तरह से घुटनों पर आ गया। इस बिल को लेकर विपक्ष सबसे ज्यादा शोर मचा रहा था। लेकिन जब लोकसभा में बिल पेश हुआ तो तैयारियां वहीं शून्य बटा सन्नाटा निकला। अनमने ढंग से

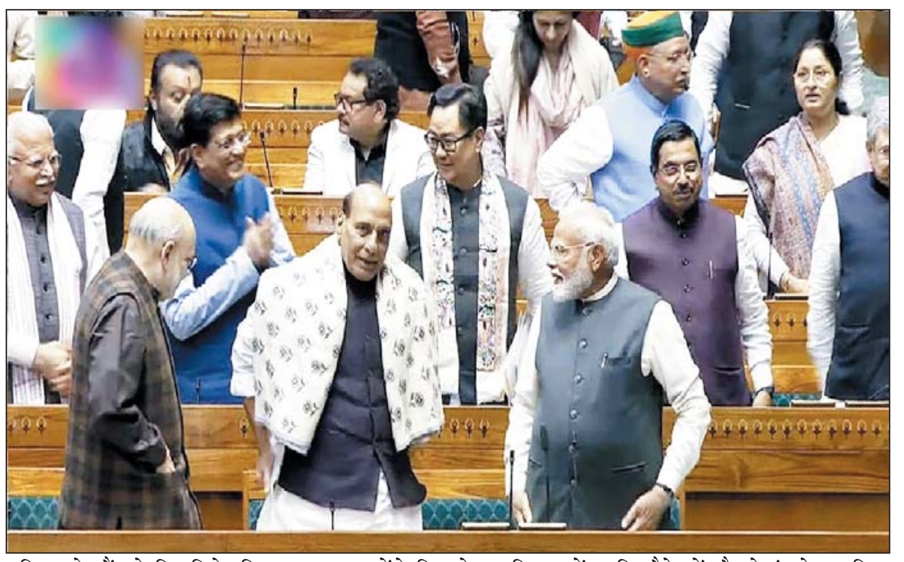

मुस्लिम वोट बैंक के लिए विरोध किया जा रहा था। लेकिन कई सारे सांसद चाहे वो किसी भी दल के हो वो अंदरखाने यही कह रहे कि सही हो रहा है। साढे नौ लाख एकड़ जमीन इतनी तो कई सारे देश के पास भी नहीं है। वो किसके हाथ में है? बोर्ड के हाथ में हैं। बोर्ड मौलवी या मौलाना चला रहे हैं। जिस जमीन का इस्तेमाल गरीब मुसलमानों के लिए होना चाहिए उसमें होटल लगवा दिया जा रहा था। किराए पर दे दिया जा रहा है। वो किराया का पैसा किसके पास आ रहा है। क्या वो मुसलमानों के कल्याण के लिए इस्तेमाल हो रहा है? बीजेपी ने ये सारी बाता नहीं बल्कि सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में चिन्हहित किया गया है। वक्फ की प्रॉपर्टी में जिस तरह से मिसमैनेजमेंट है, वो बंद होना चाहिए। बीजेपी अगर अच्छे मन से मुसलमानों के वेलफेयर के लिए वक्फ का इस्तेमाल भी करना चाहे तो वो कानून नहीं है। 17 राज्यों में सरकार है। वक्फ बनाने का काम सीधे राज्य सरकार के अंदर में होता है। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में सरकार में आने पर वक्फ बोर्ड के हेड पार्टी विधायक अमानतुल्लाह खान को बना दिया। बाद में ईडी की जांच में सामने आया कि दिल्ली वक्फ बोर्ड (डीडब्ल्यूबी) के अध्यक्ष के रूप में अमानतुल्ला ने 2016 से 2021 के कार्यकाल के दौरान अर्जित अवैध धन का इस्तेमाल दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में एक संपत्ति खरीदने के लिए किया गया था। इसी तरीके से हर जगह ये लूट चल रही थी। इसे रोकने का इंतजाम किया गया।आपने देखा होगा कि कई जगह खुशियां मनाई गई, पटाखें फोड़े गए। मुस्लिम तबका जो अब तक इन बोर्ड वालों से शोषित हो रहा था। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को लग रहा है कि ये कब्जा इनके हाथ से निकल जाएगा। आपने लालू यादव का लोकसभा में दिया वायरल भाषण भी वायरल हो गया। इसमें लालू कहते नजर आए कि कड़ा कानून बनाओ। पटना के अंदर डाक बंगला चौराहे के पास कई जमीनों पर कब्जा हो गया। आप सरकार में रहते हो तो दूसरी बात कहते हो और विपक्ष में रहो तो दूसरी बात। लेकिन कल ये लोकसभा से पास हो गया और आज राज्यसभा से भी आज पास हो जाएगा। वहीं कल तक इस पर राष्ट्रपति महोदया की मुहर लग जाएगी।

अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहा है भारत: वित्त राज्य मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली: वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका की शुल्क बढ़ोतरी और देश पर इसके प्रभाव का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने यहां पीएफआरडीए द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि (अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप के लिए यह अमेरिका को पहले रखने जैसा है.. लेकिन (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी भारत को पहले रखते हैं...ह्यह्यहम अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं।भारत पर इसके प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसका आकलन जारी है। अमेरिका ने भारत पर 27 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन का मानना है कि अमेरिकी वस्तुओं पर भारत उच्च आयात शुल्क वसूलता है, ऐसे में अब देश के व्यापार घाटे को कम करने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाना जरूरी था।इस कदम से अमेरिका को भारत के निर्यात पर असर पड़ने के आसार हैं।हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में बेहतर स्थिति में है, जिन्हें हमसे अधिक शुल्क का सामना करना पड़ेगा।राष्ट्रपति ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्कों का मुकाबला करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए लगभग 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है।राष्ट्रपति ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्कों का मुकाबला करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए लगभग 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है।

झुकूंगा नहीं... पुष्पा स्टाइल में राज्यसभा में गरजे मल्लिकार्जुन खड़गे, अनुराग ठाकुर से माफी की मांग की

एजेंसी

दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा उनके खिलाफ लगाए गएभूमि हड़पने के आरोप साबित हो जाते हैं तो वह इस्तीफा दे देंगे। खड़गे ने यह फिल्मी अंदाज में जवाब दिया। ठाकुर ने एक दिन पहले लोकसभा में वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान यह आरोप लगाया था। तीखे जवाब में वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने न केवल इस दावे को निराधार बताया बल्कि माफी की मांग भी की। उन्होंने साफ कर दिया कि वह राजनीतिक हमलों के आगे नहीं झुकेंगे।राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि अनुराग ठाकुर द्वारा मेरे खिलाफ लगाए गए आरोपों से मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने भाजपा सांसद से कहा कि वह अपने खिलाफ लगाए गए 'बेबुनियाद' आरोपों को साबित करें या इस्तीफा दें। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ बिल का विरोध करने के लिए कांग्रेस पर तीखा हमला किया और कहा कि प्रस्तावित कानून कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा।

दिल्ली में फर्जी फॉमेर्सी रजिस्ट्रेशन रैकेट का हुआ भंडाफोड़, 47 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली: भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़े पैमाने पर फर्जी फामेर्सी पंजीकरण रैकेट का भंडाफोड़ किया और दिल्ली फामेर्सी काउंसिल (डीपीसी) के एक पूर्व कर्मचारी सहित 47 लोगों को गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, फर्जी दस्तावेजों के जरिए फर्जी फार्मासिस्ट पंजीकरण की व्यापक जांच के बाद गिरफ्तारियां की गईं। एसीबी के निष्कर्षों के अनुसार, रैकेट का मास्टरमाइंड डीपीसी का पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह था, जिसने कथित तौर

पर ऑनलाइन फार्मासिस्ट पंजीकरण करने के लिए नियुक्त एक निजी फर्म के साथ साजिश रची थी। विशेष रूप से, कंपनी को बिना किसी औपचारिक निविदा प्रक्रिया के नियुक्त किया गया था, जो स्थापित प्रक्रियाओं का स्पष्ट रूप से उल्लंघन करता है, संयुक्त पुलिस आयुक्त (एसीबी) मधुर वर्मा ने खुलासा किया। उन्होंने कहा, "घोटाला डीपीसी के पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह द्वारा एक निजी फर्म के सहयोग से किया गया था, जिसे फार्मासिस्टों के ऑनलाइन पंजीकरण करने के लिए नियुक्त किया गया था। हालांकि, कंपनी को बिना किसी निविदा प्रक्रिया के और निर्धारित प्रक्रियाओं का उल्लंघन करते हुए नियुक्त किया गया था।

दुश्मनों के प्रॉक्सी वॉर से निपटने के लिए रहे तैयार, राजनाथ सिंह का सेना को साफ संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिर से पुष्टि की कि भारत का प्रतिद्वंद्वी पश्चिमी सीमाओं पर छद्म युद्ध जारी रखे हुए है, साथ ही उन्होंने सीमा पार आतंकवाद का दृढ़ता से जवाब देने के लिए भारतीय सेना की सराहना की। सेना कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने में सेना और अन्य सुरक्षा बलों के बीच समन्वय की सराहना की। न्होंने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खतरे से

निपटने में सीएपीएफ/पुलिस बलों और सेना के बीच उत्कृष्ट तालमेल की सराहना करता हूं। केंद्र शासित प्रदेश में समन्वित अभियान क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं और इसे जारी रखना चाहिए।रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में वरिष्ठ कमांडरों को संबोधित किया, जो 1 से 4 अप्रैल तक चलेगा। वर्ष में दो बार आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सुरक्षा चुनौतियों, सीमा की स्थिति, आंतरिक सुरक्षा और संगठनात्मक परिवर्तनों का आकलन करने के लिए शीर्ष सैन्य नेतृत्व एकत्रित होता है। इसमे आधुनिकीकरण, रसद, प्रशासन और वैश्विक सुरक्षा विकास के प्रभाव पर भी चर्चा की गई।

सभी दोषी नहीं हैं, 25,000 शिक्षकों की बर्खास्तगी को बरकरार रखे जाने के SC के फैसले पर बोलीं ममता बनर्जी

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का समर्थन नहीं कर सकतीं, जिसमें राज्य में करीब 25,000 शिक्षकों की नौकरियों को अमान्य करार दिया गया है। ममता बनर्जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एक नागरिक के तौर पर मैं कह रही हूं कि मैं इस फैसले का समर्थन नहीं कर सकती। मुझे उम्मीद है कि इसे तोड़-मरोड़ कर पेश नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने कहा है कि इन उम्मीदवारों की नियुक्तियां रद्द की जाती

हैं। हालांकि, जो लोग नौकरी पर हैं, उनसे उनके द्वारा किए गए किसी भी भुगतान को वापस करने के लिए कहने की जरूरत नहीं है। पश्चिम बंगाल में भर्ती प्रक्रिया से जुड़े एक बड़े घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य द्वारा संचालित और राज्य-सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियों को अमान्य करार देने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा है। 3 अप्रैल, 2025 को दिए गए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने पहले के फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया गंभीर अनियमितताओं से दूषित थी, जिसके कारण इन नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने निष्कर्ष निकाला कि विचाराधीन भर्ती प्रक्रिया में बुनियादी तौर पर खामियां थीं।

राज्यसभा में जेपी नड्डा ने गिनाई Waqf Bill की खूबियां, बोले- हम लिप सर्विस नहीं, रियल सर्विस करते हैं

एजेंसी

नई दिल्ली: राज्यसभा के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि यह देश के हित में है। उन्होंने कहा कि विपक्ष वक्फ विधेयक को बुलडोज करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि मैं इस विधेयक के समर्थन में खड़ा हूँ और मुझे उम्मीद है कि सदन भी इसका समर्थन करेगा। मुझे उम्मीद है कि उम्मीद (एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तीकरण, दक्षता और विकास) का समर्थन होगा। इस विधेयक का मूल उद्देश्य वक्फ संपत्तियों में सुधार और उचित प्रबंधन लाना है। इस पर बहुत चर्चा हुई है। नड्डा ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लाए गए इस वक्फ विधेयक को ध्वस्त करने के लिए शोर मचाया जा रहा है। एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में, मैं इस शोर को रोकता हूँ और इस नैरेटिव का विरोध करता हूँ। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में कहा जाता है कि ह्यजब आपके पास तर्क होते हैं, तो आप तर्कपूर्ण होते हैं और उसी के अनुसार बोलते हैं, और जब आपके पास तर्क नहीं होते, तो आप अपनी आवाज उठाते हैं और सनसनी फैलाने की कोशिश करते हैं।ह्व मैंने देखा कि बहस पटरी से उतर गई और भटक गई। मैंने कल लोकसभा में भी यही देखा।जेपी नड्डा ने दावा किया कि वक्फ संशोधन बिल देश के हित में है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल से जवाबदेही बनाने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया।

वक्फ बिल का समर्थन करना जेडी(यू) को पड़ा भारी! 2 मुस्लिम नेताओं ने पार्टी से दिया इस्तीफा

एजेंसी

पटना: जेडी(यू) के वरिष्ठ नेता मोहम्मद कासिम अंसारी ने वक्फ संशोधन विधेयक पर पार्टी के रुख को लेकर पार्टी और अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। वक्फ विधेयक को देर रात लोकसभा में पारित कर दिया गया, जिसमें एनडीए की सहयोगी जेडी(यू) ने व्यापक विरोध के बावजूद इसका समर्थन किया। जेडीयू अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखे पत्र में अंसारी ने वक्फ संशोधन विधेयक को पार्टी के समर्थन पर गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि लाखों भारतीय मुसलमानों ने जेडी(यू) पर धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बनाए रखने के लिए भरोसा किया था, लेकिन अब यह भरोसा टूट चुका है।अंसारी ने जेडीयू नेता ललन सिंह के लोकसभा में दिए गए भाषण की आलोचना करते हुए बिल को मुस्लिम विरोधी और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। उन्होंने इसे पसमांदा मुस्लिम समुदाय के खिलाफ भेदभावपूर्ण भी बताया।

कुमार को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा कि हमारे जैसे लाखों भारतीय मुसलमानों को आप पर एक सच्चे धर्मनिरपेक्ष विचारधारा के ध्वजवाहक के रूप में अटूट विश्वास था। हालांकि, अब यह विश्वास टूट गया है। वक्फ बिल संशोधन अधिनियम 2024 पर जेडीयू द्वारा अपनाए गए रुख ने लाखों समर्पित भारतीय मुसलमानों और कार्यकताओं को गहरा सदमा दिया है। जिस तरह से ललन सिंह ने अपना भाषण दिया और लोकसभा में इस बिल का समर्थन किया, उससे हम बेहद निराश हैं।पार्टी के लिए अपनी वर्षों की सेवा पर खेद जताते हुए उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अन्य सभी जिम्मेदारियों से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा, "वक्फ विधेयक भारतीय मुसलमानों के खिलाफ है और हम इसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं कर सकते। यह विधेयक संविधान में निहित कई मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह भारतीय मुसलमानों को अपमानित करता है और साथ ही पसमांदा समुदाय के साथ भेदभाव भी करता है। न तो आप और न ही आपकी पार्टी को इसका एहसास है। मुझे अपने जीवन के कई साल पार्टी को समर्पित करने का पछतावा है। इसलिए मैं स्वेच्छा से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अन्य सभी जिम्मेदारियों से इस्तीफा दे रहा हूं।जेडीयू के अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव मोहम्मद शाहनवाज मलिक ने भी वक्फ बिल को पार्टी के समर्थन के विरोध में पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

नीतीश भाजपा ने बिहार को बनाया अपराध की यूनिवर्सिटी: डॉ अजॉय कुमार

नीतीश भाजपा राज में महिलाओं और बच्चों के साथ अपराध में हुई तिगुनी वृद्धि: डॉ अजॉय कुमार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. गुरुवार, 03 अप्रैल 2025महिलाओं, बच्चों और जघन्य अपराध में नीतीश भाजपा के शासन काल में तेजी से वृद्धि हो रही है। नीतीश भाजपा ने बिहार को अपराध की युनिवर्सिटी बना दिया है। बिहार में अनुसूचित जाति और जनजाति के लोग इन अपराधों में सबसे ज्यादा भयाक्रांत हैं, ये बातें राष्ट्रीय प्रवक्ता व झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पूर्व सांसद डॉ अजॉय कुमार ने बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही।राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ अजॉय कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हत्या, बलात्कार, गैंगरेप, गैंगवॉर, अपहरण अब बिहार में आम बात है।

नीतीश भाजपा सरकार में अपराध 323 प्रतिशत तक बढ़ गया है।2005 में कुल अपराध 1,07,664 प्रतिवर्ष होते थे जो 2022 में 3,47,835 हो चुका है। बिहार में हर रोज 953 अपराध हो रहे हैं जिसमें 8 हत्याएं, 33 अपहरण, 136 जघन्य अपराध, 55 महिला अपराध, 28 महिलाओं के अपहरण, दो से ज्यादा बलात्कार, 17 बच्चों के अपहरण शामिल हैं। भाजपा नीतीश सरकार आने के बाद महिलाओं के अपहरण 1097 बढ़ गए हैं। हत्या के प्रयास पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 262 प्रतिशत और जघन्य अपराध 206 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचार पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में 2005 के दौर में यह बेहद कम होता था लेकिन आज अपराधियों के सरकारी संरक्षण के कारण पुलिस प्रशासन को लेकर भय खत्म हो गया है। दलित और महादलित वर्ग पर हो रहे अत्याचार पर बोलते हुए डॉ अजॉय कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश जहां भाजपा की ही सरकार है उसके बाद बिहार राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर है। रचना पासवान, कोमल पासवान सहित कई महिलाओं पर हुए अपराध को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि यह बिहार को स्वीकार्य नहीं है लेकिन बिहार में महिलाओं के सम्मान का गला घोंटा जा रहा है जो भाजपा और जदयू के शासन काल में बढ़ा है। 4000 से ज्यादा नाबालिग बच्चियों की शादी अगवा करके कर दी जाती है। हत्या के मामले में बिहार उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर है। नीतीश भाजपा सरकार के 17 सालों के शासन में 53,150 लोगों को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिए। हत्या के प्रयास के मामले में भी बिहार राष्ट्रीय स्तर पर 262 प्रतिशत। अध गया है। कुल 98,169 लोगों के साथ हत्या का प्रयास किया जा चुका है।17 सालों के गुंडाराज में बाजार में 5,59,413 जघन्य अपराध घटित हुआ है। 1,17,947 महिला अपराध के प्रकरण न्यायालयों में लंबित हैं जो कि लंबित रहने का दर 98.2% है। नीतीश सरकार में 62,830 मासूम बच्चों के साथ अपराध घटित हुए हैं। भाजपा नीतीश के सरकार में 7,062 प्रतिशत मासूमों के साथ अपराध बढ़ गए हैं।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि नीतीश राज में दलितों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने किया मोहम्मद नूर आलम को सम्मानित,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश के अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद नूर आलम सहित कई अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारीयो को किया सम्मानित, मोहम्मद नूर आलम ने बताया कि एनडीए सरकार लगातार बिहार में अल्पसंख्यक समाज के लिए कार्य कर रही है दबे कुचले वर्ग के लोग इस सरकार से बहुत ही खुश हैं और जो लोकसभा और राज्यसभा में वक़्फ़ संशोधन बिल 2024 पारित किया गया है उससे पसमांदा समाज बहुत ही खुश है के कुछ दबंग लोग वक़्फ़ की जायदाद का मालिक बन चुके थे और देश में वक़्फ़ के नाम पर लूट मचा हुआ था इस बिल से अब यह फायदा होगा कि आम मुसलमान जो शोषण हो रहे थे वह कभी अब दुखी नहीं रहेंगे सबको एक समानता की नजर से देखी जाएगी,

बराइट फीवचर एजुकेशनल एवं वेलफेयर ट्रस्ट बरदहा के द्वारा कोइज मुकाबला का आयोजन किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला बिस्फी प्रखंड के बरदाहा मे बराइट फीवचर एजुकेशनल एवं वेलफेयर ट्रस्ट के द्वारा बिहार पब्लिक स्कूल मे कोइज मुकाबला कराया गया इस कोइज मुकाबले मे छात्र छात्राओं को पुरस्कार दिया गया मंच कि अध्यक्षता मोङ्क सालेहीन ने कि, आफताब आलम ने शिक्षा पर जोड़ देते हुए कहा की बराइट फीवचर एजुकेशनल एवं वेलफेयर ट्रस्ट हर संभव गरीब बच्चों शिक्षा देने के लिए मदद करेगी वही बिहार पब्लिक स्कूल की एक छात्रा नदा नूर ने बराइट फीवचर एजुकेशनल एवं वेलफेयर ट्रस्ट की उपलब्धि बताते हुए कहा की बराइट फीवचर ट्रस्ट गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए उसका सारा खर्च उठाती है बच्चों को पुस्तक एवं बैग कलम कॉपी डरेस सहित स्कूल फीस तक ट्रस्ट द्वारा दिया जाता है इस मोके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष नोमान साकिर अली जोहर,सचिव, मोहम्मदुल्लाह यासिर,महासचिव,नजिब अहमद,आफताब आलम सहित अन्य गणमान्य ग्रामीण ने कामयाब छात्र छात्राओं को बधाई दी

दीक्षांत समारोह का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय मिल्क यादव टोल वार्ड संख्या 2 वारिसनगर में सत्र 2024 - 25 के वर्ग 5 के बच्चों के दीक्षांत सुविधा समारोह का आयोजन किया गया, इसमें सभी बच्चों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को कप मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बिहार दिवस के अवसर पर विभिन्न खेलों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। सत्र 2024 - 25 के बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर साहिस्ता नाज एवं बेस्ट गार्जियन ऑफ द ईयर मोहम्मद हैदर अली को दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक जितेंद्र कुमार राजीव कुमार, अरमान अली, फैज जवी, निशि, दीपिका, सीमा एवं अन्य शिक्षक साथ ही विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष गुलशन परवीन सचिव रेणु देवी विद्यालय भूमि डाटा परिवार के नरेश कुमार राय ने अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नरेश कुमार राय एवं संचालन जितेंद्र कुमार एवं फायदा जवीं ने की।

वास्तविक युद्ध: वक्फ बिल या चीन की बढ़ती घुसपैठ?

लेखक: मोहम्मद रियाज आलम
सीनियर कॉरपोरेट प्रोफेशनल और कम्युनिटी लीडर

- पटना, 3 अप्रैल 2025— भारत की जनता को तय करना होगा कि असली मुद्दा क्या है— चीन का अवैध कब्जा या वक्फ संपत्तियों की राजनीति?
- जब चीन ने 1,28,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय भूमि पर कब्जा कर लिया है— 90,000 वर्ग किलोमीटर अरुणाचल प्रदेश में और 38,000 वर्ग किलोमीटर लद्दाख में— तो क्या संसद में इसे वापस लेने पर कोई गंभीर चर्चा हो रही है? क्या कोई प्रस्ताव पारित किया गया है कि हमारी जमीन वापस ली जाएगी? या फिर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने चुप्पी साध रखी है?
- शक्तिशाली के आगे झुकना, कमजोर पर गरजना
- नेताओं के दो प्रकार होते हैं। एक, जो अपनी कौम की रक्षा करते हैं, कमजोरों का साथ देते हैं और शक्तिशाली के सामने डटकर खड़े रहते हैं। दूसरे, जो ताकतवर के सामने घुटने टेक देते हैं लेकिन कमजोरों पर शेर बनने का दिखावा करते हैं।
- दुर्भाग्यवश, आज भारतीय राजनीति पर दूसरी तरह के नेता हावी हो चुके हैं— जो चीन के सामने खामोश हैं, लेकिन अपने ही देश के कमजोर तबकों को निशाना बनाने में सबसे आगे रहते हैं।
- ह्लक्या असली समस्या वक्फ की जमीन है, न कि हमारी कब्जा की गई भूमि?ह्व
- वक्फ संपत्तियां अवैध कब्जे की जमीन नहीं हैं, बल्कि यह लोगों द्वारा स्वेच्छा से समुदाय की भलाई के लिए दी गईं अमानतें हैं। वक्फ बोर्ड के पास केवल 9.4 लाख एकड़ जमीन है, लेकिन सरकार इस पर कब्जा करने में ज्यादा रुचि रखती है, बजाय इसके कि वह चीन द्वारा कब्जाई गई 1,28,000 वर्ग किलोमीटर जमीन को वापस लेने के लिए कोई ठोस कदम उठाए।
- ऐसा लगता है कि सरकार की ह्लबहादुरीह्व सिर्फ कमजोरों और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने तक सीमित है। वहीं, संसद राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय, राजनीतिक ड्रामे का मंच बन चुकी है।
- क्या सरकार में ढङ्कङ पर प्रस्ताव पारित करने की हिम्मत है?ह्व
- जब सरकार अपने ही नियंत्रण में मौजूद जमीन की स्थिति बदलती है, तो इसे ह्लसाहसिक कदमह्व कहा जाता है। लेकिन यही सरकार पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (ढङ्कङ) को वापस लेने के लिए प्रस्ताव क्यों नहीं पारित करती? चीन को अल्टीमेटम क्यों नहीं दिया जाता कि वह हमारी जमीन लौटाए?
- बीजिंग दूर है, चलो गरीबों को ही दबाएं
- अगर संसद वास्तव में देश के हितों की परवाह करती, तो सबसे बड़ी बहस अपनी खोई हुई जमीन को वापस पाने पर होती। लेकिन आज, भारतीय लोकतंत्र का उपयोग कमजोरों को कुचलने के लिए किया जा रहा है, जबकि असली दुश्मनों को खुली छूट दी जा रही है।
- देश जवाब मांगता है— और अब, जवाब देना ही होगा!

राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 26% टैरिफ का ऐलान किया- आर्थिक विशेषज्ञों ने तीखी प्रतिक्रिया दी

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर
छपरा बिहार
सीए. एस.आई. मेहदी नेहाल
चार्टर्ड अकाउंटेंट

भीकपुर ,सीवान हमारे संवाददाता सैयद शकील हैसिद ने चार्टर्ड एकाउटेंट एस. आई. मेहदी से अपने इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ पर बात की और जिसे श्री मेहदी ने बेबाकी से सारे पहलुओं का जवाब दिया।जहाँ एक तरफ भारत में वक्फ बिल पर वोटिंग हो रही थी, ठीक उसी वक्त अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर टैरिफ का ऐलान कर रहे थे। भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका में निर्यात होने वाले सभी सामानों पर 26% का टैरिफ लगाया गया है। टैरिफ लगने से जहाँ एक तरफ भारत के निर्यात पर इसका असर पड़ेगा, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका में महंगाई के बढ़ने का अंदेशा है। अब देखना होगा कि ट्रंप इस महंगाई पर कैसे नियंत्रण करते हैं। आर्थिक विशेषज्ञों की चेतावनी है कि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूएस आयात पर लगाए गए टैरिफ औसत अमेरिकी परिवार के लिए हजारों डॉलर की लागत बढ़ाएंगे, जिससे व्यापक मुद्रास्फीति होगी और अंततः औसत अमेरिकी की क्रयशक्ति में कमी आएगी। व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में खड़े होकर ट्रंप ने इन टैरिफों को अमेरिका की जीत करार दिया, और कहा कि वह "आर्थिक शोषण के दशकों को ठीक करेंगे। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिकी व्यवसायों को भी दबाव महसूस हो रहा है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिकी स्टॉक्स ने लगभग 5 ट्रिलियन डॉलर की वैल्यू खो दी है। कई विश्व नेताओं, राष्ट्राध्यक्षों, अर्थशास्त्रियों और वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि व्यापार युद्ध से किसी का भला नहीं होगा।

मशरक नगर पंचायत द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा, दिए दिशा-निर्देश

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह ने मशरक श नगर पंचायत के कार्यालय में नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में चल रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी मो शहनवाज रजा, नाजीर रणधीर कुमार समेत अन्य कई मौजूद रहें। मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह ने बताया कि जिले से मिले निर्देश के आलोक में नगर पंचायत के विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी वहीं कुछ योजनाओं में शिकायत मिलने की शिकायत पर जांच-पड़ताल भी की गयी,जो भी जांच रिपोर्ट होंगी वह जिले को भेजी जाएगी। उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र में चल रही विकास की योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया जिसमें वाहन पार्किंग, सार्वजनिक शौचालय, प्रत्येक वार्ड की समुचित साफ सफाई, कचरों का समुचित निस्तारण, गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सभी वार्डों में नल जल योजना को निर्बाध रूप में चालू रखना, सभी स्ट्रीट लाइट को उपयोग में रखना शामिल हैं। वहीं नगर पंचायत के दलित और महादलित टोला में सरकार के द्वारा उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं को धरातल पर उतारने की बात कहीं गई। आपको बता दें कि मशरक तख्त टोला गांव निवासी लोजपा संसदीय बोर्ड के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने डीएम से नगर पंचायत के विभिन्न योजनाओं में धांधली की शिकायत दर्ज कराई है। मढ़ौरा एसडीओ ने नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में लगें सफाई कर्मियों से उनको मिल रहीं सुविधाओं के बारे में जानकारी ली, वहीं उनके कार्य करने का समय,वेतन भुगतान और अन्य समस्याओं को जाना।

मशरक से गुजर रही राम जानकी पथ के निर्माण में गति लाने को समीक्षा बैठक आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र से गुजर रही एन एच 227 ए राम जानकी पथ के निर्माण कार्य में तेजी लाने को लेकर अंचल कार्यालय परिसर में डीसीएलआर मनोहर कुमार साहू की अध्यक्षता में बैठक आयोजित किया गया। बैठक में सीओ सुमंत कुमार समेत राम जानकी पथ के निर्माण कार्य में लगें अधिकारियों ने भाग लिया। मौके पर डीसीएलआर मनोहर कुमार साहू ने बताया कि राम जानकी पथ के निर्माण में भूमी अधिग्रहण में तेजी लाने और हो रहीं दिक्कतों को दूर करने के लिए समीक्षा की गयी, वहीं इससे जुड़े लोगों को गाव स्तर पर पहुंच मुवाअजा भुगतान की प्रकिया को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। डीसीएलआर मनोहर कुमार साहू ने बताया कि भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या से मां सीता की जन्मस्थली जनकपुर तक प्रस्तावित एन एच 227 ए राम जानकी पथ के निर्माण कार्य में भूमी अधिग्रहण की प्रकिया शुरू की गयी हैं जिसमें सारण के मशरक और पानापुर में जमीने ली जानी है उसी के अधिग्रहण के लिए गांवों में कैम्प भी लगाया जा रहा है। जल्द ही भूमी अधिग्रहण होते ही कार्य शुरू कराया जाएगा। वहीं एन एच 227 ए राम जानकी पथ निर्माण कार्य अविलंब शुरू करने और शुभारंभ के लिए शिलान्यास के लिए आने को लेकर बीते दिनों पहले महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल और सिवान सांसद विजया लक्ष्मी ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नीतीन गडकरी से मुलाकात की ,साथ ही एन एच 331 के छपरा से मोहम्मदपुर सड़क मार्ग पर मलमलिया ओवरब्रिज ,एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर मलमलिया ओवरब्रिज और मशरक के चैनपुर बंगरा रोड पर फ्लाई ओवर पर रोड लाइट स्थापित करने के लिए मांग पत्र सौंपा गया है।

तेज रफ्तार की अपाची के सामने बकरी आने से युवक घायल, रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

मशरक के चालीस आरडी नहर सड़क पर तेज रफ्तार से जा रहीं अपाची सवार युवक के सामने बकरी आने से गंभीर रूप से घायल हालत में इमरजेंसी 112 की टीम ने सीएचसी मशरक में भर्ती कराया और परिजनों को सूचना दी। घायल की पहचान गोपालगंज जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र के बरहिमा गांव निवासी स्व राजकुमार यादव का 25 वर्षीय पुत्र महावीर यादव के रूप में हुई । ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ एस के विधार्थी ने प्राथमिक उपचार कर सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। घायल ने बताया कि वह अपाची पर सवार होकर जा रहा था कि अचानक सड़क पर बकरी आ गयी। वहीं इमरजेंसी 112 के अधिकारी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि कन्ट्रोल रूम से सूचना मिलने पर वे दल बल के साथ पहुंचे और घायल को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया और परिजनों को सूचना दी गई।

सीवान की गुमशुदा महिला को मधुबनी पुलिस ने किया बरामद,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज, विशेष संवाददाता। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के हरिहान्स दाता नगर निवासी एक गुमशुदा महिला को मधुबनी पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। महिला के पिता ने मधुबनी पुलिस का धन्यवाद किया।प्राप्त सूचना के अनुसार पश्चिमी हरिहांस पंचायत के दाता नगर निवासी मोहम्मद यूनुस की शादीशुदा पुत्री पिछले पंद्रह दिनों से गुम थी। परिजनों द्वारा जगह जगह तलाश किया गया। दोस्तों रिश्तेदारों के यहां भी पूछताछ की गई किंतु महिला का कुछ पता नहीं चल सका। गुमशुदा महिला सुबतारा मधुबनी जिले के एक हॉस्पिटल में बेहोश पाई गई थी जिसे जयनगर थाने की पुलिस के हवाले कर दिया गया था। जयनगर थाने की एसआई मोनिका कुमारी के द्वारा पूछताछ करने पर महिला ने खुद को सीवान जिला थाना हुसैनगंज ग्राम दाता नगर मोहम्मद यूनुस शाह की पुत्री बताई,जिसके बाद एसआई मोनिका कुमारी द्वारा सीवान के परिचित से व्हाट्सअप के जरिए महिला का नाम एवं फोटो भेजा गया ताकि उसके बताए हुए एड्रेस का पता लगाया जा सके। जब व्हाट्सअप परिचित के जरिए सीवान निवासी अनुराग कुमार के पास भी आई जिसे हुसैनगंज थाना क्षेत्र के जानने वालों को भेजकर पता लगाने को कहा गया। अंततः महिला को दाता नगर निवासी एक युवक कैफ के द्वार पहचान लिया गया। कैफ ने परिजन का नंबर मुहैया कराया जिसके बाद मधुबनी जिले के जयनगर थाने में कार्यरत पुलिसकर्मी एसआई मोनिका कुमारी से संपर्क किया गया। महिला के परिजन बुधवार को उक्त महिला को लाने के लिए मधुबनी के जयनगर थाने में पहुंचे और गुरुवार को महिला को सकुशल घर लाया गया।

जिलाधिकारी समस्तीपुर तथा पुलिस अधीक्षक समस्तीपुर द्वारा संयुक्त रूप से आगामी चैती छठ दुर्गा पूजा एवं रामनवमी से संबंधित विधि व्यवस्था की समीक्षात्मक बैठक की गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर ,

- बिहार भाजपा धूमधाम से मनाएगी स्थापना दिवस, प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक होंगे कार्यक्रम
- 6 अप्रैल को स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी के सभी जिला कार्यालय भवन सजाए जाएंगे, लगाई जाएगी प्रदर्शनी : डॉ. दिलीप जायसवाल
- सभी कार्यकताओं के घरों में लहरेगा पार्टी का झंडा : डॉ. दिलीप जायसवाल
- 10 अप्रैल से 12 अप्रैल तक चलेगा 'गांव-बस्ती चलो अभियान', निर्वाचित प्रतिनिधि लेंगे भाग : डॉ. दिलीप जायसवाल
- वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य कुशल प्रबंधन और संपत्तियों का दुरुपयोग रोकना : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल का तंज, पिताजी का नाम नहीं होता तो तेजस्वी यादव को कौन जानता
- स्थापना दिवस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए प्रदेश स्तर पर चार सदस्यीय समिति बनी

पटना, 3 अप्रैल। बिहार भाजपा छह अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाएगी। इसके तहत कई दिनों तक प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज कहा कि छह अप्रैल को भाजपा के लोग रामनवमी भी मनाएंगे और पार्टी का स्थापना दिवस भी मनाएंगे।भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि छह अप्रैल को पार्टी के सभी जिला कार्यालय भवन सजाए जाएंगे तथा प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस प्रदर्शनी में जनसंघ के दौर से लेकर भाजपा के संघर्षों और किए गए कार्यों को प्रदर्शित किया जाएगा।

इसके अलावा मंडल कार्यालय से लेकर सभी कार्यकताओं के घरों में पार्टी का झंडा लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दिन हम सभी रामनवमी पर्व भी धूमधाम से मनाएंगे।भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि आठ और नौ अप्रैल को सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें 1.57 लाख से अधिक सक्रिय सदस्य भाग लेंगे।10 अप्रैल से 12 अप्रैल के बीच गांव-बस्ती चलो अभियान चलाया जाएगा। इसमें सभी निर्वाचित प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस अभियान में प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरे दिन (कम से कम 8 घंटे) के लिए, गांव या मोहल्ला या सेवा बस्ती का दौरा करना है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य घर-घर तक पार्टी की विचारधारा को पहुंचाना और सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की जानकारी देना है ।उन्होंने बताया कि इन सभी कार्यक्रमों की तस्वीर सोशल मीडिया पर भी पोस्ट की जाएगी। प्रदेश स्तर पर पार्टी स्थापना दिवस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए प्रदेश स्तर पर एक चार सदस्यीय समिति बनाई गई है। इसमें पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मृत्युंजय झा, प्रदेश मंत्री रत्नेश कुशवाहा और संजय गुप्ता तथा पूर्व प्रदेश मंत्री पूनम झा शामिल हैं।

भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने वक्फ संशोधन विधेयक से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य कुशल प्रबंधन और संपत्तियों का दुरुपयोग रोकना है। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि आज इसका लाभ गरीब मुसलमानों, पसमंदा मुसलमानों को नहीं मिल रहा था। बड़ी संपत्ति के बावजूद कुप्रबंधन के कारण आय में लगातार गिरावट आ रही थी।

भारी मात्रा में नेपाली देशी विदेशी शराब सहित पांच मोटरसाइकिल को किया जब्त ,

तस्कर मोटरसाइकिल छोड़ अंधेरे का फायदा उठा कर फरार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर थाना परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने दी जानकारी ,आगे डीएसपी बिप्लव कुमार ने बतलाया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि शराब तस्कर नेपाली देशी शराब लेकर जयनगर होते हुए लक्ष्मीपुर गोबराही के रास्ते अन्यत्र शराब को लेकर जाने बाले है ,सत्यापन हेतु जयनगर पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष अमित कुमार द्वारा टीम गठन कर लक्ष्मीपुर हरदेव सिंह के घर के सामने घेरा बन्दी कर शराब के साथ तस्कर को पकड़ने का प्रयास किया ।शराब तस्करों द्वारा पुलिस को देखते ही पांचो मोटरसाइकिल एवं प्लास्टिक के बोरे में रखे शराब को छोड़कर भागने में सफल हो गया ।पुलिस द्वारा शराब एवं मोटरसाइकिल को जब्त कर जयनगर थाना लाया एवं जयनगर थाना में कांड संख्या 109 / 25 दर्ज किया ।जब्त किए गए 900 लीटर सौरभ सूफी नेपाली देशी शराब ,ब्लेक नेपाली विदेशी शराब 24 बोतल 375 एमएल की मात्रा 09 लीटर ,किंगफिशर नेपाली बियर 36 बोतल ,मैकडोल 96 बोतल ,मैक डोल नेपाली विदेशी शराब 48 बोतल ,मैक डोल नम्बर 01, 48 बोतल ।कुल देशी शराब की मात्रा 900 लीटर और नेपाली विदेशी शराब 80,280 लीटर जब्त किया गया । छापेमारी दल में थानाध्यक्ष अमित कुमार ,सन्तोष कुमार ,शेषनाथ प्रसाद ,मिथलेश कुमार राही ,राहुल कुमार ,कुमार समरेंद्र ,अशोक मालाकार एवं रिजर्व गार्ड के सिपाही मौजूद रहे ।

नगर पालिका चुनाव को लेकर एसडीओ ने किया बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। वृहस्पतिवार को अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार के अध्यक्षता मे नगर पालिका उप चुनाव के तहत मतदाता सूची से संबंधित बैठक आयोजन किया गया। बैठक में अवर निर्वाचन पदाधिकारी सभी संबंधित नोडल पदाधिकारी एवं बीएलओ उपस्थित हुए। इस बैठक में मतदाता सूची के निर्माण के क्रम में प्राप्त प्रपत्र (क) की आलोक मे जाँच कराने का निर्देश दिया गया। सभी नोडल पदाधिकारी को मतदाता सूची उपलब्ध कराया गया, जिससे वह सही से जाँच कर सके।

हुसैनगंज में कक्षा 8 के उतीर्ण बच्चों के लिए विदाई समारोह का हुआ आयोजन

हुसैनगंज में कक्षा 8 के बच्चों को विदाई देते हुए

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंजहुसैनगंज प्रखंड के सभी प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में वार्षिक मूल्यांकन की रीजल्ट प्रकाशित होने के उपरांत कक्षा 5 और 8 के छात्र एवं छात्राओं को अगली कक्षा में नामांकन के लिए विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र एवं प्रगति रोपोर्ट वितरण किया गया। 5 कक्षा में पढ़ने वाले बच्चें कक्षा 6 और कक्षा 8 में पढ़ने वाले बच्चें कक्षा 9 में नामांकन कराने के लिए अपनी इच्छा के अनुसार विद्यालयों में दौड़ लगाना शुरू कर दिए हैं।इस दौरान राउमवि कुतुबछपरा उर्दू में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।विदाई के समय कक्षा को बैलून और फूलों से सजाया गया था।विदाई समारोह में कक्षा 8 से निकलने वाले बच्चें बहुत भाऊक हो गये थे।वहीं बच्चें से अधिक लगाव रखने वाले शिक्षक और शिक्षिकायें भी भाऊक दिखे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक मो हसमुद्दीन के अध्यक्षता में कक्षा 8 के बच्चों की विदाई और उन्हें शुभकामनाएं दी गई।वहीं सभी छात्र और छात्राओं को उपहार वितरण किया गया।मंच का संचालन वरीय शिक्षक तौसिफ अनवर द्वारा की गई।इस अवसर पर विद्यालय के वरीय शिक्षक आर के प्रसाद, नेसार अहमद, मो शहाबुद्दीन, विशिष्ट शिक्षक खलील अहमद, हरेन्द्र मांझी,अभिनंदन कुमार, प्रिती निहारिका,आरफा नाजनीन, लाडली खातून,अखतरी खातून, शाहिना कुतुबी,शाहिन परवीन सहित अन्य ने बच्चें को संबोधित करते हुए उन्हें आशीर्वाद, शुभकामनाएं एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामनायें की।

उषा के नेतृत्व में 12 सदस्सीय सिवान जिला सिनियर महिला रग्वी फूटबाल टीम औरंगाबाद रवाना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा ।बिहार राज्य रग्बी फुटबॉल संघ द्वारा औरंगाबाद में 3 अप्रैल से 5 अप्रैल 2025 तक आयोजित बिहार राज्य सीनियर रग्बी फुटबॉल चैंपियनशिप हेतु सिवान जिले की टीम सिवान की वरिष्ठ खिलाड़ी उषा कुमारी के नेतृत्व में औरंगाबाद के लिए रवाना हो गई।सिवान अपना पहला मैच 4 अप्रैल को खेलेगा ।सिवान जिला रग्बी फुटबॉल संघ के सचिव संतोष कुमार सिंह ने बताया कि सिवान जिले की टीम का चयन रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी में चयन सह प्रशिक्षण सिविर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन अंतर जिला राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है ।इस टीम में संजना कुमारी, शालू भारती, अलका कुमारी, खुशी कुमारी, निशा कुमारी, शालू राम, गुंजा कुमारी, रंजू कुशवाहा, प्रिया गोंड़ एवं राजनंदनी कुमारी तथा सिमरन परवीन शामिल है ।इस टीम का प्रशिक्षण रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के मुख्य कोच एवं निदेशक संजय पाठक के कुशल नेतृत्व में वरिष्ठ खिलाड़ी सलमान खातून द्वारा प्रदान किया गया। इस टीम में चयनित खिलाड़ियों को आई एम ए सिवान के अध्यक्ष डॉक्टर शशी भूषण सिंहा सचिव डॉक्टर शरद चौधरी, डॉक्टर रिता सिंह, डॉक्टर संगीता चौधरी,डॉक्टर अशोक कुमार, डॉक्टर सत्य प्रकाश, डॉ रामजी चौधरी, आरती रानी पांडेय, डॉक्टर विनय पांडेय, डॉक्टर आशुतोष कुमार, डॉक्टर शंकर सिंह, डॉक्टर राम इकबाल प्रसाद गुप्ता, मुख्य संरक्षक डॉक्टर आर एन ओझा, आर एल बी एस ए फाउंडेशन के निदेशक राजीव लोचन मिश्रा, संरक्षक बसंत कुमार पाठक, विवेक कुमार सिंह ,अमृता कुमारी सहित क्यों ने लोगों ने शुभकामनाएं दी है।

गर्मी के मौसम एवं तेज हवा को देखते हुए अग्नि सुरक्षा को लेकर मधुबनी जिला प्रशासन ने जारी किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

गर्मी के मौसम एवं तेज हवा को देखते हुए अग्नि सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने जारी किया एडवाइजरी।
आपदा नही होगी भारी, यदि पूरी है तैयारी
जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने लोगों से सावधानी बरतने की जारी की अपील।
ोड़ी सी चूक से अग्नि कांड होने की संभावना बनी रहती है और जानमाल की क्षति होती है।ऐसे में आम लोगों को सचेत रहने खेत, खलिहान एवं घरों में अग्नि सुरक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है। अग्नि सुरक्षा को लेकर जानकारी एवं पूर्व तैयारी हो तो आपदा के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सकता है।--जिलाधिकारी।
अग्निशमन पदाधिकारी के दूरभाष संख्या किया गया जारी।
आपातकालीन सेवा का फोन नंबर 112 एवम जिला नियंत्रण कक्ष(आपदा) के नंबर 06276-222576 अपने पास अवश्य रखें ।
जिलाधिकारी, अरविन्द कुमार वर्मा ने जिले में गर्मी के मौसम एवं चल रही तेज हवाओं के कारण अग्निकांडो में वृद्धि की संभावना को देखते हुए लोगों से सचेत रहने की अपील जारी की है। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी चूक से अग्नि कांड होने की संभावना बनी रहती है और जानमाल की क्षति होती है।ऐसे में आम लोगों को सचेत रहने खेत, खलिहान एवं घरों में अग्नि सुरक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा को लेकर जानकारी एवं पूर्व तैयारी हो तो आपदा के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सकता है। उन्होंने लोगो से अपील करते हुए कहा कि खलिहान को हमेशा गांवों की आबादी एवं फसलों से भी दूर खुले स्थान पर लगाएं। थ्रेसर का उपयोग करते समय डीजल इंजन या ट्रैक्टर के साइलेंसर को लंबे पाइप के द्वारा ऊंचाई पर रखें ।

*थ्रेसर के उपयोग करते समय पास में कम से कम 200 लीटर पानी भरकर अवश्य रखें। *खलिहान के आसपास छोटी-छोटी बाल्टियों में बालू भरकर रखें ।
*रोशनी के लिए सोलर लैंप, टॉर्च, इमरजेंसी लाइट इत्यादि बैटरी वाले यंत्र का ही प्रयोग करें।
* एक खलिहान से दूसरे खलिहान की दूरी 20 फीट से कम ना रखें ।
*खलिहान वैसे जगह लगाएं जहां अग्निशमन वाहन आसानी से पहुंच सके।
* खलिहान वैसी जगह हो जहां जल स्रोत नजदीक हो ,जैसे नदी, तालाब ,पैन ,बोरिंग ।
*खलिहान में कच्ची फसलों का बड़ा टाल ना लगाया जाए। *खलिहान के आसपास अलाव ना जलाएं,यदि बहुत आवश्यक हो तो पानी भरी बाल्टीया अवश्य पास में रखें।
* बिजली की नंगी तारों के नीचे खलिहान नहीं बनाया जाए।
*खलिहान में पूजा में उपयोग किए जाने वाले वस्तु यथा अगरबत्ती ,धूप ,दीपक इत्यादि पर नजर रखें ,जब तक कि वह पूरी तरह बुझ न जाए।
* खलिहान के आसपास किसी भी उत्सव के दौरान आतिशबाजी का प्रयोग ना तो स्वयं करें नहीं दूसरे को करने दें।
* बांस के खंबे के द्वारा नंगे बिजली के तार खेतों में ना रखें। *खेतों के आसपास बीड़ी सिगरेट आदि ना पिए तथा ना ही किसी को पीने दे ।
*कटनी के बाद खेत में छोड़े डंठलों में आग ना लगाएं।
*रसोईघर को यथासंभव अग्नि रोधक बनाने के लिए उसे चारों तरफ गीली मिट्टी का लेप लगा दे। फूस के घरों में भी मिट्टी का लेप लगाएं।
* देहाती क्षेत्रों में खासकर फूस एवं खपरैल मकानों के निवासी खाना सुबह 8:00 बजे से पहले और शाम 5:00 से 6:00 के बीच (सूर्यास्त से पूर्व) बना लें।
* दीप,लालटेन,ढिबरी आदि के प्रयोग में सावधानी बरतें ।
*रसोई में कोई भी ज्वलनशील पदार्थ ना रखें जैसे मिट्टी तेल, सिंथेटिक कपड़े इत्यादि।
* ढीले और सिंथेटिक कपड़े ना पहने और बालों को खुला न रखें। रसोईघर से बच्चों को दूर रखें। *तेज हवा में खुली जगह पर खाना ना बनाएं यदि संभव हो तो चूल्हे को चारों तरफ से घेर कर रखें ।
*किसी भी जलते पदार्थ को बुझा कर ही सोएं।
* घर में हमेशा अग्निशामक पदार्थ जैसे कि पानी ,बालू, सूखी मिट्टी ,धूल इत्यादि जमा कर रखें।
* हरे पेड़ जैसे केला में अग्नि ताप को कम करने की क्षमता होती है अतः इसे अपने घर के चारों ओर लगाएं ।

छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य ,घाटो पर उमड़ी भीड़

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

चैती छठ के चार दिवसीय अनुष्ठान के तीसरे दिन चैत्र शुक्ल षष्ठी यानी गुरुवार की संध्या पहर में अस्ताचलगामी भगवान भास्कर की पूजा संपन्न हो गई। मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के सतीवारतीर,मालिक घाट, हनुमानगंज,गोपालवाड़ी कौलेशवरी घाट समेत प्रखंड क्षेत्र के अरना, कवलपुरा,डुमरसन, चालीस आरडी, चांद कुदरिया, बहादुरपुर, सोनौली, दुरगौली, खजुरी,सेमरी समेत अन्य गांवों के घाटो पर व्रती महिला-पुरुष ने स्नान कर पीला व लाल वस्त्र धारण कर पूरी पवित्रता के साथ हाथों में बांस के सूप में ऋतुफल ठेकुआ, ईख, नारियल, केला रखकर डूबते हुए सूर्य को नदी घाटों पर अर्घ्य किया। थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने विधि व्यवस्था को लेकर अलग अलग जगहों पर पुलिस बल लगाएं रखा ।ग्रामीण अंचलों में कुछ जगहों पर पोखर और तालाब में जाकर व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। व्रती व उनके स्वजन अस्ताचलगामी सूर्य की पूजा-अर्चना करने के बाद आंगन एवं छत पर मिट्टी की कोशी की छठी के रूप में पूजा की। आचार्य टुन्ना बाबा ने कहा कि लोक आस्था का पर्व छठ कृषि से जुड़ा है। कार्तिक व चैत्र मास में यह पर्व तब मनाया जाता है जब नई फसलें कट कर किसानों के घर आ जाती है। अनाज से घर भरने को किसान सूर्य देव की कृपा मानते हैं। अन्न-धन से जब घर भर जाता हैं तो किसान परिवार सूर्य भगवान व उनकी बहन छठी मैया का आभार प्रकट करने को छठ पर्व मनाते हैं। शुक्रवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय महा पर्व का समापन होगा।

पूसा के चंदौली में आग लगी की घटना में एक गाय की जलकर मौत, पर्व के मौके पर माहौल हुआ गमगीन,

अंचलाधिकारी ने लिया घटनास्थल का जायजा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के पूसा प्रखंड के चंदौली वार्ड संख्या 9 निवासी कृष्णदेव राय, रामबली राय, पप्पू राय आदि के बथान में गुरुवार को अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की चपेट में कई बथान आ गया। कृष्णदेव राय का एक गाय जल जलकर मर गया। वही रामबली राय का भैंस बुरी तरह झुलस गया जिनकी स्थिति भी बहुत खराब बनी हुई है। इस आगलगी में मवेशी के साथ मोटरसाइकिल आदि भी जलकर राख हुआ है। बथान में एवं आसपास रखें घरेलू सामग्री, मवेशियों का चारा दाना भी जल गया। आगलगी से भारी तबाही हुई है। स्थानीय लोगों ने बोरिंग से पानी चलाकर आग बुझाने की कोशिश की। वहीं घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड कि टीम पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना स्थल पर जला पड़ा भैंस हृदयविदारक प्रतीत हो रहा था। पीड़ित परिवार के लोगों के क्रंदन से पूरा वातावरण गमगीन है। आग कैसे लगी है, यह अभी अज्ञात है। मौके पर पूसा के अंचला अधिकारी पल्लवी कुमारी ने पहुंचकर घटना एवं क्षति की जानकारी ली है। वैनी थाना अध्यक्ष ने भी घटनास्थल का दौरा किया है एवं आवश्यक कार्रवाई में जुट गये हैं।

भाजपा ने किया मंडल कमिटी का गठन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश संगठन मंत्री एवं भाजपा उत्तरी के जिलाध्यक्ष नीलम सहनी के निर्देश पर भाजपा दक्षिणी मंडल व उत्तरी मंडल के पदाधिकारियों व मंडल कमिटी की गठन किया गया ।दक्षिणी मंडल अध्यक्ष ठाकुर संग्राम सिंह ने बताया की विस्तारित कार्यसमिति मे राजेश कुमार सिंह, रणवीर ठाकुर, संजय कुमार रमन, अजीत पासवान, पुष्पा देवी, कुमारी मंजू झा को उपाध्यक्ष, राजन कुमार गुप्ता, शंभू पासवान को महामंत्री, कृष्णा देवी ,राजेश कुमार, जितेंद्र कुमार राय, संतोष कुमार दास ,मंजू देवी, यशवंत कुमार सिंह को मंत्री व कोषाध्यक्ष प्रदीप पोद्दार सहित 61 सदस्यीय कमिटि गठित किया गया है। उत्तरी मंडल अध्यक्ष सुधीर कुमार पोद्दार ने बताया कि उपाध्यक्ष पद पर अनिल कुमार झा, विजय कुमार ठाकुर, राज कुमार साह, सोनू पोद्दार, रेनू देवी व माया देवी, महामंत्री पद पर रमेश साह, प्रेम कुमार साह, आदित्य कुमार ठाकुर, कौशल्या देवी, संजीव पोद्दार, रामाकांत सहनी, सुधा देवी कुमारी व श्याम झा के अलावा कोषाध्यक्ष पद पर अर्जुन पोद्दार समेत 36 सदस्सीय कमिटी गठित की है। वही नव गठित कमिटी सदस्यों को भाजपा कार्यकताओं ने बधाई दी है।

समस्तीपुर मंडल द्वारा दरभंगा रेलवे स्टेशन पर 5 अप्रैल को विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। समस्तीपुर मंडल महावीर इंटरनेशनल दिल्ली के सहयोग से दरभंगा रेलवे स्टेशन पर एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करने जा रहा है। यह शिविर शनिवार 5 अप्रैल 2025 को रेलवे स्टेशन के वीआईपी रूम में आयोजित किया जाएगा। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलने वाले इस स्वास्थ्य शिविर में सभी रेल कर्मचारियों तथा रेलवे में अनुबंध पर कार्य कर रहे कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाएगी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उदघाटन भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी एवं भारतीय पैकेजिंग संस्थान, मुंबई के निदेशक तथा अतिरिक्त महानिदेशक (विदेश व्यापार) राजेश कुमार मिश्रा द्वारा किया जाएगा। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत विभिन्न चिकित्सा जांच, परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएगी एवं जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मंडल रेल प्रबंधक, समस्तीपुर विनय श्रीवास्तव होंगे। मंडल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सुनील कुमार सहित अन्य वरिष्ठ डॉक्टर एवं अधिकारी भी इस स्वास्थ्य शिविर में भाग लेंगे और अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य रेल कर्मचारियों तथा रेलवे में अनुबंध पर कार्य कर रहे सभी कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, चिकित्सा सेवाओं की समय पर पहुंच सुनिश्चित करना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह पहल सभी कर्मचारियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

समस्तीपुर डिवीजन सभी संबंधित रेल कर्मचारियों से आग्रह करता है कि वे इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य शिविर में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और इसे सफल बनाने में अपना योगदान दें।

तेज रफ्तार से बाइक चलाना महंगा पड़ा सतमलपुर के एक युवक को

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मथुरापुर - खानपुर मुख्यपथ पर गुरुवार की शाम लहेरियाकट स्टाइल में तेज रफ्तार से बाइक चलाना बाइक सवार को महंगा पड़ा। ट्रेफिक एसडीपीओ आशीष राज पुलिस बल के साथ क्षेत्र में निकले थे, इसी बीच काफी तेज गति में लहेरिया कट स्टाइल में बाइक चलाकर जा रहे युवक को खदेड़कर पकड़ा। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष निरंजन कुमार के हवाले कर दिया। उक्त युवक की पहचान सतमलपुर बड़ी बाग निवासी मो मोनिफ का पुत्र मो साजिद के तौर पर की गई है। इधर थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने जुमार्ना की राशि काटने के साथ हिदायत देकर छोड़ दिया। बताया जाता है कि इन दिनों मुख्य सड़क पर नव युवक सुबह व शाम इस तरह गाड़ी तेज चलाते हैं, जिससे लोगों में दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है।

आम आदमी पार्टी ने समस्तीपुर में निकाला जन संपर्क यात्रा, समस्तीपुर में लाया जाएगा दिल्ली मॉडल : राकेश कुमार यादव

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। आम आदमी पार्टी बिहार प्रदेश प्रायोजित कार्यक्रम बिहार में भी केजरीवाल जनसंपर्क यात्रा वृहस्पतिवार को प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार यादव, प्रदेश महासचिव केशव किशोर प्रसाद, प्रदेश संगठन महामंत्री गणेश दत्त के नेतृत्व में पार्टी के बैनर पोस्टर से सुसज्जित मोटर वाहन, प्रचार गाड़ी एवं सैकड़ों कार्यकताओं के साथ समस्तीपुर में आगमन हुआ। जहां समस्तीपुर जिला अध्यक्ष अधिवक्ता आलोक कुमार सिंह ने सभी को माल्यार्पण कर स्वागत किया। मोटर वाहन एवं कार्यकताओं के साथ यात्रा ए के पैलेस विवाह भवन धुरलक चौक से भुईधारा चौक सोनवर्षा चौक, काशीपुर चौक होते हुए समस्तीपुर एसडीओ आफिस पहुंचकर जननायक कपूर्री ठाकुर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार यादव के द्वारा कार्यकताओं को संबोधित किया गया एवं पैदल यात्रा प्रारम्भ हुई जो ओवर ब्रिज होते हुए लक्ष्मी टाकिज चौक पर स्थित शहीद-ए-आजम भगतसिंह स्मारक पर माल्यार्पण के साथ नुक्कड़ सभा में तब्दील हुआ नुक्कड़ सभा बाद पैदल

जनसंपर्क यात्रा गणेश चौक, गोला रोड, मारवाड़ी बाजार होते हुए स्टेशन चौक पर स्थित गांधी स्मारक के पास नुक्कड़ सभा के साथ संपन्न हुआ। नुक्कड़ सभा में प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य रूप से समस्तीपुर जिला के मुद्दों को लेकर संवाद जनता से किया। उन्होंने कहा समस्तीपुर में चीनी मिल, जुट मिल, पेपर मिल, मसाला उत्पादन के लिए जो यह जिला विश्व प्रसिद्ध था सभी सरकारी उदासीनता के कारण प्रायः मृत हो चुके हैं। वहीं समस्तीपुर जाम की समस्या से त्रस्त है और विधायक सांसद, सरकार सभी झुठा पीठ थपथपा रहे हैं। आजादी के इतने सालों में भी हम बिहारियों को न तो अच्छी शिक्षा, चिकित्सा और न ही बिजली पानी की समुचित व्यवस्था सरकार दिला सकी है। अब हम बिहारियों को भी अरविंद केजरीवाल के दिल्ली माडल की आवश्यकता है हमें भी विश्वस्तरीय मुफ्त शिक्षा, चिकित्सा मुफ्त बिजली, महिलाओं को मुफ्त यात्रा, सरकारी सुविधाओं का होम डिलीवरी, इमानदार सरकार जो पूंजीपतियों के लिए नहीं बल्कि आम जनता के लिए काम करें। जनमत की सम्पूर्ण आशा और आकांक्षा आज आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल से जुड़ी है। आप तमाम जनता जनसमर्थन देकर आम आदमी पार्टी को आगे बढ़ाने का काम किजिए। इस मौके पर प्रदेश पूर्व अध्यक्ष शत्रुघन साहु, प्रदेश महिला अध्यक्ष रूबी कुमारी, पूर्व प्रदेश महिला अध्यक्ष उमादफ्तुआर, हेमनारायण, प्रदेश महासचिव अध्यक्ष केशव किशोर प्रसाद उर्फ संतोष जी, निरेंदु रक्षित, मनोज कुमार, अमन कुमार, प्रभात सिंह, मंजीत कुमार, विष्णुदेव महतो, हैदर अली, जिला अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, डॉक्टर गुरुदयाल सिंह, रेणु पूर्वे, साक्षी कुमारी, किशन लाला, जावेद, सईदुर रहमान आदि उपस्थित थे।

पूसा के चंदौली में आग लगी की घटना में एक गाय की जलकर मौत, पर्व के मौके पर माहौल हुआ गमगीन, अंचलाधिकारी ने लिया घटनास्थल का जायजा

पूसा प्रखंड के चंदौली वार्ड संख्या 9 निवासी कृष्णदेव राय, रामबली राय, पप्पू राय आदि के बथान में गुरुवार को अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की चपेट में कई बथान आ गया। कृष्णदेव राय का एक गाय जल जलकर मर गया।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के पूसा प्रखंड के चंदौली वार्ड संख्या 9 निवासी कृष्णदेव राय, रामबली राय, पप्पू राय आदि के बथान में गुरुवार को अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की चपेट में कई बथान आ गया। कृष्णदेव राय का एक गाय जल जलकर मर गया। वही रामबली राय का भैंस बुरी तरह झुलस गया जिनकी स्थिति भी बहुत खराब बनी हुई है। इस आगलगी में मवेशी के साथ मोटरसाइकिल आदि भी जलकर राख हुआ है। बथान में एवं आसपास रखें घरेलू सामग्री, मवेशियों का चारा दाना भी जल गया। आगलगी से भारी तबाही हुई है। स्थानीय लोगों ने बोरिंग से पानी चलाकर आग बुझाने की कोशिश की। वहीं घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड कि टीम पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना स्थल पर जला पड़ा भैंस हृदयविदारक प्रतीत हो रहा था। पीड़ित परिवार के लोगों के क्रंदन से पूरा वातावरण गमगीन है। आग कैसे लगी है, यह अभी अज्ञात है। मौके पर पूसा के अंचला अधिकारी पल्लवी कुमारी ने पहुंचकर घटना एवं क्षति की जानकारी ली है। वैनी थाना अध्यक्ष ने भी घटनास्थल का दौरा किया है एवं आवश्यक कार्रवाई में जुट गये हैं।

अनुसूचित जाति जनजाति टोलों में विशेष विकास शिविर का प्रारंभ 14 अप्रैल से

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। अनुसूचित जाति जनजाति टोलों में विशेष विकास शिविर का प्रारंभ 14 अप्रैल से हो रहा है, इस संबंध में प्रखंड स्तरीय सभी विभागों के पदाधिकारी के साथ प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति ने शिविर की तैयारी के संबंध में संबंधित योजनाओं के प्रचार प्रसार महादली टोला में उन लोगों से फार्म भरवाना पूर्व तैयारी करना एवं इसका निष्पादन के संबंध में विस्तृत बैठक की गई एवं पूरे कार्यक्रम से संबंधित जानकारी दी गई। इस बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, राजस्व पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड श्रम पदाधिकारी, बिजली कंपनी, शिक्षा विभाग के कर्मी, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के बीसी आवास पर्यवेक्षक। सरकार की जो भी योजना संचालित है उन योजनाओं से उन सभी को शिविर लगाकर आच्छादित करना है।

अपहृत महिला बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से अपहत एक महिला को पुलिस ने बरामद किया। इसको लेकर परिजनों ने थाना कांड संख्या 100/25 की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अपहता को पुलिस ने बुधवार की देर शाम कल्याणपुर चौक से बरामद किया। इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि कांड के अनुसंधान कर्ता अवर निरीक्षक लालू प्रसाद महिला सुरक्षा में 164 का बयान कराने न्यायालय भेजे गये हैं। न्यायालय के आदेश के बाद अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

लोजपा (आर) की विशेष बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के रामपुरा में लोजपा (आर) प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी के निदेर्शानुसार जिलाध्यक्ष अनुपम कुमार सिंह उर्फ हीरा के निर्देशन में प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष जयकृष्ण साह ने किया, वहीं मंच संचालन राकेश साहू ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जिला प्रभारी प्रभाकर ठाकुर व जिलाध्यक्ष।जिला प्रभारी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रखंड अध्यक्ष अपने पंचायत अध्यक्ष से मिलकर हर बूथ को मजबूत करने कि कोशिश करें।आगामी विधानसभा में एनडीए गठबंधन को बिहार में 225 सीट व जिला से 10 के 10 सीट जीताने का आहवान किया। इधर जिलाध्यक्ष अनुपम कुमार सिंह ने कहा कि आप सभी कार्यकर्ता साथी जिस प्रकार से बड़े मजबूती से पार्टी के साथ हैं, आगे आने वाले विधानसभा चुनाव में 100% वोट दिलाने काम करेंगे। इसके लिए आप सभी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक मजबूत करने की आवश्यकता है। बैठक में जिला प्रधान महासचिव राजकिशोर हजारी, आईटी सेल जिला उपाध्यक्ष ललित कुमार, संसदीय बोर्ड जिला अध्यक्ष मुकेश सिंह, प्रदेश सचिव संतोष पासवान, दिनेश पासवान, मुन्ना साह, राजेश झा, राम उचित सहनी, रघुनाथ साह, बृजेंद्र ठाकुर, रामबाबू पासवान, मंजय पासवान, रामा पासवान, सोना देवी, विश्वनाथ दास, अबोध कुमार, धर्मेंद्र कुमार, पप्पू झा, रमेश पासवान सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

विशिष्ट शिक्षकों को चार माह से वेतन नहीं मिलने से भुखमरी की स्थिति उत्पन्न।

शिक्षा विभाग के उदासीन रवैये से विशिष्ट शिक्षकों के सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। बता दे की बिहार के लगभग डेढ़ लाख शिक्षकों ने सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण और सभी मापदंडों को पूरा कर नियोजित शिक्षक से विशिष्ट शिक्षक तो बन गए

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता सिवान महाराजगंज दुरौंधा 3अप्रैल बृहस्पतिवार। शिक्षा विभाग के उदासीन रवैये से विशिष्ट शिक्षकों के सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। बता दे की बिहार के लगभग डेढ़ लाख शिक्षकों ने सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण और सभी मापदंडों को पूरा कर नियोजित शिक्षक से विशिष्ट शिक्षक तो बन गए लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण उनको चार माह से वेतन नहीं मिल रहा है। जिसे शिक्षकों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गई है। जिसे शिक्षक परेशान है। होली और ईद जैसे पर्व पर भी वेतन नहीं मिलना शिक्षा विभाग पर शिक्षकों को अपमानित करना दशार्ता है। पहले शिक्षा विभाग के पास एक मुद्दा था की परान नंबर नहीं होने के कारण वेतन दिलाना असंभव है लेकिन जब सभी शिक्षक का परान बन गया तो अब एक एचआरएमएस एक्टिवेट का बहना इन दिनों चल रहा है। आखिर इतने दिनों से क्या हो रहा है जो अभी तक वेतन भुगतान का मापदंड पूरा नहीं हुआ। गत वर्ष इसी वेतन भुगतान संबंधी कार्य बीपीएससी टीआरई एक और दो से नियुक्त शिक्षकों को एक महीना के अंदर परीक्षा से लेकर योगदान और वेतन भुगतान का कार्य को पूर्ण कर लिया गया था वह कौन से सिस्टम से हुआ था।लेकिन वर्तमान समय में ये लेट लतीफा विशिष्ट शिक्षकों को शोषण और पड़तारना को दशार्ता है।

अतिक्रमण मुक्त कराने गए पुलिस टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : बाबा केवल स्थान राजकीय रामनवमी मेला क्षेत्र में अतिक्रमण मुक्त कराने गए पुलिस टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। इस घटना में एक पुलिस कर्मी घायल हो गया। जानकारी के अनुसार सड़क अतिक्रमण मुक्ति के दौरान एक दुकानदार ने ईंट चला कर पुलिस कर्मी को घायल कर दिया।

घायल पुलिस कर्मी की पहचान बीएमपी के जवान अजय कुमार के रूप में की गई है, जिसका उपचार जारी है। इससे पहले बुधवार को कुछ लोगों ने डायवर्सन को निजी जमीन बताकर उखाड़ दिया था। इस दौरान गाली-गलौज और हाथापाई की नौबत आ गई थी।बुधवार को मेला क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे एडीएम अजय तिवारी, सदर एसडीओ दिलीप कुमार से समिति सदस्यों ने इसकी शिकायत की थी। वहीं उत्पाद विभाग की टीम के अधिकारियों द्वारा ठंडे की दुकानों में

शराब की आशंका पर कई दुकानों की जांच की गई।इधर जिला प्रशासन ने साफ कहा है कि मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार का थिएटर नहीं चलेगा। थिएटर में अश्लील गाने बजाए जाते हैं, जो धार्मिक आयोजन के लिए अपमानजनक है। रामनवमी मेले में थिएटर लगाने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। निरीक्षण के दौरान मंच, पंडाल निर्माण और विद्युत व्यवस्था की भी जांच की गई। मनरेगा से चल रहे सड़क निर्माण कार्य का जायजा लिया गया। संवेदक को समय पर काम पूरा करने का सख्त निर्देश दिया गया।

बखरी अनुमंडल सभागार में रामनवमी एवं चैती दुर्गा मेला को लेकर शांति समिति की बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी/बेगूसराय/संवाददाता।बखरी अनुमंडल सभागार में गुरुवार को रामनवमी और चैती दुर्गा मेला को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी कुमार सौरव ने की। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।इस बैठक में सभी अधिकारियों ने रामनवमी और चैती दुर्गा मेला के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ शांति बनाए रखने पर जोर दिया।एसडीएम श्री सौरव ने बैठक में कहा कि हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इन पर्वों के दौरान हर कोई शांतिपूर्वक त्योहार मनाए। पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से चौकस रहेगा ताकि किसी भी प्रकार की अशांति या अव्यवस्था न हो। साथ ही, सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाएं। एसडीपीओ कुंदन कुमार ने धार्मिक आयोजनों में शांति और साम्प्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए सभी समुदायों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस की ओर से सभी सुरक्षा उपाय किए जाएंगे, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न घटे।बखरी सीओ राकेश कुमार चौधरी ने शांति समिति के सदस्यों से अपील करते हुए कहा हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा। कि किसी भी प्रकार का तनाव उत्पन्न न हो।

बरदाहा में हेल्पिंग हैंड द्वारा करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड क्षेत्र के बरदाहा में हेल्पिंग हैंड द्वारा करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

बरदाहा, : हेल्पिंग हैंड संस्था द्वारा बरदाहा में एक करियर एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा और करियर से जुड़ी सही दिशा प्रदान करना था।

कार्यक्रम की शुरूआत पवित्र कुरान के पाठ से हुई, जिसके बाद अजमत रजा ने संचालन किया। इस अवसर पर 10वीं और 12वीं कक्षा के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में हिलाल अनवर, मुहम्मद अबसार,

फरहान हाशमी, कामरान अख्तर और सलामुद्दीन ने छात्रों को संबोधित किया। वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व, करियर के सही चुनाव और भविष्य की चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर आफताब अहमद, नूर हुसैन जैद, गुलाम सिद्दीकी, सैयद रजा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में करीब 200 छात्रों ने भाग लिया और इसे बेहद लाभदायक बताया।छात्रों ने हेल्पिंग हैंड के इस प्रयास की सराहना की और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी ऐसे मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद संख्या में उपस्थित थे '

नशाखुरानी के शिकार एक युवक को बेहोशी हालत में जीआरपी थाने की पुलिस ने उतारा किया सदर अस्पताल में भर्ती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : स्थानीय जंक्शन पर नशाखुरानी के शिकार एक युवक को बेहोशी हालत में जीआरपी थाने की पुलिस ने उतारा और उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया।बताया गया है कि उक्त युवक असम से मधुबनी लौट रहा था। इसी दौरान कटिहार में साथ यात्रा कर रहे एक शख्स ने पीड़ित को विश्वास में लेकर उसे नशीली चाय पिला दी। जिससे वह बेहोश हो गया। पीड़ित युवक की पहचान मधुबनी जिले के मलमल थाना क्षेत्र निवासी उमेश साफी के पुत्र रोहित कुमार साफी (35) के रूप में की गई है।

इसी दौरान कटिहार में साथ यात्रा कर रहे एक शख्स ने पीड़ित को विश्वास में लेकर उसे नशीली चाय पिला दी। जिससे वह बेहोश हो गया। पीड़ित युवक की पहचान मधुबनी जिले के मलमल थाना क्षेत्र निवासी उमेश साफी के पुत्र रोहित कुमार साफी (35) के रूप में की गई है।

ट्रेन में यात्रा कर रहे अन्य यात्रियों के अनुसार 15653 अमरनाथ एक्सप्रेस में मिलिट्री जैसी वर्दी में बैठे एक शख्स ने पहले जान पहचान बढ़ाई फिर रोहित को विश्वास में लेकर चाय पिला दी। चाय पीने के बाद उसे चक्कर आने लगा और वह बेहोश हो गया। समस्तीपुर पहुंचते पर यात्री के बेहोश होने की सूचना अन्य यात्रियों द्वारा जीआरपी को दी गई।मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां वह इलाजरत है और पूरी तरह होश में भी नहीं आया है। पीड़ित के पास से जलपाईगुड़ी से मधुबनी तक का साधारण टिकट भी बरामद किया गया है। इस संबंध में जीआरपी थानाध्यक्ष बीपी आलोक ने बताया कि युवक के होश में आने पर ही लूटपाट से संबंधित जानकारी मिल सकेगी। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

भतीजी से जबरन संबंध बनाने की कोशिश का आरोप

चाचा ने भतीजी को पंचायत में पीटा, आरोपी चाचा ने भी लगाए आरोप, FIR दर्ज

वैशाली। बिदुपुर थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। चकसिकंदर गांव में एक चाचा ने अपनी भतीजी से जबरन संबंध बनाने की कोशिश की। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया, तो उसे पंचायत में बुलाकर बेरहमी से पीटा गया। घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया है।पति को मिसगाइड कर तुड़वा दिया रिश्तापीड़िता ज्योति कुमारी (21) ने बताया कि उसके दो चाचा विभीषण महतो (43) और शत्रुध्न महतो (41) ने पहले उसके पति मिथिलेश कुमार महतो (25) को फेसबुक मैसेंजर पर गलत संदेश भेजकर शादी में विवाद पैदा किया। इस साजिश के चलते 3 साल पहले हुई शादी के शुरूआती 2 महीने में उसका वैवाहिक रिश्ता खराब हो गया।विवाद होने पर पीड़िता की मां ने ससुराल वालों पर ऋक्षफ करने की धमकी दी। इसके बाद पति ने 7 महीने ज्योति को साथ रखा। इस दौरान पीड़िता की चचेरी बहन ने पति को मिसगाइड

कर रिश्ता तुड़वा दिया। पति के छोड़ने के बाद पीड़िता करीब 2 साल से अपने मायके में ही रह रही है।पीड़िता के अनुसार, मायके आने के बाद चाचा ने उस पर अनैतिक संबंध बनाने का दबाव डालना शुरू कर दिया। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया तो आरोपी चाचा धमकाने लगे। 1 अप्रैल 2025 की सुबह चाचा ने गांव में पंचायत बुलाई। इस दौरान पंचायत में मुखिया प्रतिनिधि, सरपंच और अन्य ग्रामीणों के सामने पीड़िता को उसके चाचा सहित कुछ लोगों ने बेरहमी से पीटा। पीड़िता की मां संजू देवी (43) और बहन रौशनी कुमारी जब इस घटना का वीडियो बनाने लगीं, तो उन्हें भी पीटा गया।

इस दौरान मुखिया प्रतिनिधि अनिरुद्ध कुमार ने भी आरोपी का साथ दिया। वह पीड़िता को बिजली के खंभे से बांधकर पीटने की बात कहता रहा। आसपास मौजूद ग्रामीण भी पीड़िता की मदद के लिए आगे नहीं आए।पीड़िता और उसके परिवार को धमकीपीड़िता ने बताया कि जब वह इस घटना की शिकायत लेकर थाने पहुंची, तो मुखिया प्रतिनिधि अनिरुद्ध कुमार ने दबाव डालकर केस दबाने की कोशिश की। वहीं, आरोपी चाचा विभीषण महतो ने अपने खिलाफ दर्ज कराए गए केस वापस लेने का दबाव डाला। आरोपी चाचा ने पीड़िता के पिता भरत महतो और इकलौते भाई आयुष महतो (13)

को अगवा करने की धमकी दी है। पीड़िता के पिता भरत महतो (45) सिलीगुड़ी में रहकर वहां की किसी कंपनी में काम करते हैं।माता और बहन के साथ पीड़िता की फोटोहालांकि, भतीजी पर संबंध बनाने का दबाव बनाने के आरोपों को चाचा विभीषण ने खारिज किया है। उन्होंने बताया कि मेरे बड़े भाई की लड़की की शादी होने वाली है। वहां ज्योति गलत गलत मैसेज भेजकर रिश्ते तुड़वाने की कोशिश कर रही थी। इससे पहले भी उसने दो रिश्ते तुड़वा दिए हैं। मेरी भतीजी की फोटो को एडिट करके वायरल कर रही थी। इसी को लेकर पंचायत बुलाई गई थी।आरोपी चाचा विभीषण का कहना है कि पंचायत में उससे पूछताछ की जा रही थी। तभी दौरान गाली गलौज करने लगी। इसी को लेकर बड़े भाई शत्रुघ्न महतों से बर्दाश्त नहीं हुआ और लड़की पर हाथ चला दिया।शादी जुड़वाने के आरोपों को नकारापीड़िता की रिश्ते तुड़वाने को लेकर आरोपी चाचा ने कहा कि हम उसके ससुराल वालों या पति को जानते तक नहीं हैं। किसी प्रकार की मैसेज मेरे द्वारा नहीं भेजा गया है। यदि भेजा गया है तो पुलिस डेटा निकाल कर मुझ पर करवाई कर सकती है।वहीं, सरपंच प्रतिनिधि अरविंद कुमार पासवान ने बताया कि वह लोगों का सामाजिक पंचायत था। मुझे किसी पक्ष ने पंचायत में नहीं बुलाया गया था।

जानकारी मिली है कि मारपीट हुई है।पुलिस ने कहा- दोषियों को नहीं बख्शा जाएगापंचायत में पिटाई के अगले दिन 2 अप्रैल को पीड़िता ने बिंदुपुर थाने में शिकायत दी। पीड़िता ने अपने आवेदन में चाचा विभीषण महतो, शत्रुघ्न महतो, आदित्य कुमार, पूजा देवी, प्रियंका कुमारी और अनिता देवी पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। थाना अध्यक्ष अरुण कुमार ने आवेदन की जांच करने के बाद मारपीट और छेड़खानी, कपड़े फाड़ने वाली धारा में एफआईआर दर्ज किया है।।इस मामले में बिदुपुर थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा कि पीड़िता ने आवेदन के साथ पिटाई का वीडियो भी पुलिस को सौंपा है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और दोषियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी आरोपों की जांच करने के बाद दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश इस घटना के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

मधेपुरा में महिला और युवक को ग्रामीणों ने पकड़ा

मधेपुरा । के सिंहेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर गांव में बुधवार रात एक 45 साल की महिला को ग्रामीणों ने कथित रूप से 24 साल के के युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने युवक की पिटाई कर दी और अगले दिन पंचायत बुलाकर दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले में महिला के ससुर ने सिंहेश्वर थाना में आवेदन दिया है। उनके अनुसार शंकरपुर थाना क्षेत्र के मौरा कवियाही वार्ड-12 निवासी युवक एक अप्रैल से उनके घर पर रह रहा था और

उनकी बहू के साथ अवैध संबंध बना रहा था। बुधवार रात ग्रामीणों ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया, जिसके बाद डायल-112 पर सूचना दी गई। घटना के दौरान युवक के साथ मारपीट भी की गई। युवक ने प्रेम प्रसंग की बात से किया इनकाररात में महिला और युवक ने ग्रामीणों के सामने शादी करने की इच्छा जताई, जिसका वीडियो भी ग्रामीणों ने बना लिया।

वाल्मीकिनगर के जंगल में लगी आग, रिहायशी इलाके पहुंचे वन्यजीव

बेतिया। वाल्मीकिनगर के जंगल में लगी आग के चलते वन्यजीव अब तेजी से रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ रहे हैं। बुधवार रात हवाई अड्डा चौक स्थित महेश शाह के घर में विशालकाय कोबरा सांप दिखाई देने से हड़कंप मच गया। जैसे ही घरवालों की नजर सीढ़ी पर बैठे कोबरा पर पड़ी, सभी डर गए और तुरंत वन विभाग को सूचना दी। कुछ ही देर में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और विशेष उपकरणों की मदद से सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। जंगल की आग से बढ़ रहा संकट बुधवार को वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के प्रमंडल-

2 में त्रिवेणी कैनाल के किनारे जंगल में आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि घंटों की मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने उसे बुझाया, लेकिन तब तक करीब 6 एकड़ सदाबहार जंगल जलकर राख हो चुका था। वन विभाग की तत्परताआग की सूचना मिलते ही रेंजर श्रीनिवासन नवीन के नेतृत्व में वन कर्मियों और फायर वॉचरों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घंटों की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया।आग लगने के कारणों की जांच जारीवन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। हालांकि, यह संदेह है कि आग गर्मी, मानवीय लापरवाही या जंगल में फेंकी गई जलती चीजों के कारण लगी हो सकती है।वन्यजीवों का इंसानी बस्तियों की ओर रुखगर्मी और जंगल की आग के कारण वन्यजीव अब सुरक्षित स्थानों की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और जंगल की आग से वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं, जिससे वे इंसानी बस्तियों की ओर आने को मजबूर हो रहे हैं।

धुआं निकलने पर यात्रियों ने दी आवाज, ड्राइवर नहीं रुका

मोतिहारी। में बुधवार की रात सुपौल से दिल्ली जा रही शिव महिमा कंपनी की बस में आग लग गई। पिपरा कोठी थाना क्षेत्र के बंगरी ओवर ब्रिज के पास यह घटना हुई। इस हादसे में सभी यात्री सुरक्षित हैं। पुलिस घटना की जांच कर रही है। तकनीकी खराबी के चलते लगी आग जानकारी के अनुसार, बस में तकनीकी खराबी के चलते क्लच प्लेट में आग लग गई। यात्रियों ने बताया कि सुपौल से चलने के बाद बस में दो बार खराबी आई थी। ड्राइवर ने इसे नजरअंदाज किया और बस चलाता रहा। बस से धुआं निकलता देख यात्रियों और अन्य वाहन चालकों ने ड्राइवर को रोकने को कहा, लेकिन उसने बस नहीं रोकी। करीब 3 किलोमीटर तक बस चलने के बाद आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान यात्रियों ने जल्दी बस से कूदकर अपनी जान बचाई। इस दौरान कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं है और कुछ के हाथ झुलस गए हैं। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। यात्रियों का सारा सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू बस में आगजनी की सूचना मिलते ही पिपरा कोठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फौरन फायर ब्रिगेड को बुलाया गया।

इसके बाद दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। बस कंपनी ने यात्रियों के लिए दूसरी बस का इंतजाम किया और उन्हें सुरक्षित गंतव्य के लिए रवाना किया।

डीएम और एसपी के रक्सौल पहुंचने पर सड़कों से हटा जाम, तैनात दिखे जवान

रक्सौल। बुधवार को डीएम सौरभ जोरवाल और एसपी स्वर्ण प्रभात के अचानक रक्सौल पहुंचने से शहर से जाम गायब हो गया। जिस सड़क पर दिन में हमेशा बाइक व अन्य वाहन खड़े दिखते थे। दुकान सजी रहती थी। वहां एक भी वाहन नहीं दिखा। अधिकारियों के आगमन से पहले स्थानीय प्रशासन ने व्यवस्था सुधार दी। चौक-चौराहों पर पुलिस तैनात कर दिए थे। कोईरिया टोला से कस्टम कार्यालय, रेलवे स्टेशन रोड, आश्रम रोड और आर्य समाज रोड जैसे व्यस्त मार्गों पर जाम नहीं दिखा। इसे देख लोगों को आश्चर्य भी हुआ। लोगों का कहना था कि क्या व्यवस्था सिर्फ डीएम व एसपी

के लिए ही होगा या आम लोगों के लिए भी। डीएम व एसपी को तो यहां प्रतिदिन आना चाहिए। जिससे लोगों को कम से कम जाम की समस्या से जूझना तो नहीं पड़ेगा। लोगों ने बताया कि आम दिनों में रक्सौल की सड़कों पर बेतरतीब बाइक पार्किंग, ई-रिक्शा की अव्यवस्थित खड़ी और फुटपाथी दुकानों के कब्जे से जाम लगा रहता है। लेकिन बुधवार को यातायात पूरी तरह सुचारू रहा।

दहेज के लिए पत्नी की हत्या का आरोप

मोतिहारी। के पताही थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 26 साल की किरण देवी के रूप में हुई है। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की मां ने बताया कि दो साल पहले किरण की शादी राम परीक्षण महतो से हुई थी। ससुराल वाले दहेज में वॉशिंग मशीन और सीकरी की मांग करते थे। इस बात को लेकर किरण के साथ अक्सर मारपीट की जाती थी। पति का भाभी के साथ अवैध संबंध परिजनों का आरोप है कि मृतका

के पति का भाभी के साथ अवैध संबंध था। इसी कारण वह किरण को पसंद नहीं करता था। मायके पक्ष का कहना है कि पति, सास और घर के अन्य सदस्यों ने मिलकर किरण का गला घोंट दिया। फिर शव को कमरे में बिछावन पर चादर से ढक दिया।

'मेरे पिता कुछ नहीं थे,फिर भी बीजेपी ने अध्यक्ष बनाया

पटना। में बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी को एक बार लालू यादव से पूछना चाहिए। लालू के बगैर तेजस्वी की कोई पहचान नहीं है। चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं। मेरे पिता कुछ नहीं थे, इसके बाद भी बीजेपी ने मुझे प्रदेश अध्यक्ष बनाया। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के वायरल वीडियो पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोगों के पास खाने और दिखाने के दांत

अलग-अलग होते हैं। विपक्ष के लोग एक स्टैंड पर नहीं रहते हैं। कभी कुछ तो कभी कुछ बोलते हैं। भ्रम फैलाया जा रहा है। वक्फ पर वर्ष 2010 में जब लालू यादव भाषण दे रहे थे, उस समय सदन में सोनिया गांधी भी मौजूद थीं। मैं किशनगंज से आता हूं। जहां सबसे ज्यादा समझदार मुसलमान हैं। मुस्लिम समाज के लोग मुझे वोट करते हैं। मैं रमजान के महीने में चुनाव जीतता हूं।दिलीप जायसवाल ने आगे कहा कि 6 अप्रैल का बीजेपी का स्थापना दिवस है। इस मौके पर राज्य में एक सप्ताह तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी जिला मुख्यालय में 70 साल की यात्रा की प्रदर्शनी लगेगी। कार्यालय को भव्य तरीके से सजाया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है। बूथ स्तर पर पार्टी के झंडे लगाए जाएंगे।

सऊदी अरब में फंसा अमीरुद्दीन 14 साल बाद लौटा घर

रउ्ट की पहल पर इंडियन एंबेसी ने भेजा, पीड़ित बोला- भारत जैसा कोई देश नहीं

भागलपुर। नौकरी के लिए सऊदी अरब गया भागलपुर का एक युवक 14 साल बाद घर लौटा है। जॉब के लिए सऊदी गया युवक एक हादसे के बाद दोषी करार दिया गया था। उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया था। जब परिजन को जानकारी हुई तो वे बेटे की वतन वापसी को परेशान हो गए। करीब 9 साल तक परिजन परेशान रहे। अगस्त 2024 में उनकी मुलाकात उदाकिशनगंज मधेपुरा के SDO से हुई। उन्होंने SDO को सारी कहानी बताई। फिर रउ्ड ने सऊदी अरब में इंडियन एंबेसी में जानकार को इस बारे जानकारी दी। इंडियन एंबेसी ने सारी जानकारी इकट्ठा की और फिर युवक को प्लेन और ट्रेन का टिकट कराकर भागलपुर भेजा। बुधवार को भागलपुर लौटे युवक का नाम मोहम्मद अमरुद्दीन है, जो 2014 में दोषी करार दिए जाने, 14 महीने तक जेल की सजा काटने और फिर 2015 में जमानत पर रिहा होने के बाद से 9 साल यानी 2024 तक सऊदी अरब में भटक रहा था। जिले के जगदीशपुर इलाके के सलेमपुर गांव के रहने वाले

अमीरुद्दीन ने बताया कि जमानत पर रिहा होने के बाद उसके पास कोई काम नहीं था, पासपोर्ट और मोबाइल भी जब्त कर लिया गया था। इधर-उधर घूमकर किसी तरह 9 साल गुजारे। इस बीच परिवार वालों से कभी-कभी बात हो जाती थी। अमीरुद्दीन ने बताया कि सड़क दुर्घटना में मुझे दोषी करार देते हुए सजा दी गई, 14 महीने जेल में रहा। जब जमानत मिली तो मुझे 30 हजार रियाल (6,84,734 रुपए) जुर्माना के तौर पर देना था। मैंने छोटे-मोटे काम कर इसे चुकाने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो पाया। धीरे-धीरे ये जुर्माना बढ़कर 90 हजार रियाल यानी 20,54,203 रुपए हो गया। मेरा पासपोर्ट तभी मिल सकता था, जब मैं जुर्माने की रकम चुका देता। लेकिन पैसे थे, मैं करीब 9 साल इधर-उधर भटकता रहा। इसी बीच मेरे किसी परिजन ने उदाकिशनगंज मधेपुरा के एसडीओ एम जेड हसन को मामले की जानकारी दी। फिर, एसडीओ ने सऊदी अरब में इंडियन एंबेसी में काम करने वाले अपने जानकार को मेरे बारे में बताया और मदद की अपील की। इसके बाद सऊदी अरब में इंडियन एंबेसी एक्टिव हुई और मुझसे कॉन्टैक्ट किया। फिर इंडियन एंबेसी ने ही मेरे जुमार्ने की राशि को माफ कराया और भागलपुर तक आने के लिए पहले प्लेन और फिर ट्रेन का टिकट कराया। अमीरुद्दीन ने बताया कि जिस एजेंसी ने मुझे सऊदी अरब में काम दिलाया था और मुझे वहां पहुंचाया था, उसने मेरा न तो वहां का लाइसेंस बनवाया था और न ही उस गाड़ी का रजिस्ट्रेशन था, जो मैं चला रहा था। इसी के चलते कोर्ट ने मुझे दोषी माना और मुझे जेल जाना पड़ा। अमीरुद्दीन ने कहा कि अब मैं अपने देश से कहीं नहीं जाऊंगा। अपने भारत जैसे कोई देश नहीं है, यहीं कुछ करके कमाऊंगा और परिवार के साथ रहूंगा। अमीरुद्दीन के पिता हाजी मोहम्मद कुतुबुद्दीन ने बताया कि 18 से 20 साल से मैं किडनी, शुगर जैसी बीमारी से परेशान था।

संक्षिप्त डायरी

कस्टमर बनकर आए चोर, दिनदहाड़े ज्वैलरी शॉप में चोरी

मोतिहारी। नगर थाना क्षेत्र में 1 अप्रैल को दिनदहाड़े एक ज्वेलरी शॉप से बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। पानी टंकी के पास स्थित पूर्व सैनिक कमलेश गुप्ता की दुकान को दो शातिर चोरों ने अपना निशाना बनाया। गुरुवार को इस घटना का

सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।कैसे दिया वारदात को अंजाम? 1 अप्रैल दे दिन दोनों चोर ग्राहक बनकर जेवरात दुकान में आए थे। दोनों दुकानदार की नजर बचाकर सोने-चांदी से भरी पोटली लेकर फरार हो गए। चोरी की पूरी घटना दुकान में लगे उउळश कैमरे में कैद हो गई है, जिससे चोरों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।पुलिस जांच में जुटीदुकानदार कमलेश गुप्ता ने नगर थाना में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अब तक चोरों का कोई सुराग नहीं लग पाया है। थाना प्रभारी विजय कुमार ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।शहर में बढ़ रही हैं चोरी की घटनाएं मोतिहारी में चोरी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। पहले जहां चोरी की वारदातें रात में होती थीं, अब चोर दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देने लगे हैं। पुलिस गश्त और निगरानी में कमी के कारण चोरों का मनोबल बढ़ता जा रहा है।

हाजीपुर में 5 लाख की छिनतई का खुलासा

हाजीपुर । मामला 29 मार्च 2025 का है, जब संस्कार कुमार और उनके स्टाफ रामबाबू महतो एक बैंक से 5 लाख कैश निकालकर घर जा रहे थे। इसी दौरान

नगर थाना क्षेत्र के यादव चौक के पास दो अज्ञात बाइक सवारों ने रुपयों से भरा थैला छीन लिया। पीड़ितों ने इस घटना की सूचना फौरन पुलिस को दी।पुलिस ने घटना की जांच के लिए CCTV फुटेज खंगाले और एक आरोपी की पहचान करने में सफल रही। आरोपी सिंटू ग्वाला कटिहार के कोढ़ा थाना क्षेत्र के नयाटोला का रहने वाला है। वह कोढ़ा गैंग का सक्रिय सदस्य है। छापेमारी में 4 लाख बरामद, एक आरोपी फरार पुलिस ने स्थानीय अधिकारियों की मदद से आरोपी के घर पर छापेमारी की। इस दौरान लूटे गए 5 लाख में से 4 लाख बरामद कर लिया गया।सदर एसडीपीओ ओमप्रकाश ने बताया कि नगर थाना में कांड संख्या 353/25 के तहत धारा 394 (लूटपाट) में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की टीम दूसरे आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

देव छठ मेला में 500 स्काउट गाइड की टीम तैनात

औरंगाबाद। देव छठ मेला में व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए स्काउट गाइड की टीम को तैनात किया गया है। औरंगाबाद, अरवल और रोहतास जिले से कुल 500 स्काउट गाइड मंगलवार से सेवा में जुट गए हैं। टीम, 4 अप्रैल तक मेला में तैनात रहेगी। जिला संगठन आयुक्त और राज्य सचिव श्रीनिवास कुमार ने बताया कि छठ

पूजा में स्काउट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण है। स्काउट गाइड के छात्र भीड़ नियंत्रण में जुटे हैं। वे मेला क्षेत्र में एक तरफा रास्ता नियंत्रण, सूर्य कुंड और मंदिर परिसर में भीड़ नियंत्रण का कार्य कर रहे हैं। इनकी निगरानी के लिए स्काउट मास्टर और गाइड कैप्टन भी तैनात किए गए हैं। अरवल के जिला संगठन आयुक्त राजेश कुमार और रोहतास के जिला संगठन आयुक्त अरविंद कुमार सिंह समेत कई अधिकारी इस कार्य की देखरेख कर रहे हैं। सभी स्काउट गाइड को ड्रेस में रहने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले उन्हें विशेष ट्रेनिंग भी दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि स्काउट गाइड चार दिवसीय छठ मेला में व्रतियों की सेवा कर अपनी अलग पहचान बनाएंगे।

आर्मी में दो दोस्त,दोनों का एक-दूसरे की पत्नी से अफेयर

पूर्णिया। में स्कूल जा रही शादीशुदा शिक्षिका सोनी भारती (30) को बदमाशों ने गोली मार दी। सोनी अपने पति के दोस्त और प्रेमी बजरंग के साथ बुधवार की सुबह बाइक से स्कूल जा रही थी। तभी बदमाशों ने सोनी पर फायरिंग कर दी। गोली पीठ में लगी, घायल महिला टीचर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना

मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के वनभाग गांव की है। बजरंग आर्मी से रिटायर अधिकारी हैं। सोनी के पति चितरंजन भी आर्मी में ही है। वो कश्मीर में पोस्टेड हैं। पूर्णिया के न्यू सिपाही टोला निवासी सोनी भारती कटिहार जिले के कदबा थाना के उत्क्रमित मिडिल स्कूल कचड़ो पश्चिम में शिक्षिका हैं। सोनी भारती ने अपने पति चितरंजन कुमार और प्रेमी बजरंग के साले ब्रजेश उर्फ छोटू पर शूटर हायर कर हमला कराने का आरोप लगाया है।सोनी भारती का कहना है कि, 2006 में चितरंजन से मेरी शादी हुई थी। हमारे 2 बच्चे भी हैं। चितरंजन और बजरंग दोनों आर्मी में थे। अच्छे दोस्त भी थे। 2002 में बजरंग ने वीआरएस लेकर आर्मी की नौकरी छोड़ दी। वो पूर्णिया आ गया। मेरे पति चितरंजन और बजरंग ने पूर्णिया के न्यू सिपाही टोला में जमीन खरीदी और आसपास ही घर बनवाया। सोनी भारती ने आगे बताया कि 'मेरे पिता की अच्छी खासी प्रॉपर्टी है। इसी पर पति की नजर है। सविता (बजरंग की पत्नी) इस प्रॉपर्टी को हथियाने का दबाव मेरे पति चितरंजन पर बना रही थी। इसी प्रॉपर्टी के लिए पति मुझे धमकी देता रहता था।' 'पति चितरंजन ने प्रेमी बजरंग के साले के साथ मिलकर इससे पहले भी तीन बार हत्या की साजिश रची। लेकिन मां किसी तरह बच गई। इस बार पति के इशारे पर मुझे जान से मारने के लिए गुंडे भेजे गए थे। उन्हीं गुंडों ने फायरिंग की।' बेटी बोली- पापा को फंसाया जा रहा घटना को लेकर सोनी भारती की बेटी अनुष्का श्री का कहना है कि 'मेरे पिता चितरंजन कुमार जम्मू कश्मीर में पोस्टेड हैं। पिता अधिकांश बाहर ही रहते थे, जिसके चलते मां सोनी भारती का पिता के दोस्त बजरंग कुमार से अफेयर शुरू हो गया।' सोनी भारती के प्रेमी बजरंग ने बताया कि 'मैं हर रोज की तरह बुधवार को भी सोनी को बिलौरी स्थित घर से उसके स्कूल छोड़ने जा रहा था।

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए। आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है। ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है, लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत : अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

मुट्ठीभर कैलिफोर्निया बादाम के साथ बढ़ाएं अपनी संपूर्ण सेहत

भोपाल। हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला वर्ल्ड हेल्थ डे यह याद दिलाता है कि अच्छी सेहत का मतलब सिर्फ लंबा जीवन नहीं, बल्कि स्वस्थ और बेहतर जीवन जीना है। इसके लिए सबसे जरूरी पहलुओं में से एक है पोषण, क्योंकि संतुलित आहार हमारी समग्र सेहत की बुनियाद है। पोषण पाने का एक आसान लेकिन असरदार तरीका है अपने रोजमर्रा के आहार में कैलिफोर्निया बादाम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना। भारत में सबसे लोकप्रिय कैलिफोर्निया बादाम, प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट्स, मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन ई सहित 15 जरूरी पोषक तत्वों का प्राकृतिक स्रोत हैं, जो सेहतमंद जीवनशैली का समझदारी भरा हिस्सा बन सकते हैं। हमारी दादी-नानी सदियों से बादाम खाने की सलाह देती आई हैं, और अब विज्ञान भी उनके अनुभवों की पुष्टि करता है। 200 से अधिक प्रकाशित रिसर्च में यह सामने आया है कि बादाम न केवल ऊर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि दिल की सेहत, ब्लड शुगर कंट्रोल और वजन प्रबंधन में भी मददगार हैं। मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली में रीजनल हेड, डाइटीटिक्स ऋतिका समद्दार कहती हैं, भारत में खराब खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली की वजह से मोटापा, हृदय रोग और डायबिटीज़ बढ़ रही हैं। ऐसे में समग्र स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना और छोटे लेकिन समझदारी भरे फैसले लेना जरूरी है, जैसे बादाम, फल और सब्जियाँ अपनी डाइट में शामिल करना। बादाम खासकर दिल की सेहत के लिए लाभकारी हैं, ये कोलेस्ट्रॉल को कम करने और सूजन घटाने में मदद कर सकते हैं।

सैमसंग ने अपने सैमसंग केयर+ के साथ घरेलू उपकरणों पर विशेष एक्सटेंडेड वारंटी का तोहफा दिया

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने चुनिंदा रेफ्रिजरेटर्स और फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों पर सैमसंग केयर+ के साथ देशभर में एक विशेष एक्सटेंडेड वारंटी कैंपेन शुरू किया है। यह ऑफर 30 अप्रैल, 2025 तक वैध है, जिससे उपभोक्ताओं को ज्यादा आकर्षक और किफायती मूल्य पर अपने उपकरणों के लिए बेहतर सुरक्षा मिलेगी। उपकरणों को खरीदने के दौरान ड्यूरैबिलिटी सबसे प्रमुख कारक है, यह पहल सैमसंग की विश्वसनीय आफ्टर-सेल्स सेवा के साथ उपभोक्ताओं को ज्यादा सुविधा और लंबे समय में आश्वासन प्रदान करती है। इस विशेष ऑफर के तहत, उपभोक्ता चुनिंदा फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों पर सिर्फ 499 रुपये के विशेष मूल्य पर 4,290 रुपये की सैमसंग केयर+ के साथ 2 साल की एक्सटेंडेड एवं कॉम्प्रीहेंसिव वारंटी का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, रेफ्रिजरेटर्स की बात करें तो, सैमसंग फ्रेंच डोर और साइड-बाय-साइड (एसबीएस) मॉडलों पर 4490 रुपये की वारंटी के लिए 449 रुपये और 500 लीटर से नीचे के फ्रॉस्ट फ्री मॉडलों पर 1270 रुपये की वारंटी के लिए 349 रुपये के विशेष मूल्य पर 1 साल की एक्सटेंडेड वारंटी दे रहा है। उपभोक्ता सैमसंग के रिटेल स्टोर्स, सैमसंग डाट काम और देश भर की दूसरी रिटेल दुकानों में इस सीमित समय के ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग का कहना है कि वे ग्राहकों को नए-नए उच्च गुणवत्ता के उत्पाद और बिक्री के बाद अच्छी सेवाएं देना चाहते हैं। वे हमेशा नए और भरोसेमंद उत्पाद बनाते हैं, ताकि लोगों का जीवन बेहतर हो सके और ग्राहक पूरी तरह संतुष्ट हों।

पेनी स्टॉक ने किया एक महीने में पैसा डबल

10 रुपये से कम कीमत का यह शेयर बना रॉकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। नए वित्त वर्ष के पहले दिन एक अप्रैल को शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट आई थी। वहीं बुधवार को इसमें कुछ सुधार दिया। हालांकि स्टॉक मार्केट में कुछ शेयर पर इस गिरावट का कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। गिरावट से अलग इनमें लगातार अपर सर्किट लग रहा है। ऐसा ही एक शेयर स्टॉक मार्केट में बुलिश बना हुआ है। इसमें लगातार तेजी आ रही है। बुधवार को भी इसमें मार्केट खुलते ही 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। इस पेनी स्टॉक की कीमत 10 रुपये से कम है।

इस पेनी स्टॉक का नाम स्वदेशी इंडस्ट्रीज एंड लीजिंग लिमिटेड है। बुधवार को इस पेनी स्टॉक में मार्केट खुलते ही तेजी आ गई। इस शेयर में पिछले कई दिनों से लगातार अपर सर्किट लग रहा है। बुधवार सुबह 11 बजे यह शेयर करीब 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 6.26 रुपये पर पहुंच गया। यानी 10 रुपये से कम कीमत का यह शेयर निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहा है।शेयर बाजार में हाहाकार के बीच उछला यह जूलरी स्टॉक, प्रमोटर्स ने छुड़ाए सारे गिरवी शेयर, 5 साल में 1750 प्रतिशत तेजी

- **52 हफ्ते के शिखर पर–** यह शेयर इस समय अपने 52 हफ्ते के शिखर पर है। वहीं कंपनी का 52 हफ्ते का निम्नतम स्तर 2.10 रुपये है। यह शेयर अपने निम्नतम स्तर पर 8 अप्रैल 2024 को आया था। इसके बाद से इसमें तेजी बनी हुई है।
- **क्या है कंपनी का काम–** स्वदेशी इंडस्ट्रीज एंड लीजिंग लिमिटेड कंपनी कपड़ों से जुड़ा कारोबार करती है। यह कंपनी टेक्सटाइल और ट्रेडिंग सेगमेंट के जरिए कारोबार को ऑपरेट करती है। बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप 6.77 करोड़ रुपये है।
- **एक महीने में दोगुना पैसा–** इस शेयर ने एक महीने में ही निवेशकों को दोगुना रिटर्न दे दिया है। एक महीने पहले इसकी कीमत 3.06 रुपये थी। अब 6.26 रुपये है। ऐसे में एक महीने में इसका रिटर्न 104.58 प्रतिशत रहा है। अगर आपने एक महीने पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आज आपकी वह रकम बढ़कर 2.04 लाख रुपये हो चुकी होती। यानी एक साल में आपको एक लाख रुपये के निवेश पर एक लाख रुपये से ज्यादा का फायदा हो चुका होता।
- **एक साल में छप्परफाड़ रिटर्न–** एक साल में इस शेयर ने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। एक साल पहले इसकी कीमत 2.10 रुपये थी। यानी तब से लेकर अब तक देखें तो इसका रिटर्न करीब 200 फीसदी रहा है। एक साल में इसने एक लाख रुपये को 3 लाख रुपये में बदल दिया है।

ईवी खरीद रहे हैं तो इन खर्चों को भी जान लीजिए

कोई कार डीलर आपको नहीं बताएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को लेकर लोगों में एक उम्मीद रहती है कि ये लम्बे समय में पैसे बचाएंगी। लेकिन, कुछ ईवी मालिकों का कहना है कि इसमें कुछ ऐसे छुपे हुए खर्चे भी होते हैं, जो इसे उम्मीद से ज़्यादा महंगा बना सकते हैं। देखने में तो इनकी कीमत ठीक लगती है, पर कुछ छुपे हुए खर्चों की वजह से बचत होने से पहले ही ये महंगी लगने लगती हैं।

उदित गोयनका ने बताया

एंजल इन्वेस्टर, उदित गोयनका ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों को लेकर कुछ ऐसी ही बातें बताई हैं। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा कि गाड़ी खरीदने वाले लोग अक्सर इंस्टालेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्चों को नहीं समझ पाते। गोयनका ने कहा, इन अनचाहे छुपे हुए खर्चों की वजह से आपको कम से कम 6,000 किलोमीटर चलने के बाद ही पैसे बचने शुरू होते हैं।

एक और यूजर का छलका दर्द– उनकी इस बात पर एक यूज़र ने स्कूटर के बारे में भी ऐसी ही बात कही। उन्होंने कहा, मैंने एक ईवी स्कूटी का हिसाब लगाया। एक ष्ल्हद्व1ड्ड जो 1 लाख रुपये की है, वो 5 साल बाद फायदे में आएगी अगर उसे हर महीने 500 किलोमीटर चलाया जाए। ईवी स्कूटी पैसे बचाने के लिए ठीक नहीं है। इसका बस एक ही फायदा है कि आप पर्यावरण के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन जो बिजली इस्तेमाल होती है वो शायद थर्मल पावर से आती है...

- **ईवी रखने के और भी खर्चे हैं–** ईवी रखने के खर्चे इंस्टालेशन के बाद भी खत्म नहीं होते। चार्जिंग का खर्चा अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग होता है। बिजली की दरें और टाइम-ऑफ़-यूज़ प्लान बदलते रहते हैं, जिससे मालिकों को हर महीने का खर्चा पता नहीं चल पाता।
- **इसे उदाहरण से समझें–** एक उदाहरण के तौर पर, मान लीजिए आपने एक चमचमाती नई इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदी। डीलर ने आपको खूब सपने दिखाए कि कैसे आप पेट्रोल के खर्च से बचेंगे और पर्यावरण को भी साफ रखेंगे। लेकिन, जब आप गाड़ी लेकर घर पहुंचे, तो असली कहानी शुरू होती है। सबसे पहले तो आपको घर पर चार्जिंग स्टेशन लगवाना पड़ेगा। अब ये चार्जिंग स्टेशन क्या है ये एक तरह का बिजली का सॉकेट है, जिससे आप अपनी गाड़ी को चार्ज करेंगे। लेकिन, ये सॉकेट लगवाना इतना आसान नहीं है। इसके लिए आपको बिजली कंपनी से परमिशन लेनी होगी, मीटर बदलवाना होगा और फिर एक इलेक्ट्रीशियन को बुलाकर चार्जिंग स्टेशन लगवाना होगा। इन सब में आपके 30-40 हज़ार रुपये तो आराम से लग जाएंगे।
- **फिर होगा लाखों का खर्चा–** अब आप सोच रहे होंगे कि चलो, एक बार इतना खर्चा हो गया तो हो गया, बाद में तो बचत ही बचत है। लेकिन, ऐसा नहीं है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों में बैटरी होती है, जो कुछ सालों बाद खराब हो जाती है। इस बैटरी को बदलवाने में आपको 50 हज़ार से लेकर 2 लाख रुपये तक का खर्चा आ सकता है।

मूडीज रिपोर्ट: विकसित और उभरते जी-20 देशों में सबसे अधिक रहेगी भारत की वृद्धि दर

टैरिफ का कम होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की वृद्धि दर कर उपायों और निरंतर मौद्रिक सहजता के दम पर एक अप्रैल से शुरू नएवित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी रहेगी, जो विकसित और उभरते जी-20 देशों में सबसे अधिक होगी। इसके साथ ही, देश पूंजी आकर्षित करना जारी रखेगा और किसी भी विदेशी पूंजी निकासी को आसानी से झेल सकेगा। मूडीज रेटिंग्स ने उभरते बाजारों पर मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा, अमेरिकी नीतियों में अनिश्चितता से पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ेगा, लेकिन भारत और ब्राजील जैसे बड़े उभरते बाजार अपनी घरेलू उन्मुख अर्थव्यवस्थाओं, बड़े घरेलू पूंजी बाजारों, नीति विश्वसनीयता व पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के दम पर ऐसे हालात में वैश्विक पूंजी आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा, सबसे तेजी से बढ़ती

मार्च में जीएसटी संग्रह 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्च में सकल जीएसटी संग्रह 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। सरकार ने मंगलवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च में घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 13.56 प्रतिशत बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये हो गया। मार्च के दौरान कुल रिफंड 41 प्रतिशत बढ़कर 19,615 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

सस्टेनेबल सोया फूड्स से भारत में प्रोटीन की कमी हो सकती है पूरी

इंदौर। समाज में हो रहे आर्थिक बदलावों के साथ-साथ दुनिया की बढ़ती आबादी के चलते खेती के ज़रूरी संसाधनों, जैसे ज़मीन और पानी, पर दबाव बढ़ रहा है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया की आबादी को 70 प्रतिशत ज़्यादा प्रोटीन की ज़रूरत होगी, और विज्ञान कहता है कि सोयाबीन प्रोटीन का एक आदर्श स्रोत है। एक स्वस्थ समाज के लिए प्रोटीन एक आवश्यक तत्व है, लेकिन यदि यह ज़रूरत केवल जानवरों से मिलने वाले प्रोटीन से पूरी की गई, तो पर्यावरण को नुकसान होगा, ज़्यादा ग्रीनहाउस गैसें निकलेंगी और अधिक पानी व ज़मीन की आवश्यकता होगी। इसलिए, हमें प्रोटीन के मौजूदा स्रोतों को बेहतर बनाने और इंसानों के लिए नए, अच्छे और किफायती प्रोटीन विकल्प खोजने की ज़रूरत है, और यहाँ पर सोया एक आदर्श विकल्प बनकर सामने आया है। भारत में किए गए एक सर्वे के अनुसार, 85 प्रतिशत भारतीयों में प्रोटीन की कमी है। यहाँ तक कि 80 प्रतिशत मांसाहारी लोगों में भी प्रोटीन की कमी पाई गई है। प्रोटीन की कमी से शरीर के विकास और सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए, खाने में अच्छी गुणवत्ता वाले और किफायती प्रोटीन स्रोतों को शामिल करना आवश्यक है। सोया फूड प्रमोशन एंड वेलफेयर एसोसिएशन एक इंटरनेशनल सोया कांफ्रेंस कर रहा है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में सोया खाने की नई जानकारियाँ बाँटना और पोषण में सोया की भूमिका पर चर्चा करना है। इस कॉन्फ्रेंस में सोया खाने की नई और उभरती प्रवृत्तियाँ, सोया खाना बनाने में नई तकनीकी प्रगति, सोया के पोषण और सेहत के फायदे और सोया से जुड़े नए बिजनेस के मौकों पर विचार किया जाएगा। भारत की बड़ी सोया उत्पादक कंपनियाँ, जैसे यूएस सोयाबीन एक्सपोर्ट काउंसिल, सोनिक बायोकेम, विप्पी सोय पतंजलि फूड्स, मैरिको, सॉलिडारिडाड, सेवर, पीसीके, सीएसके फूडटेक, और बायोन्यूट्रिएंट्स इस कार्यक्रम में भाग ले रही हैं। इस कार्यक्रम में भारत और अमेरिका के वक्ता और प्रतिभागी शामिल होंगे।

एसफपीडब्ल्यूए के चेयरमैन डॉ. सुरेश इतापू, यूएस सोयाबीन एक्सपोर्ट काउंसिल के रीजनल डायरेक्टर श्री केविन रोपके, एसफपीडब्ल्यूए के मुख्य संरक्षक श्री गिरीश मतलानी, और पतंजलि फूड्स के सीईओ श्री संजीव अस्थाना इस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे। 25 से अधिक वक्ता सोयाबीन को ह्यूमन फूड के रूप में उपयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों और सोया खाद्य व्यवसायों की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। सोयाबीन एक बहुत सस्टेनेबल प्रोटीन वाली फसल है, जो खराब मौसम में भी अच्छी तरह उग जाती है और पर्यावरण को कम नुकसान पहुँचाती है। आजकल के प्रोटीन उत्पादन को बनाए रखने से ज़मीन, पानी और फॉसिल फ्यूल्स जैसे संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है। सोयाबीन का उत्पादन अधिक अच्छा और पर्यावरण के लिए टिकाऊ माना जाता है, क्योंकि इसमें उच्च गुणवत्ता का प्रोटीन होता है और यह बहुत पौष्टिक भी है। इसके साथ ही, सोयाबीन के उत्पादन में ज़मीन, पानी और ऊर्जा का उपयोग भी कम होता है।

400 वर्ग फीट कमरे में ऐसी कौन सी खेती कर डाली अब 50 लाख सालाना की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। नागपुर के एक कपल ने कमाल कर दिखाया है। अक्षय होले और दिव्या लोहाकरे होले ने एक ऐसा काम किया है, जो सुनने में नामुमकिन लगता है। उन्होंने नागपुर जैसे शहर में केसर की खेती की है। यह शहर भीषण गर्मी के लिए जाना जाता है। उन्होंने न केवल केसर उगाया है, बल्कि इसे एक लाभदायक व्यवसाय भी बना दिया है। वे एक छोटे से 400 वर्ग फीट के कमरे में बिना मिट्टी और पानी के दुनिया का सबसे महंगा मसाला उगा रहे हैं।

उन्होंने एरोपोनिक तकनीक का इस्तेमाल करके कश्मीर की ठंडी और धुंधली परिस्थितियों को बनाया है। इससे वे सालाना 50 लाख रुपये कमा रहे हैं। अक्षय बीबीए ग्रेजुएट हैं और दिव्या बैंकर। दोनों ने 2020 में यह सफर शुरू किया था। उनका टारगेट था कि भारत में केसर की मांग को पूरा किया जाए क्योंकि यहां इसका उत्पादन कम होता है। आइए, यहां अक्षय होले और दिव्या लोहाकरे होले की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कसिानों से खेती के बारे में सीखा–

अक्षय और दिव्या ने केसर की खेती करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि यह महंगा होता है। इसकी मांग भी बहुत ज्यादा है। लेकिन, भारत में इसका उत्पादन कम है। केसर की खेती को समझने के लिए कपल ने कश्मीर में ढाई महीने बिताए। उन्होंने अनुभवी किसानों से केसर की खेती के बारे में सीखा। उन्होंने सिर्फ 100 केसर बीज से शुरुआत की, जो लगभग 1 किलो थे। पहले साइकिल में उन्हें कुछ ग्राम ही केसर मिला। लेकिन, उन्होंने हार नहीं मानी और अपने काम को आगे बढ़ाया।

- **पिछले दो सालों में बंपर कमाई–** अक्षय और दिव्या ने 350 किलो बीज में निवेश किया। अगली फसल में उन्हें लगभग 1,600 ग्राम केसर मिला। इससे उत्साहित होकर उन्होंने अपने काम को और बढ़ाया। उन्होंने हिंगना में 400 वर्ग फीट की एक यूनिट स्थापित की। इसके साथ ही उन्होंने 480 वर्ग मीटर की एक और यूनिट भी लगाई। दोनों की मेहनत रंग लाई। पिछले दो सालों में उनकी कमाई 40 से 50 लाख रुपये के बीच रही है। उन्होंने 150 लोगों को ट्रेनिंग दी है। उनमें से 29 लोगों ने अपनी केसर यूनिटें लगाई हैं। अक्षय और दिव्या ट्रेनिंग के लिए 15,000 रुपये लेते हैं।
- **बनाया सफल बिजनेस मॉडल–** पिछले साल पति-पत्नी की यूनिट और पार्टनर यूनिटों को मिलाकर 45 किलो केसर का उत्पादन हुआ था। 100 वर्ग फीट की यूनिट लगाने में लगभग 10 लाख रुपये का खर्च आता है। इससे सालाना 5 लाख रुपये की कमाई हो सकती है। यह एक बार का निवेश है। बीज सिर्फ एक बार खरीदना होता है। एक बीज से तीन से पांच फूल निकलते हैं। प्रत्येक फूल में तीन केसर के धागे होते हैं। अक्षय और दिव्या इच्छुक किसानों को केसर की यूनिट लगाने में मदद करते हैं। वे इन किसानों से केसर खरीदते हैं और उसे पैक करके बेचते हैं। इससे उन्होंने एक अच्छा बिजनेस मॉडल बनाया है।

1200 रुपये तक जा सकता है टाटा का यह शेयर, एक्सपर्ट बोले- खरीदो शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर बुधवार को ढ्ढस्श्व में 7 पर्सेंट से ज्यादा उछलकर 1073.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस गोल्डमैन सैक्स ने टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स की रेटिंग अपग्रेड कर दी है और कंपनी के शेयरों का टारगेट प्राइस 15 पर्सेंट से ज्यादा बढ़ा दिया है। टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1247.75 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 884 रुपये है।

बाय रेटिंग के साथ 1200 रुपये का टारगेट प्राइस

इंटरनेशनल ब्रोकरेज हाउस गोल्डमैन सैक्स ने टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। गोल्डमैन सैक्स ने पहले कंपनी के शेयरों को न्यूट्रल रेटिंग दी थी। ब्रोकरेज हाउस ने टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स के शेयरों का टारगेट प्राइस रिवाइज करके 1200 रुपये कर दिया है। गोल्डमैन सैक्स ने पहले कंपनी के शेयरों के लिए 1040 रुपये का टारगेट दिया था। मंगलवार के क्लोजिंग लेवल के मुकाबले टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स के शेयरों में 21 पर्सेंट का उछाल आ सकता है।

पांच साल में 300 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं कंपनी के शेयर– टाटा कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 300 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयर 3 अप्रैल 2020 को 263.97 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 2 अप्रैल 2025 को 1073.55 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद, वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित

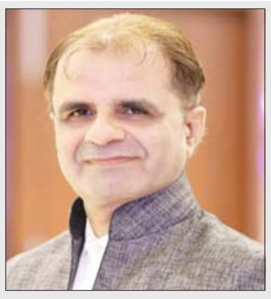

किशन सनमुखदास भावनानी

अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई,अंजाम तक आई- लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 288/232 से बिल पारित - 3 अप्रैल को राज्यसभा से भी पारित होगा।12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद,वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित।लोकसभा में लगातार 12 घंटे की बहस सुनने से लेकर अर्ली मॉर्निंग 4 बजे यह रिपोर्ट बनाना मेरे लिए रोमांचित अनुभव रहा।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकतंत्र के मंदिर रूपी संसद व उच्च सदन राज्यसभा में किसी महत्वपूर्ण विधेयक पर बहस कर उसमें संशोधन से लेकर वोटिंग तक पर पूरी प्रक्रिया को भारत सहित पूरे विश्व नें ध्यान से देखा व सुना है, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक बिल, जीएसटी बिल, आर्टिकल 370 बिल सहित अनेकों बिलो को हमने लोकसभा के दोनों सदनों से पास होते हमने देखा है। आज यह चर्चा हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आज अर्ली मॉर्निंग करीब 4 बजे तक मैंनें करीब 16 घंटे लगातार वक़्फ़ (संशोधन) बिल 2025 की पूरी बहस, वोटिंग प्रक्रिया व अमेंडमेंट पर वोटिंग प्रक्रिया पर पर मैं नजर रखी। मैंने लगातार 16 घंटे संचार माध्यमों से जुड़ा रहा, क्योंकि ऐसे विषय पर लाइव देखकर रिपोर्टिंग बनाना मेरी रुचि रही है। मैंने देखा कि विपक्ष व पक्ष के सदस्यों ने ध्रुवीकरण बोलने पर विशेष ध्यान दिया विपक्ष के नेताओं ने ध्रुवीकरण पर आरोप प्रत्यारोप लग रहे थे बहस के दौरान मैंने एक बात देखी कि एक सदस्य वाली पार्टी को भी बोलने का अधिकार दिया गया था, जिसमें चंद्रशेखर, पप्पू यादव, असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल थे। ओवैसी साहब ने बिल को फाड़ने की बात तो की,लेकिन बिल को फाड़ नहीं पाए बल्कि दो भागों को स्टेपलर की पिन खोलकर अलग किया। बहस पूरी हो जाने के बाद जेपीसी अध्यक्ष ने उसका जवाब दिया, फिर अंत में अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री ने बहस का जवाब दिया। मैंने महसूस किया कि पक्ष और विपक्ष दोनों ही पूरी तैयारी के साथ बहस में शामिल होने,बहस की प्रक्रिया हो जाने के बाद माननीय सदस्यों द्वारा 100 से अधिक संशोधनों जो दर्ज कराए गए थे, उसमें तीन संशोधन की वोटिंग मशीन से वोटिंग हुई व बाकी 100 से अधिक संशोधनों को ध्वनि मत से जिसमें करीब-करीब विपक्ष के सभी संशोधन खारिज कर दिए गए। विशेष बात यह रही कि मैं पिछले 10-12 सालों में मैंने रात्रि 2-3 बजे तक संसद चलने और विधेयक पारित होने की प्रक्रिया नहीं देखी थी। वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक, 2025 रात 1.56 बजे लोकसभा में पारित हुआ। विधेयक पर 1 घंटे 50 मिनट तक वोटिंग चली। विधेयक के समर्थन में 288 वोट पड़े, जबकि विरोध में 232 वोट पड़े। अनेक संशोधन में एक संशोधन पर इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से मतदान के बाद कुल 464 वोट दर्ज किए गए। विधेयक के पक्ष में 273 और विरोध में 191 मत पड़े। शुद्धि के बाद स्पीकर ओम बिरला आधिकारिक आंकड़ों का एलान करेंगे। लोकसभा संसद सदस्यों द्वारा दिए गए संशोधन में सबसे महत्वपूर्ण संशोधन बोर्ड में शामिल होने वाले 11 गैरमुस्लिम सदस्यों वाला संशोधन 288 के मुकाबले 231 मतों से गिर गया, यानि अब गैरमुस्लिम सदस्य बोर्ड में शामिल होंगे।वक़्फ़ (संशोधन) बिल 2025 आज ही उच्चसदन यांने राज्यसभा में पेश होगा उम्मीद है बहस के बाद इस सदन में भी वक़्त (संशोधन) बिल 2025 पारित हो जाएगा ऐसा मेरा मानना है। चूँकि संसद में 12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद वक़्त संशोधन बिल 2025 लोकसभा से पारित हो गया है,

इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई, अंजाम तक आई। लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 232 के मुकाबले 288 मतों से यह बिल पारित किया गया तथा आज 3 अप्रैल को ही राज्यसभा सदन में भी पारित कर दिया जाएगा ऐसी संभावना है।

साथियों बात अगर हम वक्फ बिल पर लोकसभा में बहस के के बाद जेपीसी के अध्यक्ष द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा यदि बीजेपी चाहती तो इस विधेयक को सीधे संसद में पास करा सकती थी, लेकिन सरकार ने इसे जेपीसी को भेजने का फैसला किया ताकि अन्य दलों के साथ विस्तृत चर्चा हो सके। उन्होंने कहा कि यह सरकार की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता को दिखाता है कि उसने बिना किसी जल्दबाजी के इस विषय पर व्यापक विमर्श किया।उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को फाड़ने की बात को असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी इस बिल को असंवैधानिक बता रहे हैं, लेकिन असली असंवैधानिक हरकत तो उन्होंने खुद की है। पाल ने लोकसभा में कहा कि संसद में इस तरह से विधेयक को फाड़ना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का अपमान है और यह संसदीय मयार्दाओं के खिलाफ है।

साथियों बात अगर हम 2 अप्रैल 2025 को हुए बिल पर चर्चा का जवाब रात्रि 12 बजेअल्पसंख्यक विभाग के मंत्री द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा, सरकार ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। इसपर आधी रात तक लगभग 12 घंटे तक चर्चा हुई। अब सदन में वोटिंग हो रही है। पक्ष ने जहां बिल का समर्थन किया तो विपक्ष ने जोरदार हमला बोलते हुए इसे मुस्लिमों को हाशिए पर धकेलने वाला बताया। बिल पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिए इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए इसमें नए संशोधनों की जरूरत पड़ी। गौरतलब है कि लोकसभा में संख्याबल के हिसाब से एनडीए की स्थिति मजबूत है, जिसके पास 294 सांसद हैं, जबकि बिल पास करने के लिए 272 वोटों की जरूरत है।

साथियों बातें कर हम विधेयक का विरोध करने की करें तो, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ बिल पर बहस के दौरान कहा, इस बिल का असली मकसद मुसलमानों को जलील करना है। सरकार हमारे वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा जमाना चाहती है और हमारे धार्मिक अधिकार छीनना चाहती है। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने सदन में कहा कि मैं इस बिल को फाड़ता हूं। उन्होंने इसे अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया और कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन करता है। संसद में मदनी वक्फ संशोधन बिल पेश किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जमीयत उलमा-ए- हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असअद मदनी ने कहा कि संसद में पेश किया गया वक्फ से संबंधित यह बिल असंवैधानिक है और मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है। सरकार अपनी संख्यात्मक बहुमत के बल पर इसे पारित कराने की कोशिश कर रही है।यह रवैया बहु संख्यकवादी मानसिकता पर आधारित है और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इस बिल को जबरन संसद में लाया गया है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनना है, जो किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। जिस तरह से यह बिल तैयार किया गया है और जिस मंशा व रवैये के साथ इसे पेश किया जा रहा है, वह मुसलमानों के खिलाफ एक नकारात्मक रुख को दशार्ता है। उन्होंने कहा,हम पहले ही कह चुके हैं कि पुराने कानून में सुधार की जरूरत थी, लेकिन इसके बजाय सरकार ने ऐसे संशोधन पेश किए हैं, जो समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें और जटिल बना रहे हैं।अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के रूप में, मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यह बिल पूरी तरह अस्वीकार्य है और हम इसे पूरी तरह खारिज करते हैं। इसके खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी और हम हर संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से इस अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

साथियों बात अगर हम सत्ताधारी पार्टी द्वारा विधेयक के समर्थन की करें तो, वक्फ बिल पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि वक्फ विधेयक के जरिए बोर्ड में पिछड़े मुसलमानों को जगह दी जा रही है तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वक्फ की जमीन लूटी जा रही है तो संविधान अधिकार देता है कि उसे रोका जाना चाहिए। उनका कहना था कि वक्फ धार्मिक संस्था नहीं है और अगर इस संस्था को दान दी जाने वाली संपत्ति लूटी जा रही है तो सरकार इस पर चुप नहीं रह सकती है।

साथियों बात अगर हम वक़्फ़ (संशोधन) बिल लोकसभा में पारित होने की करें तो, वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा से पास हो गया। 12 घंटे से ज्यादा समय तक चली मैराथन चर्चा के बाद लोकसभा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 पारित कर दिया। इस विधेयक के पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 वोट पड़े। स्पीकर ओम बिरला ने चर्चा पूरी होने के बाद वोटिंग करवाई। इस दौरान बिल के पक्ष में 288 वोट पड़े, वहीं विरोध में 232 वोट पड़े और इस तरह रात 2 बजे वक्फ संशोधन बिल लोकसभा से पास हो गया। इससे पहले सदन में गौरव गोगोई, औवैसी समेत कई सदस्यों की ओर से लाए गए संशोधन खारिज हो गए।

साथियों बात अगर हम 2 अप्रैल 2025 को सुबह संसद में बिल पेश होने की करें तो केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री नें लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। बिल पेश करने के बाद अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि इस विधेयक का धार्मिक व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा, यह बिल धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए नहीं, बल्कि वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है।उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों की बेहतर देखरेख और डिजिटलीकरण के जरिए व्यवस्था को मजबूत करना है, न कि किसी की जमीन छीनना।बिल पर चर्चा शुरू करते हुए रिजिजू ने कहा कि वक्फ बिल पर दोनों सदनों की संयुक्त समिति के सदस्यों ने अपने- अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग ने इस बिल को लेकर अपने सुझाव दिए। इनमें कानून के जानकारों ने भी सुझाव दिए। मंत्री ने कहा कि ये पहली बार नहीं है जब वक्फ बिल में संशोधन हो रहा है। इससे पहले भी हुआ है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई,अंजाम तक आई- लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 288/232 से बिल पारित - 3 अप्रैल को राज्यसभा से भी पारित होगा।12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद,वक़्फ़ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित।लोकसभा में लगातार 12 घंटे की बहस सुनने से लेकर अर्ली मॉर्निंग 4 बजे यह रिपोर्ट बनाना मेरे लिए रोमांचित अनुभव रहा।

संपादकीय

बुलडोजर पर प्रहार

उप्र के इलाहाबाद में बुलडोजर से घर ढहाने को सुप्रीम कोर्ट ने अमानवीय और अवैध करार देते हुए कहा कि इससे अदालत की आत्मा को झटका लगा है। उप्र सरकार को प्रत्येक परिवार को दस लाख रुपये का मुआवजा देने के साथ अधिकारियों को उनकी अत्याचारिता के लिए सबक सिखाने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि इस देश में आश्रय का अधिकार, कानून की उचित प्रक्रिया और कानून का शासन जैसी कोई चीज है। आवासीय परिसरों को मनमाने तरीके से ध्वस्त करने पर विकास अधिकारियों को यह याद रखने को कहा कि आश्रय का अधिकार मौलिक अधिकार है और संविधान के अनुच्छेद 21(जीवन व स्वतंत्रता) का अभिन्न अंग है। सभी छह याचिकाकर्ता इलाहाबाद के लूकरगंज के निवासी हैं जिनके घर मार्च, 2021 में बुलडोजर से ध्वस्त किए गए थे। उनका कहना है कि स्थानीय अधिकारियों ने गलत धारणाओं के आधार पर घर गिराया कि वे माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की संपत्तियां हैं। शीर्ष अदालत ने अंबेडकरनगर जिले में बुलडोजर कार्रवाई का भी हवाला दिया। झोपड़ियों को ध्वस्त किए जाने पर कहा कि वह बहुत परेशान करने वाला और चौंकाने वाला है। उप्र सरकार के वकील ने दलील दी कि ये मकान अवैध थे इसलिए ध्वस्त किए गए। इनके साथ अन्य संपत्तियां भी ढहाई गई। हैरत है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तोड़-फोड़ की इस कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी थी। राज्य सरकार का दावा था कि बुलडोजर कार्रवाई पेशेवर अपराधियों और माफिया के खिलाफ की गई। इस हकीकत के बावजूद सरकारी तंत्र को उचित नोटिस देने के साथ ही रहवासियों को कागजात दिखाने और मालिकाना साबित करने का वक्त देना चाहिए था।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो।

जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर ह्रदय को शान्त रखकर।

संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

ट्रंप के टैरिफ का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखेगा जल्द असर

डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ मामले में जो कहा वह करके दिखला दिया है। इसे लेकर दुनियां के अनेक देश दोस्ती और दुश्मनी वाला फामूर्ला तलाशने में लग गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप के टैरिफ से किसे क्या नुक्सान और क्या फायदा होगा, लेकिन इतना तो तय है कि ट्रंप ने एक बार फिर अपनी व्यापारिक नीतियों से वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। हाल ही में उन्होंने चीन, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। चीन पर 34 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा, भारत से अमेरिका में आयात होने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की घोषणा की गई। ट्रंप का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप ने यहां के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करते हुए दावा किया कि भारत अमेरिकी आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। हालांकि, भारतीय व्यापार नीति और अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए करों का विश्लेषण करने पर यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। इसलिए यदि यह कहा जा रहा है कि ट्रंप की यह नई घोषणा भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रभावित कर सकती है, तो गलत नहीं है। देखने वाली बात तो यह भी है कि जिस तरह से ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको को लेकर बयान दिए थे, उसके बाद यही कहा जा रहा था कि इन देशों पर सौ फीसद टैरिफ लगाया जा सकता है, लेकिन इसके उलट व्हाइट हाउस ने कनाडा और मैक्सिको को इस टैरिफ से छूट दे दी। इसकी वजह इन दोनों देशों के साथ अमेरिका के मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते लागू होने को बताया जा रहा है। मतलब यह हुआ कि ट्रंप बयान कुछ देते हैं और नीति कुछ और लागू करते हैं, जिसका उदाहरण ये दो देशों को टैरिफ से छूट और भारत को दोस्त बताने के बावजूद टैरिफ में शामिल करना है। इस स्थिति में ट्रंप के अन्य देशों पर लगाए गए नए शुल्क वैश्विक व्यापार पर महत्वपूर्ण असर डालने वाले साबित हो सकते हैं, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था अस्थिर हो सकती है।

ट्रंप की नई टैरिफ नीति के चलते वैश्विक व्यापारिक संतुलन बिगड़ सकता है। विचार करने वाली बात है कि कोविड-19 महामारी के बाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था अभी बमुश्किल संभलने का प्रयास कर रही थी कि यह नया झटका निवेशकों की चिंता बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। यह टैरिफ वैश्विक व्यापारिक वृद्धि को धीमा कर सकते हैं, कॉर्पोरेट आय पर असर डाल सकते हैं और महंगाई बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं हुआ कि अमेरिका दुनियां के अन्य देशों से हटकर मंदी की मार से बच रहेगा। बल्कि इसका बुरा असर उस पर भी पड़ेगा। इसका आंकलन करते हुए ही इंफ्रास्ट्रक्चर कैपिटल एडवाइजर्स के सीईओ जय हैटफील्ड कहते हैं, कि यह सबसे बुरी स्थिति है, जिसकी बाजार को उम्मीद थी। अमेरिका को मंदी में धकेलने के लिए यह टैरिफ काफी हैं, और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। इसी प्रकार नोमूरा रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रमुख अर्थशास्त्री ताकाहिदे कियुची ने भी ट्रंप की इस नीति को ग्लोबल फ्री ट्रेड के लिए खतरा बताया है। उनका मानना है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका ही वैश्विक मुक्त व्यापार का नेतृत्व कर रहा था, लेकिन इस तरह के टैरिफ से यह प्रणाली बुरी तरह प्रभावित होगी। ऐसे में भारत समेत दुनियां के अनेक देशों के लिए यह नई टैरिफ नीति चिंता का विषय बनी हुई है। भारतीय निर्यातकों को डर है कि इससे उनके उत्पादों की अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता घट जाएगी। अगर अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो भारतीय व्यापारियों को अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी, जिससे उनकी मांग कम हो सकती है। मांग घटने पर आपूर्ति घट जाएगी और उत्पादन पर विपरीत असर पड़ेगा। कंपनी व उद्योग जगत को खासा नुक्सान उठाना पड़ेगा। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका के ये कड़े कदम वैश्विक व्यापार युद्ध को और भड़का सकते हैं। यूरोपीय संघ और चीन जैसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका की इस नीति के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगा सकते हैं, जिससे वैश्विक व्यापार और अधिक जटिल हो सकता है। कुल मिलाकर ट्रंप के टैरिफ से केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियां के अन्य देश भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, जिससे अमेरिका खुद भी अछूता नहीं रह पाएगा।

अब यदि अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति में नरमी नहीं दिखाई, तो भारत को इसका संतुलित जवाब तो देना ही होगा। गौर करने वाली बात यह है कि भारत अमेरिका से कई महत्वपूर्ण तकनीकी और रक्षा उपकरण आयात करता आया है, और यदि यह व्यापार प्रभावित हुआ तो इससे दोनों देशों के संबंधों पर भी असर पड़ सकता है। इससे पहले भी, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद सामने आए हैं। जैसे कि 2019 में ट्रंप प्रशासन ने भारत को ह्यजनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेसह्ण से बाहर कर दिया था, जिससे भारत को अमेरिका में व्यापारिक छूट मिलना बंद हो गई थी। अब नए टैरिफ के चलते व्यापारिक रिश्ते और अधिक जटिल होने की आंशका है। डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ दुनिया के व्यापारिक संतुलन को बदल सकते हैं। जहां अमेरिका इसे अपनी आर्थिक स्वतंत्रता की घोषणा मान रहा है, तो वहीं भारत और अन्य देश इसे व्यापारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाला कदम बता रहे हैं। बावजूद इसके टैरिफ पर अमेरिका से लगातार बातचीत होनी चाहिए और व्यापारिक रिश्तों को बचाए रखने के साथ व्यापार को सुगम बनाने की पहल होती रहनी चाहिए। क्योंकि बिना बातचीत के यदि अन्य देश भी जवाबी टैरिफ लगाने जैसा सख्त कदम उठाते हैं, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंदी के बादल और गहरा सकते हैं। इस मामले में वाकई अमेरिका को नरमी दिखाने की आवश्यकता है।

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा।

यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट,ज छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्त्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मोदी ने संघ की ह्यराष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिकाह्ण को रेखांकित करके अपनी ह्य2047 तक विकसित भारतह्ण की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दशार्या है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में ह्लमहत्वपूर्ण भूमिकाह्व निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन-संकल्पों एवं विचार-ऊर्जा के जिस आंगन में आठ वर्ष की आयु में कदम रख कर जीने की कला सीखी।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

जाट में सनी देओल संग नजर आएंगी उर्वशी रौतेला

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला 12 साल बाद अभिनेता सनी देओल संग काम कर रही हैं। रौतेला जल्द ही 'जाट' के गाने 'टच किया' में नजर आएंगी। अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर अभिनेत्री काफी उत्साहित हैं। उर्वशी ने कहा, 12 साल बाद सनी देओल सर के साथ काम करना शानदार है और इसके लिए मैं खुद को लकी मानती हूं। वह बेहतरीन एक्शन हीरो हैं और मैं 'जाट' में उनके साथ काम करने के लिए रोमांचित हूं। उर्वशी रौतेला साल 2013 में आई फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में सनी देओल के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, जब मैं 19 साल की थी, तब उन्होंने मुझे 2013 की हिट फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में काम दिया था, जो मेरी पहली मुख्य भूमिका वाली फिल्म थी। हम अपकमिंग फिल्म के लिए फिर से साथ हैं।

उर्वशी ने कहा, 'सिंह साहब' तो बस शुरुआत थी। 'जाट' एक अलग लेवल पर होगी। 1 अप्रैल को दर्शकों के सामने कुछ खास आने वाला है! उनके साथ 12 साल बाद पर्दे पर वापसी को लेकर मैं उत्साहित हूं। मैत्री मूवी मेकर्स ने रविवार को गाने का स्टिल पोस्टर जारी किया, जिसमें उर्वशी की एक झलक भर दिखी। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा, बड़े पैमाने पर जाट के ट्रेलर को लॉन्च करने के बाद अब फिल्म से एक धमाकेदार गाने का समय आ गया है। 'जाट' का पहला गाना 'टच किया' 1 अप्रैल को जारी होगा। उर्वशी रौतेला की फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' सिंह साहब (सनी देओल) की कहानी है, जो जिम्मेदार के साथ ही ईमानदार इंसान है और रिश्तों को निभाने में विश्वास रखता है, लेकिन भूदेव (फिल्म में खलनायक) एक चालाक आदमी है और वह उसके खिलाफ साजिश रचता है। ऐसे में सनी देओल भूदेव को सबक सिखाने के लिए आगे आता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला हाल ही में बॉबी कोली के निर्देशन में बनी फिल्म 'डाकू महाराज' में नजर आई थीं। फिल्म में उर्वशी रौतेला के साथ अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण, श्रद्धा श्रीनाथ, बॉबी देओल, प्रज्ञा जायसवाल, सचिन खेडेकर, मकरंद देशपांडे, आदुकलम नरेन, नितिन मेहता, रवि किशन, वीटीवी गणेश, ऋषि और चांदनी चौधरी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं, 'जाट' का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी ने किया है। सनी देओल के साथ रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने मिलकर किया है, जो 10 अप्रैल को हिंदी के साथ तमिल और तेलुगू में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या किसी नए किरदार की तैयारी कर रही हैं राशि खन्ना

राशि खन्ना इन दिनों अपने सोशल मीडिया पोस्ट से फैंस की जिज्ञासा बढ़ा रही हैं। हाल ही में उन्होंने सेट से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह मज़ेदार अंदाज़ में खाना बनाते हुए पंजाबी सीखती नजर आईं। अभिनेत्री ने हाल ही में एक स्वादिष्ट और सेहतमंद दाल चिल्ला बनाते हुए अपना एक वीडियो साझा किया, लेकिन सिर्फ़ खाना पकाने की वजह से ही सभी का ध्यान नहीं गया—बल्कि पंजाबी बोलने की उनकी सहज आदत ने भी सबका ध्यान खींचा!

जिस चीज़ ने उनके फ़ॉलोअर्स को सबसे ज़्यादा आकर्षित किया, वह थी उनकी मज़ेदार पंजाबी कमेंट्री-सत श्री अकाल! आज मेरे शॉट नू टाइम लाग रेहा ऐ, ते मैं आज दाल चिल्ला बना लवा। ऐ हैगा ऐ साडा स्वीट सा किचन ऑन सेट! तुआनू मैं रेसिपी दसदा, तुसी भी ट्राई करो! इस पोस्ट के बाद फैंस में उत्सुकता बढ़ गई और कई लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि क्या राशि खन्ना किसी पंजाबी प्रोजेक्ट में नज़र आने वाली हैं?

आखिरकार, वह तेलुगु, तमिल, हिंदी फिल्मों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखा चुकी हैं, तो अब पंजाबी इंडस्ट्री में कदम रखना कोई हैरानी की बात नहीं होगी। इन्हीं अटकलों को और हवा देते हुए, राशि को हाल ही में एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस के बाहर स्पॉट किया गया, जिससे उनके किसी नए और रोमांचक प्रोजेक्ट का अंदाजा लगाया जा रहा है। 'द साबरमती रिपोर्ट' की सफलता और उसमें एक पत्रकार की उनकी दमदार भूमिका के बाद, फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वह अगला कौन-सा चैलेंज लेने वाली हैं। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इतना जरूर तय है कि राशि खन्ना अपनी एनर्जी, डेडिकेशन और नए अनुभवों के लिए जुनून के साथ हमेशा फैंस को चौंकाती रहती हैं। फिर चाहे कोई नई भाषा सीखना हो या सेट पर कुछ खास पकाना, वह कभी भी अपने प्रशंसकों को सरप्राइज देने से पीछे नहीं हटतीं!

क्या वाकई दिशा वकानी की जगह काजल पिसल निभाएंगी दया बेन की भूमिका?

टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा लंबे वक्त से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो का हर किरदार बेहद खास है और दर्शकों से सीधे तौर पर जुड़ा है। मगर, जेठालाल और दयाबेन की बात ही अलग है। दयाबेन का किरदार अभिनेत्री दिशा वकानी ने बड़ी ही खूबसूरती से अदा किया। साल 2017 में वे मैटरनिटी लीव पर चल गईं। तब से फैंस शो में उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब दिशा वापस नहीं आएंगी। शो के निर्माता असित मोदी भी इसकी पुष्टि कर चुके हैं। कहा जा रहा है कि मेकर्स को दिशा का रिप्लेसमेंट भी मिल गया है।

कयासों को बताया फेक न्यूज

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि अभिनेत्री काजल पिसल अब तारक मेहता शो में दयाबेन की भूमिका करती दिखेंगी। इस तरह के कयासों पर खुद काजल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे दावों को फेक न्यूज बताया है। काजल ने स्पष्ट किया है कि वे तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन की भूमिका नहीं अदा कर रही हैं। हालांकि, काजल ने यह भी कहा कि उन्होंने शो के लिए ऑडिशन दिया था। मैं झनक में काम कर रही हूं दावे किए जा रहे हैं कि काजल पिसल ने अब दिशा वकानी को रिप्लेस कर दिया है। उनकी तस्वीर भी वायरल हो रही है। इस बारे में जूम से बातचीत में काजल पिसल ने स्पष्ट किया कि ऐसी खबरें पूरी तरह झूठ हैं। साथ ही बताया कि तस्वीर पुरानी है। काजल ने कहा कि उनके पास इस खबर को लेकर कई कॉल और मैसेज आ रहे हैं, लेकिन इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है। काजल ने कहा, मैं पहले से ही झनक में काम कर रही हूं। ऐसे में यह खबर झूठ है। हां, मैंने दया बेन के लिए साल 2022 में ऑडिशन दिया था और वो फोटो अब वायरल हो रही है। अब मैं सिर्फ यही कहूंगी कि शो में मेरे काम करने की खबर फेक न्यूज है।

परिवार के साथ समय बिता रहीं दिशा

बता दें कि दिशा वकानी ने नवंबर 2015 में शादी रचाई। साल 2017 में वे मैटरनिटी लीव पर चली गईं। बीच-बीच में उनकी वापसी की खबरें आती रहीं, लेकिन दिशा ने शो में वापसी नहीं की। साल 2022 में उन्होंने अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया। अभिनेत्री ने कथित तौर पर अभिनय छोड़ने का फैसला किया है।

ईशा देओल ने जताई इस फिल्म के री-रिलीज की इच्छा

हाल ही में तुमको मेरी कसम फिल्म रिलीज से ईशा देओल ने बड़े पर्दे पर वापसी की। अभिनेत्री से फिल्मों के री रिलीज को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में अभिनेत्री ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह धूम को री-रिलीज के लिए चुनेंगी। उन्होंने बताया कि धूम एक शानदार फिल्म थी, जिसने सबके जहन में एक अलग जगह बनाई थी।

बात करें धूम की तो इसमें ईशा देओल के अलावा जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा ने शानदार भूमिका निभाई थी। इसके अलावा ईशा ने कहा कि ना तुम जानो ना हम भी दोबारा वापस आए, जो एक बहुत प्यारी प्रेम कहानी पर आधारित थी। अगर ईशा देओल के काम की बात करें तो वह इस समय 'तुमको मेरी कसम' में नजर आईं, जिसमें उन्होंने वकील का किरदार निभाया है। फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया था। इससे पहले ईशा देओल 2015 में आई फिल्म 'किल देम यंग' में नजर आई थीं।

इंडस्ट्री जिंदा है, आगे भी बढ़ेगी

बॉलीवुड में इन दिनों कंटेंट और एक्सपेरिमेंट्स को लेकर काफी बहस हो रही है। हाल ही में रिलीज हुई डिप्लोमैट के बाद एक्टर जॉन अब्राहम ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उनका कहना है कि अच्छी फिल्में बन रही हैं, लेकिन इंडस्ट्री को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए और सपोर्ट और आजादी की जरूरत है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने बॉलीवुड के मौजूदा हालात और सोशल मीडिया पर बढ़ती नेगेटिविटी को लेकर अपनी राय रखी।

हम अच्छी फिल्में बना रहे हैं, लेकिन हमें आजादी भी चाहिए

बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में जॉन ने कहा, फिल्म इंडस्ट्री के लिए जो प्यार और अपनापन है, वही मुझे डराता भी है। मुझे बॉलीवुड की चिंता होती है। मैं ये नहीं कहूंगा कि सिर्फ मैं ही कुछ अलग करने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन हां, कुछ लोग हैं जो बदलाव लाना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं एक कमर्शियल हीरो हूं। आप मुझे एक बड़े सेटअप में डालिए, मैं अपना बेस्ट देने की पूरी कोशिश करूंगा। लेकिन जब हम कुछ नया करना चाहते हैं, तो हमें उसकी आजादी भी मिलनी चाहिए। हमें अपने आइडियाज को पूरा करने के लिए सपोर्ट और फंडिंग की जरूरत होती है। हर दिन कोई न कोई बॉलीवुड के खत्म होने की भविष्यवाणी करता है, लेकिन सच तो यह है कि हम लगातार अच्छी फिल्में बना रहे हैं और इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है। फिल्म डिप्लोमैट की बात करें तो यह एक पॉलिटिकल थ्रिलर है, जिसमें जॉन अब्राहम ने एक इंटेंस किरदार निभाया है। बिना ज्यादा प्रमोशन के भी इस फिल्म ने दर्शकों का ध्यान खींचा और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। जॉन की परफॉर्मेंस को भी सराहा गया।

जॉन अब्राहम की आने वाली फिल्म

जॉन अब्राहम जल्द ही तेहरान में नजर आएंगे। यह एक इंटेंस जियोपॉलिटिकल थ्रिलर होगी, जिसमें उनके साथ मानुषी छिल्लर भी होंगी। इस फिल्म को दिनेश विजान प्रोड्यूस कर रहे हैं।

सुंदरता के चक्कर में गंवाए कई प्रोजेक्ट्स

करण वाही टेलीविजन के एक मशहूर अभिनेता हैं। वो कई धारावाहिक में नजर आ चुके हैं। हाल ही में करण वाही ने एक खुलासा करते हुए कहा कि ज्यादा सुंदर होने का भी कई बार नुकसान उठाना पड़ जाता है। अभिनेता ने कहा कि सुंदरता के चक्कर में बहुत प्रॉब्लम होती है। आखिर ऐसा क्या हुआ जो एक अभिनेता को इस तरह की बात कहनी पड़ी।

अगर मैं किसी शो में हूं, तो वहां वैल्यू भी ऐड करूंगा न

करण वाही हाल ही में कॉमेडियन भारती सिंह के पॉडकास्ट में पहुंचे थे। यहां उन्होंने अपने करियर और आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर बात की। इस दौरान करण ने अपने साथ हुए एक वाकये को भी बताया, जिसमें उन्हें सुंदर होने के चक्कर में नुकसान हो गया। अभिनेता ने कहा, मुझे मुख्य अभिनेता की तुलना में ज्यादा सुंदर होने के कारण कई प्रोजेक्ट्स से हाथ धोना पड़ा है। हालांकि, ये बात मुझे कभी सामने से नहीं बताई गई, बल्कि मुझे दूसरों से इसके बारे में पता चला। मुझे इसके पीछे की सोच कभी समझ में नहीं आती। अगर मैं किसी शो में लीड एक्टर हूं, तो भी मैं उसमें वैल्यू ऐड करूंगा न।

अगर मैं ऋतिक रोशन के साथ काम करता हूं, तो उनका एक स्टारडम है, लेकिन ऐसा नहीं है कि इस कारण उनके आगे मैं कोई वैल्यू ही ऐड नहीं करूंगा। सुंदरता की वजह से बहुत परेशानी होती है। कई प्रोजेक्ट्स में काम नहीं मिलता। क्योंकि उनका कहना होता है कि आप ये लग नहीं सकते हो, आप ऐसे दिख नहीं सकते हो।

कैसे करण बने बदसूरत लड़के

आगे अपने आगामी कामों को लेकर बात करते हुए करण ने बताया, मेरे पास दो प्रोजेक्ट्स अभी हैं। इनमें से एक बदसूरत दिखने वाले लड़के की कहानी है। इसके निर्देशक मेरे दोस्त हैं, जब वो फिल्म के लिए एक एक्टर ढूंढ रहे थे, तो मैंने उनसे कहा कि किसी और को ढूंढने की बजाय मुझे ही ले लो। तो उन्होंने मुझसे कहा कि पागल है क्या, बदसूरत दिखने वाला लड़का चाहिए है। तू कहां से वैसा लगता है। इसके बाद मैं डेंटिस्ट के पास गया डेंचर्स बनवाए और शेव की। फिर हमने शूट किया और ओटीटी प्लेटफॉर्म को दिखाया। उन्हें पता ही नहीं चला कि ये मैं हूं।

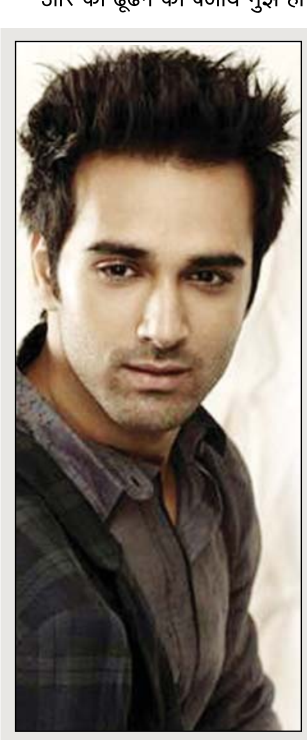

पुलकित सम्राट ने शुरू किया फिल्म 'राहु केतु' का शूट

अभिनेता पुलकित सम्राट ने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपनी नई फिल्म 'राहु केतु' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। यह फिल्म अभिनेता के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए उन्हें दोबारा से अपने पसंदीदा को-एक्टर के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। अभिनेता पुलकित सम्राट ने रोमांटिक, कॉमेडी, ड्रामा सभी तरह की फिल्में की हैं। अब वह एक फिल्म 'राहु केतु' का भी हिस्सा बने हैं। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में अभिनेता ने शुरू की है। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी पुलकित ने साझा की हैं। इस फिल्म में उनके एक पसंदीदा को-एक्टर भी अभिनय कर रहे हैं। पुलकित सम्राट ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर 'राहु केतु' फिल्म की शूट शुरू होने की जानकारी दी है। साथ ही फिल्म के सेट से कई तस्वीरें भी साझा की हैं। इसमें उनके साथ कुछ नामी को-एक्टर भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ पुलकित ने कैप्शन में एक मैसेज भी लिखा है, 'कुछ इसे भाग्य कहते हैं, तो कुछ इसे राहु केतु का खेल कहते हैं और ये आपकी जिंदगी में भी जल्द ही प्रवेश करेंगे।' आगे वह लिखते हैं, ' फिल्म की शूटिंग शुरू हुई।' इस फिल्म को विपुल विग निर्देशित कर रहे हैं।

आईपीएल में आज मुंबई और लखनऊ के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

लखनऊ (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जॉइंट्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपर जॉइंट्स का लक्ष्य जीत हासिल कर वापसी करना रहेगा। अब तक हुए तीन मैचों में से उसे दो मुकाबलों में हार मिली है। पिछले मैच में उसे पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर भी सभी की नजरें रहेंगी। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने बाद भी ऋषभ अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। तीन मैचों को मिला भी दें तो भी उनके 30 से कम रन हैं। इस मैच में अगर लखनऊ को जीत दर्ज करनी है तो कप्तान को रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई इंडियंस का सफर भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसे भी केवल एक ही मैच में जीत मिली है। मुम्बई के भी अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी बल्ला अब तक खामोश हैं। ऐसे में वह भी इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाने के इरादे से उतरेंगे। इस मैच में उतर रही दोनो ही टीमों की हालत तकरीबन एक ही है। मुंबई को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने का भी नुकसान हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस आईपीएल सत्र से बाहर हैं।

बुमराह की जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी जिससे मुम्बई को राहत मिली है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में केवल चार टी20 मैच खेलने के बाद मुंबई की ओर से आईपीएल में पदार्पण करते हुए अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे स्टार बल्लेबाजों के विकेट लिए थे।

मुंबई को अगर सुपर जॉइंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो रोहित के अलावा अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं लखनऊ की टीम भी अपने गेंदबाजों के चोटिल होने से परेशान हैं मयंक यादव सहित उसके प्रमुख

गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं। शार्दुल ठाकुर के टीम से जुड़ने से हालांकि उसके राहत मिली है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरण के फार्म में आने से भी टीम को लाभ हुआ है। पूरन ने अब तक तीन मैच में 189 रन बनाए हैं पर उन्हें कोई जोड़ीदारी नहीं मिला है। टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो कप्तान ऋषभ के साथ ही अन्य सभी खिलाड़ियों को एकजुट होकर खेलना होगा। टीम के पास स्पिनर रवि बिश्नोई है पर वह भी अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। उन्हें भी इस मैच में अपना प्रदर्शन ठीक करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स – ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, अवेश खान, आयुष बदोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मार्करम, मिशेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शार्दुल ठाकुर, मयंक यादव।

मुंबई इंडियंस –हार्दिक पंड्या (कप्तान), अश्वनी कुमार, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, विल जैक्स, बेवॉन जैकब्स, रॉबिन मिंज, मुजीब उर रहमान, नमन धीर, विग्नेश पुथुर, सत्यनारायण राजू, रयान रिकेलटन, मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा, रोहित शर्मा, कृष्णन श्रीजीत, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, रीस टॉपले, सूर्यकुमार यादव।

भुवनेश्वर कुमार ने बेंगलुरु में रचा इतिहास, आईपीएल में ड्वेन ब्रावो की बराबरी की

बेंगलुरु (कर्नाटक) (एजेंसी)। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने अपना नाम इतिहास की किताब में दर्ज करा लिया है और मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए अपने शानदार स्पेल के बाद तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

बेंगलुरु के घरेलू मैदान में रजत पटडियार को आरसीबी कप्तान के रूप में पहली हार का सामना करना पड़ा। टाइटन्स ने 170 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया और 8 विकेट की शानदार जीत के साथ अपना दबदबा कायम रखा। अपने घरेलू मैदान पर हारने के बावजूद वे कुछ सकारात्मक चीजें हासिल करने में सफल रहे जिनमें भुवनेश्वर का शानदार स्पेल भी शामिल था। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल का पूरा कोटा फेंका, त्रज्ञ के कप्तान शुभमन गिल को आउट करके शुरुआती बढ़त हासिल की और 1/23 के आंकड़े के साथ लौटे।

भले ही उनके शुरुआती प्रयास व्यर्थ गए लेकिन भुवनेश्वर ने रिकॉर्ड बुक को फिर से लिखने के लिए पर्याप्त प्रभाव डाला। उन्होंने ड्वेन ब्रावो के 183 स्कैलप के टैली की बराबरी करने के बाद तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में स्टेडियम छोड़ा। पूर्व कैरेबियाई स्टार ने 161 मैचों में 183 विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर ने 178 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की।

कुल मिलाकर वह कैश-रिच लीग में सर्वकालिक विकेट लेने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उनके टैली से केवल युजवेंद्र चहल (206) और पीयूष चावला (192) बेहतर हैं। भुवनेश्वर ने अपने कौशल सेट पर भरोसा किया और इसे पूर्णता के साथ निष्पादित किया। उन्होंने अपनी ताकत का फायदा उठाया और मेजबान टीम के लिए सबसे किफायती गेंदबाज बनकर उभरे, उन्होंने महज 5.80 रन दिए।

टी20 क्रिकेट में कैसे बने बेहतर बल्लेबाज, साई सुदर्शन ने खोला राज

बेंगलुरु (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज बी साई सुदर्शन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में गुजरात टाइटंस की तरफ से मुश्किल परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से उन्हें टी20 क्रिकेट में बेहतर बल्लेबाज बनने में मदद मिली। सुदर्शन में बुधवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 49 रन की महत्वपूर्ण पारी खेल कर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

सुदर्शन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'यह (आईपीएल में) मेरा चौथा साल है, इसलिए मुझे लगता है कि इससे मुझे काफी अनुभव मिला है। मुझे कुछ मुश्किल परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला। गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए नेट्स में मुझे काफी तेज गेंदबाजी का सामना करना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण चीज जिसने मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की है या जिस तरह से मैंने अपनी टी20 बल्लेबाजी में सुधार किया है, वह खेल का समय है जो मुझे यहां मिलता है और टाइटंस के साथ मुझे अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों के साथ अभ्यास का मौका मिलता है।'

आईपीएल के वर्तमान सत्र में अभी तक 186 रन बनाने वाले सुदर्शन ने कहा, 'इन तीन वर्ष में मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता है कि इससे मुझे खेल को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली है और खेल की बुनियादी बातों को भी समझने में मदद मिली है।' इस बीच आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि पहले सात ओवरों में चार विकेट खोने से उनकी टीम के लिए परिस्थितियां मुश्किल हो गई थी। फ्लावर ने कहा, 'हमने पावर प्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की लेकिन इस बीच हमने कुछ महत्वपूर्ण विकेट गंवाए। इससे मैच का पासा पलट गया। अगर आप पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो इससे आपके लिए परिस्थितियां मुश्किल हो जाती हैं।'

पिच को लेकर सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बताएं फ्रैंचाइजी : बीसीसीआई

–बीच सत्र में बदलाव संभव नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी फ्रैंचाइजियों से कहा है कि कि वे पिच को लेकर जो भी बातें कहनी हैं वह सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बता दे। सत्र के बीच में इस बारे में कुछ न कहें। बोर्ड ने ये बात हाल ही में आये उस बयान के बाद कही है जिसमें लखनऊ सुपरजायंट्स के मुख्य कोच जहीर खान ने कहा था कि पिच घरेलू हालातों के अनुसार नहीं बनी है। जहीर ने यहां तक कहा था कि इस पिच को देखकर ऐसा लगा जैसे पंजाब के किसी क्यूरेटर ने इसे तैयार किया हो। आईपीएल में अभी तक हुए मैचों में सुपरजायंट्स ही नहीं कई अन्य टीमों ने भी पिच पर सवाल उठाये हैं। इन टीमों का कहना था कि उन्हें घरेलू मैदान का लाभ नहीं मिलता दिखा।

बोर्ड के बयान से साफ है कि बीसीसीआई आईपीएल

मैचों की पिच को लेकर संतुष्ट है और उसे इनसे कोई परेशानी नहीं है। बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया है कि फ्रैंचाइजी पिच को लेकर अपनी जरूरतों के बारे में पहले से बताये क्योंकि किसी भी प्रकार का बदलाव एक ही सप्ताह में नहीं हो सकता। इसमें कहा गया है कि पिचें अबतक अच्छी रही हैं। वे ऐसी पिच की मांग कर सकते हैं जो गेंदबाजों को ज्यादा फायदा पहुंचाए पर इसके लिए फ्रैंचाइजी और क्यूरेटर्स के बीच में बेहतर संवाद की जरूरत है। ये सब एक सप्ताह में नहीं हो सकता।

बीसीसीआई की गाउडलाइंस के मुताबिक, पिच का नेचर क्या हो, इसमें न तो किसी फ्रैंचाइजी की चलेगी और न ही किसी खिलाड़ी की। क्यूरेटर को ऐसी पिच तैयार करनी है जिससे तेज गेंदबाजों को भी सहायता मिले और स्पिनर्स को भी जिससे इनमें अच्छा संतुलन बना रहे। आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती दौर में ही घरेलू मैदान की पिच को लेकर कई फ्रैंचाइजी ने असंतोष जताया है। लखनऊ के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी मांग की है कि ईडन गार्डन्स की पिच ऐसी हो जो स्पिनर्स की सहायता करे। वहीं दिल्ली कैपिटल्स का प्रबंधन भी अपने शुरुआती दो मैचों की पिच को लेकर क्यूरेटर से नाराज है। कुछ ऐसा ही हाल चेन्नई सुपर किंग्स का भी जो घरेल पिच से संतुष्ट नहीं है।

रामलला के दर्शन करने पहुंचे सूर्यकुमार यादव, हनुमानगढ़ी मंदिर में भी की पूजा

अयोध्या (एजेंसी)। टीम इंडिया में टी-20 टीम के कप्तान और मुंबई इंडियंस के धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को यहां श्रीरामजन्मभूमि में भव्य मंदिर में विराजमान रामलला के दर्शन किए। सूर्य कुमार यादव आईपीएल में लखनऊ के खिलाफ मुंबई इंडियंस टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लखनऊ और मुंबई के बीच मैच शुक्रवार को इकाना स्टेडियम पर खेला जाएगा।

मैच की पूर्व संध्या पर उन्होंने आज अपने परिवार के साथ प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और फिर दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान रामलला का आशीर्वाद लिया। उनके साथ दीपक चाहर और करण शर्मा समेत मुंबई इंडियंस के अन्य खिलाड़ियों के अलावा प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी हेमंत दास थे।

इस अवसर पर उन्होंने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि अयोध्या का विकास बहुत तेजी से हो रहा है और राम मंदिर के बनने से आसपास के जो भी जिले थे उनका भी विकास हो रहा है। मंदिर बहुत भव्य बना हुआ है। आईबी के निदेशक तपन डेका ने भी प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर और श्रीरामजन्मभूमि परिसर में विराजमान रामलला का दर्शन-पूजन किया। उनके साथ में अयोध्या रेंज के आई.जी. प्रवीण कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नैय्यर भी मौजूद थे।

आरसीबी की हार का कारण बने उसके ही पुराने गेंदबाज सिराज

बेंगलुरु । तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के शानदार प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 18 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 8 विकेट से हरा दिया। सिराज पिछले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में शामिल थे

पर इस बार वह गुजरात की ओर से खेल रहे हैं। ऐसे में उन्हें इस बार रिटेन न कर आरसीबी पछता रही होगी। इस मैच में सिराज के सामने आरसीबी के गेंदबाज टिक नहीं पाये। सिराज ने बहुत ही कसी हुई गेंदबाजी की और आरसीबी के 3 बड़ विकेट लिए। उन्होंने 4 ओवर में केवल 19 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इसी कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। वहीं पिछले सत्र में जब गुजरात और आरसीबी का पहला मुकाबला हुआ था तब भी सिराज ही प्लेयर ऑफ द मैच थे पर उस समय वह गुजरात की ओर से खेल रहे थे। आरसीबी ने इस बार सिराज को रिलीज कर दिया था। इसके बाद हुई नीलामी में टाइटंस ने उन्हें 12.5 करोड़ की बोली लगाकर उन्हें खरीदा था। इस बार मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। वहीं गुजरात ने जोस बटलर और साई सुदर्शन की विस्फोटक पारियों की सहायता से 18वें ओर में ही 8 विकेट से मैच जीत लिया।

बुमराह की वापसी को लेकर संशय बरकरार

मुम्बई । भारतीय टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की खेल में वापसी को लेकर संशय बना हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह चैम्पियंस ट्रॉफी भी नहीं खेल पाये। अब उनके इंग्लैंड के खिलाफ जून में होने वाली टेस्ट सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाएं हैं। फिट नहीं होने के कारण ही वह आईपीएल से भी बाहर हैं। उनके अप्रैल के पहले सप्ताह तक पूरी तरह ठीक होने की उम्मीद थी पर अब इसकी संभावना नहीं हैं। ऐसे में उनके प्रशंसकों को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम उनकी वापसी को लेकर किसी प्रकार की जल्दबाजी नहीं करना चाहती। मेडिकल टीम नहीं चाहती कि मैदान पर वापसी के बाद उनके फिर चोटिल होने का खतरा हो। वहीं सकारात्मक बात ये है कि बुमराह ने नेट पर गेंदबाजी शुरू कर दी है पर अभी वह पूरी ताकत और क्षमता से गेंद नहीं फेंक रहे हैं। सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। टीम उनकी क्रिकेट के मैदान पर वापसी को लेकर किसी भी तरह की जल्दबाजी के पक्ष में नहीं है क्योंकि इसमें जोखिम हो सकता है। इससे वह स्ट्रेस फैक्टर का शिकार हो सकते हैं। मेडिकल टीम का मानना है कि बुमराह को 100 प्रतिशत फिट होने पर ही वापसी करनी चाहिये। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार बुमराह की चोट थोड़ी ज्यादा गंभीर है। मेडिकल टीम ये पक्का करना चाहती है कि वह फिर स्ट्रेस फैक्चर का शिकार न हों। बुमराह स्वयं भी इस मामले में सावधानी रख रहे हैं।

आईपीएल : करोडों की रकम मिली पर अब तक फ्लाप रहे ये क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में ऋषभ पंत, वेंकटेश अय्यर सहित पांच स्टार खिलाड़ी करोड़ों की रकम पाने के बाद भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। इस सत्र के लिए हुई मेगा निलामी में इन 5 खिलाड़ियों को 13 या इससे ज्यादा रुपये मिले पर इनका प्रदर्शन उसके करीब भी नहीं रहा।

ऋषभ पंत: आईपएल नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी बोली 27 करोड़ रुपये लगाकर ऋषभ पंत को अपने साथ जोड़ा और कप्तान भी बनाया पर वह तीन मैचों में अब तक सिर्फ 17 रन बना पाए हैं। पहले मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाये जबकि दूसरे में 15 और तीसरे में केवसल 2 रन उन्होंने बनाए हैं। कप्तान के तौर पर वे तीन में से दो मैच हारे हैं। एक एक मैच ही वह जीत पाये हैं।

वेंकटेश अय्यर: कोलकाता नाइट राइडर्स ने वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था पर तीन मैचों की दो पारियों में वे केवल 9 रन रन बना पाए हैं। पहले मैच में 6 रन, दूसरे में बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला और तीसरे में 3 रन बनाए हैं।

रोहित शर्मा : मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को इस सत्र के लिए मेगा ऑक्शन के पहले रिटेंशन के तौर पर 16 करोड़ 30 लाख रुपये मिले। हालांकि, उनका प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा है। पहले मैच में शून्य , दूसरे मैच में 8 रन और तीसरे मैच में केवल 13 रन उनके नाम हैं। वे कुल 21 रन तीन मैचों में बना पाए हैं।

रिंकू सिंह: रिंकू सिंह अभी तक आईपीएल में सिर्फ लाखों रुपयों में खेल रहे थे पहली बार उन्हें आईपीएल 2025 के रिटेंशन में केकेआर ने 13 करोड़ रुपये में बनाये रखा। रिंकू हालांकि इसके हिसाब से प्रदर्शन नहीं कर पाये। वह 3 मैचों की 2 पारियों में 29 रन रन बना सके हैं। एक मैच में उन्होंने 12 और एक मैच में 17 रन बनाए हैं।

यशस्वी जायसवाल : यशस्वी जायसवाल को राजस्थान रॉयल्स ने 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। हालांकि, आईपीएल 2025 के तीन मैचों में उन्होंने सिर्फ 34 रन ही बनाए हैं। पहले मैच में वे सिर्फ 1 रन बना पाए थे। दूसरे मैच में जरूर 29 बनाए, लेकिन अगले मैच में फिर से 4 रन पर आउट हो गए।

ईशान को इस बार भी बीसीसीआई अनुबंध मिलने की संभावना नहीं : रिपोर्ट

मुम्बई । पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन आजकल आईपीएल खेल रहे हैं। ईशान का इसमें अब तक का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है। पहले ही मैच में उन्होंने शतक लगाया था पर बाद के मैचों में वह रन नहीं बना पाये। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड आने समय में केन्द्रीय अनुबंध देने जा रहा है। इसमें इस बार भी ईशान को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ईशान को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले बार भी अनुबंध नहीं मिला था। ईशान केअलावा श्रेयस अय्यर को भी पिछले साल अनुबंध नहीं मिला था पर इस बार जहां श्रेयस की वापसी तय है, वहीं ईशान को अभी इंतजार करना होगा। श्रेयस ने बीसीसीआई की फटकार के बाद घरेलू क्रिकेट खेल लिया था और इससे उनकी भारतीय टीम में भी वापसी हो गयी थी। अभी श्रेयस आईपीएल में भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई अनुबंध सूची अभी जारी नहीं हुई है पर कहा जा रहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को इसमें ए प्लस में ही बनाये रखा जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई श्रेयस को अपना अनुबंध वापस दे सकती है। दूसरी ओर ईशान को अनुबंध वापस पाने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है। किशन ने नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में आखिरी बार भारतीय टीम की ओर से खेला था। ईशान बोर्ड की फटकार के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने लगे हैं पर अभी तक उनका प्रदर्शन ऐसा नहीं हुआ है कि उन्हें जगह मिल सके।

नितीश रेड्डी बोले– 295 ट्वंटी–20 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज को पीटने का है इरादा

नई दिल्ली – सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन में अपने भारतीय साथी जसप्रीत बुमराह के साथ मुकाबला करने के लिए उत्साहित हैं। रेड्डी और बुमराह इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में एक साथ खेले थे। 21 वर्षीय जो अब अंतरराष्ट्रीय अनुभव का दावा करता है, प्रीमियर पेसर के खिलाफ रन बनाने के बारे में सोच रहा है, जो वर्तमान में पीठ के निचले हिस्से की चोट के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (पूर्व में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में रिहैब से गुजर रहा है। बुमराह दुबई में भारत के खिताब जीतने वाले चैंपियंस ट्रॉफी अभियान से चूक गए थे, लेकिन आईपीएल में किसी समय उनकी वापसी होने की उम्मीद है। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला 17 अप्रैल को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाना है। रेड्डी ने जियो हॉटस्टार के शो जेन बोल्ड पर कहा कि मैं इस चुनौती के लिए आभारी रहूंगा। वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं और उनका सामना करना एक रोमांचक मुकाबला होगा। अगर मैं उनके खिलाफ कुछ रन बनाने में कामयाब हो जाता हूं, तो मुझे बहुत खुशी होगी। बुमराह जैसे शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना ही खेल को रोमांचक बनाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट की इस पीढ़ी को विराट कोहली, रोहित शर्मा और अन्य दिग्गजों ने आकार दिया है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और हम उनकी विरासत को आगे ले जाने की आकांक्षा रखते हैं। जसप्रीत, रोहित और विराट जैसे खिलाड़ी वास्तव में भारतीय क्रिकेट के लिए स्वर्णिम संपत्ति हैं। एमएस धोनी, कोहली और रोहित से सीखे जाने वाले किसी एक कौशल के बारे में रेड्डी ने कहा कि धोनी से मैं उनकी कप्तानी कौशल सीखना चाहूंगा। कोहली से मैं उनकी आक्रामकता और खेल के प्रति जुनून की प्रशंसा करता हूं। और रोहित से मैं उनके पुल शॉट में महारत हासिल करना चाहूंगा – यह बेहतरीन है।

स्टोक्स के चोटिल होने से इंग्लैड टीम को लगा झटका

लंदन । इंग्लैड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल हो गये है। इससे इंग्लैड की टीम को करारा झटका लगा है क्योंकि उसे भारत के खिलाफ जून में टेस्ट सीरीज खेलनी है जिसके लिए उसे तैयारी करनी है। स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की इस चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल को हालांकि भरोसा है कि वह भारतीय टीम के दौरे तक उबर जाएंगे। स्टोक्स छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान भी वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। उनके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्स भी नहीं खेलेंगे। वह भी पैर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह भी पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे। मुख्य कोच ने कहा, 'वे फिलहाल गंभीर चोटों से उबर रहे हैं। हालांकि उन्हें टेस्ट मैचों के शुरू होने से पहले अपने आप को फिट रखना होगा। इंग्लैंड को 22 मई को ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होगा, उसके बाद भारत के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे के देखते हुए स्टोक्स आठ महीनों में 11 टेस्ट को खेलने के लिए अपनी वापसी को जरुरी मानते हैं। ऑलराउंडर स्टोक्स ने डरहम में अपनी रिकवरी जारी रखते हुए फिर से प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। दस दिन पहले ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट को साझा किया था जिसमें वह नेट् अभ्यास में गेंदबाजी करते दिख रहे थे।

कैरम बॉल पर पिछले 3-4 वर्षो से काम कर रहा था: साई किशोर

बेंगलुरु (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के स्पिनर आर साई किशोर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के वर्तमान सत्र में अपनी कैरम बॉल से बल्लेबाजों को गच्चा देने के लिए तैयार हैं जिस पर वह पिछले तीन-चार वर्षो से काम कर रहे थे।

किशोर ने बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आसान जीत के दौरान अपनी कैरम बॉल से क्रुणाल पांड्या को हैरान कर दिया था। इस 28 वर्षीय स्पिनर ने मैच के बाद खुलासा किया कि वह पिछले कुछ सत्र से कैरम बॉल पर काम कर रहे थे लेकिन उन्होंने किसी भी तरह के मैच में अभी तक इसका उपयोग नहीं किया था।

किशोर ने आधिकारिक प्रसारक से कहा, 'टी20 क्रिकेट में प्रासंगिक बने रहने के लिए आपको हमेशा अपने खेल में कुछ नया जोड़ना होगा। मैं पिछले तीन-चार वर्षो से इसका अभ्यास कर रहा था लेकिन मैंने कहीं भी इसका उपयोग नहीं किया था।' उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल में इसका उपयोग करने को लेकर आश्वस्त था और मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा।'

गौर हो कि आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आखिरकार हार का स्वाद चखना पड़ा है। घरेलू मैदान पर पहला ही मुकाबला खेल रही आरसीबी को गुजरात टाइटंस ने जोस बटलर के 73 रनों की बदौलत 8 विकेट से हरा दिया। गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया था। 42 रन पर चार विकेट गिरने के बाद लिविंगस्टन ने 40 गेंदों पर 54, जितेश शर्मा ने 33 तो टिम डेविड ने 18 गेंदों पर 32 रन बनाकर स्कोर 169 तक पहुंचा दिया।

जवाब में खेलने उतरी गुजरात ने साईं सुदर्शन के 49 तो जोस बटलर के 39 गेंदों पर 73 रनों की बदौलत 18वें ओवर में ही 8 विकेट से जीत हासिल कर ली। गुजरात इसी के साथ तीन मैचों में दो जीत के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर आ गया है। पहले पर पंजाब किंग्स बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के कैलिफोर्निया में ट्रांसजेंडर एथलीटों के महिला खेलों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल खारिज

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया ने ट्रांसजेंडर एथलीटों के महिला खेलों में भाग लेने पर बैन लगाने वाले बिल खारिज कर दिए हैं। इन बिल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के विधायकों ने पेश किया था। राज्य विधानसभा की आर्ट्स, एंटरटेनमेंट, स्पोर्ट्स और टूरिज्म समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने मंगलवार को रिपब्लिकन विधायकों के दो बिलों को लंबी बहस और चर्चा के बाद खारिज कर दिया। समिति के अध्यक्ष क्रिस वार्ड ने कहा कि ये बिल ट्रांसजेंडर युवाओं के अधिकारों पर बड़े हमले का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि ये नियम ट्रांस लड़कियों के लिए भी अपमानजनक हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें अपने लिंग का प्रमाण देने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

अमेरिकी कोर्ट ने डोभाल को समन दिए जाने के पन्नू के दावे को खारिज किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने कहा कि फरवरी में वाशिंगटन की यात्रा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को कोई शिकायत नहीं दी गई थी। अदालत ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के इस दावे को खारिज कर दिया कि शीर्ष भारतीय अधिकारी को समन सहित अदालती दस्तावेज सौंपे गए हैं। अमेरिकी जिला न्यायाधीश कैथरीन पोल्क फैला ने हालिया आदेश में कहा, न्यायालय ने उपरोक्त पत्र और संलग्न साक्ष्यों की समीक्षा की है और पाया कि दस्तावेज नहीं सौंपे गए थे। शिकायत होटल प्रबंधन या स्टाफ के किसी सदस्य या प्रतिवादी को सुरक्षा प्रदान करने वाले किसी अधिकारी या एजेंट को नहीं दी गई, जैसा कि न्यायालय के आदेश में अपेक्षित है। पन्नू ने डोभाल और एक अन्य भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर किया है। संघीय अभियोजकों ने गुप्ता पर अमेरिकी धरती पर पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया है।

लिथुआनिया : चौथे अमेरिकी सैनिक का शव भी बरामद हुआ

विलनियस, एजेंसी। लिथुआनिया में एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान लापता हुए चौथे अमेरिकी सैनिक का शव मिल गया है, जिससे एक हफ्ते से चल रहा तलाशी अभियान समाप्त हो गया। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को बताया कि उनके सैन्य वाहन को दलदली क्षेत्र से बाहर निकाला गया, जहां तीन अन्य सैनिकों के शव सोमवार को बरामद किए गए थे। ये सैनिक फर्स्ड आर्म्ड ब्रिगेड के हिस्सा थे और एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान लापता हो गए थे।

अमेरिका : ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के लिए ट्रंप ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन को चुना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी वायु सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन को ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के लिए नामित किया है। मंगलवार को सीनेट में उनसे कई सवाल पूछे गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव में नहीं आएंगे और जो सही होगा, वही करेंगे। उनसे पूछा गया कि अगर सेना को अवैध या गलत आदेश दिया गया, तो वे क्या करेंगे? इस पर उन्होंने कहा कि वह गलत बात का विरोध करेंगे और कानून के हिसाब से ही काम करेंगे। ट्रंप ने पहले जनरल सीक्यू ब्राउन को इस पद से हटा दिया था, क्योंकि उन पर आरोप था कि वे जाति और समाज के अन्य मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दे रहे थे। इस कारण, कई लोगों को चिंता हुई कि ट्रंप सेना को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। अब संसद की समिति यह तय करेगी कि केन को ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ बनाया जाए या नहीं।

ताइवान के पास चीन का सैन्य अभ्यास, अमेरिका ने दी चेतावनी

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका ने ताइवान के पास चीन के सैन्य अभ्यास पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि अमेरिका ताइवान जलडमरूमध्य में शांति बनाए रखने के पक्ष में है और किसी भी तरह की जबरदस्ती या बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने के प्रयास का विरोध करता है। चीन की सेना ने मंगलवार को ताइवान के आसपास अपनी थल, नौसेना, वायु और मिसाइल बलों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया। चीन ने इसेताइवान को कड़ी चेतावनी बताते हुए कहा कि यह सैन्य अभ्यास ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन करने वाले अलगाववादी गुटों के लिए एक सख्त संदेश है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुद्दे पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से ब्रीफिंग ली। प्रेस सचिव लीविट ने कहा कि राष्ट्रपति ने ताइवान जलडमरूमध्य में शांति बनाए रखने पर जोर दिया है और कहा है कि सभी मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए। वहीं, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने चीन के सैन्य अभ्यास को अनावश्यक उकसावा और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा, हम चीन की इन उकसावे वाली गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हैं और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ट्रंप की नीतियों के विरोध में सांसद ने रिकॉर्ड तोड़ 24 घंटे 20 मिनट तक लगातार दिया भाषण

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सांसद कोरी बुकर ने मंगलवार को सीनेट के इतिहास में सबसे लंबा भाषण देकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। न्यू जर्सी से डेमोक्रेटिक सीनेटर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध जताते हुए 24 घंटे और 20 मिनट तक लगातार बोलकर 1957 में सीनेटर स्ट्रॉम थरमंड द्वारा स्थापित पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। थरमंड ने उस समय सिविल राइट्स एक्ट के खिलाफ 24 घंटे 18 मिनट तक भाषण दिया था। बुकर ने सोमवार शाम 7 बजे (स्थानीय समय) सीनेट के मंच पर अपनी बात शुरू की और मंगलवार रात 8:05 बजे तक लगातार बोलते रहे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य संयुक्त राज्य सीनेट के सामान्य कामकाज को तब तक बाधित करना है, जब तक मैं शारीरिक रूप से सक्षम हूं। अपने भाषण की शुरुआत में उन्होंने जोर देकर कहा, मैं आज रात इसलिए खड़ा हूं क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश संकट में है।

भाषण में क्या-क्या कहा : कोरी बुकर का यह भाषण तकनीकी रूप से एक फिलिबस्टर नहीं था, यानी यह किसी खास विधेयक को रोकने के लिए नहीं था। इसके बजाय, यह ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ एक व्यापक विरोध था। बुकर ने अपने भाषण में ट्रंप प्रशासन पर अमेरिकियों की सुरक्षा, वित्तीय स्थिरता और लोकतंत्र की मूलभूत नींव को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पिछले 71 दिनों में, संयुक्त राज्य के राष्ट्रपति ने अमेरिकियों पर इतना नुकसान पहुंचाया है कि ये सामान्य समय नहीं हैं, और इन्हें सीनेट में सामान्य रूप से नहीं लिया जाना चाहिए। बुकर ने अपने भाषण में कई मुद्दों को उठाया, जिसमें मेडिकेड और सोशल सिक्योरिटी में कटौती की आशंका, शिक्षा विभाग पर हमला, और ट्रंप की विदेश नीति शामिल थी। उन्होंने अपने मतदाताओं के पत्र पढ़े, जिनमें लोगों ने ट्रंप की नीतियों से होने वाली परेशानियों का जिक्र किया था। इसके अलावा, उन्होंने सिविल राइट्स आंदोलन के प्रतीक जॉन लुईस का बार-बार उल्लेख किया और उनके अच्छे संकट के विचार को अपनाने की बात कही।

डेमोक्रेट्स का समर्थन और ऐतिहासिक संदर्भ : इस मैराथन भाषण के दौरान, कई डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने बुकर का समर्थन किया। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शूमर सहित कई सीनेटर समय-समय पर उनके साथ मंच पर आए और सवाल पूछकर उन्हें बोलने से छोटे-छोटे ब्रेक दिए। शूमर ने रिकॉर्ड टूटने के बाद कहा, क्या आपको पता है कि आपने अभी रिकॉर्ड तोड़ा है? क्या आपको पता है कि यह समूह आप पर कितना गर्व करता है? क्या आपको पता है कि अमेरिका आप पर कितना गर्व करता है? बुकर ने अपने भाषण में स्ट्रॉम थरमंड के रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा, मैं यहां उनके भाषण की वजह से नहीं, बल्कि उनके भाषण के बावजूद हूं। मैं यहां इसलिए हूं क्योंकि वे जितने शक्तिशाली थे, लोग उनसे ज्यादा शक्तिशाली थे। यह बयान सिविल राइट्स के संघर्ष और प्रगति की उनकी व्याख्या को दर्शाता है।

शारीरिक सहनशक्ति और नियमों का पालन : सीनेट के नियमों के अनुसार, भाषण देने वाले सीनेटर को लगातार खड़े रहना होता है और यदि वे बैठते हैं या मंच छोड़ते हैं, तो वे फ्लोर पर नियंत्रण खो देते हैं। बुकर ने पूरे 25 घंटे और 4 मिनट तक खड़े रहकर और बिना बाथरूम ब्रेक लिए यह चुनौती पूरी की। उन्होंने केवल दो गिलास पानी और अपने नोट्स के सहारे यह उपलब्धि हासिल की। उनके सहयोगी सीनेटर क्रिस मर्फी ने बताया कि बुकर ने अपनी कुर्सी भी हटवा दी थी ताकि बैठने का प्रलोभन न रहे।

प्रतिक्रिया और प्रभाव : बुकर के इस भाषण को सोशल मीडिया पर व्यापक समर्थन मिला। उनके टिकटॉक लाइवस्ट्रीम को 280 मिलियन लाइक्स मिले, और यूट्यूब पर उनके भाषण को देखने वालों की संख्या लाखों में पहुंच गई। डेमोक्रेटिक पार्टी, जो वर्तमान में व्हाइट हाउस, सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में अल्पमत में है, ने इसे ट्रम्प के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतीक माना। हालांकि, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता हैरिसन फील्ड्स ने इसे वर्चु सिग्नलिंग करार देते हुए खारिज कर दिया और कहा कि यह बुकर का एक और आई एम स्पार्टकस क्षण है जो पहले भी कामयाब नहीं हुआ।

ट्रम्प प्रशासन में मैट व्हिटेकर नाटो के लिए अमेरिकी राजदूत बने; सीनेट ने नियुक्ति को मंजूरी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार देर रात मैट व्हिटेकर को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नाटो में अमेरिकी राजदूत के रूप में पुष्टि कर दी।

व्हिटेकर ट्रम्प के पहले कार्यकाल में न्याय विभाग में सेवा दे चुके हैं। उनके पास विदेश नीति या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अनुभव नहीं हैं। सीनेट में उन्हें 52-45 के वोट से मंजूरी मिली। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में व्हिटेकर, अटॉर्नी जनरल जेफ सेशंस के चीफ ऑफ स्टाफ थे। 2016 के चुनाव रूसी दखल की जांच से सेशंस ने खुद को अलग कर लिया था। इसके बाद व्हिटेकर को कार्यवाहक अटॉर्नी बनाया गया था। ट्रम्प की वापसी के बाद उन्हें न्याय विभाग में बड़ी जिम्मेदारी देने पर विचार हुआ था। हालांकि अब उन्हें नाटो में राजदूत बनाया गया है।

मस्क ने दो मतदाताओं को दिए एक मिलियन डॉलर के चेक

विस्कॉन्सिन, एजेंसी। अमेरिका के विस्कॉन्सिन में होने वाले सुप्रीम कोर्ट चुनाव में टेक दिग्गज एलन मस्क खूब दखल दे रहे हैं। अपने खेमे न्यायाधीशों को जिताने के लिए मस्क पर आरोप लगे हैं। डेमोक्रेट नेता ने आरोप लगाया कि मस्क ने चुनाव से पहले दो मतदाताओं को एक मिलियन डॉलर के चेक सौंपे। साथ ही उनको अपने राजनीतिक समूह के प्रवक्ता घोषित किया। इसे लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। हालांकि अरबपति ने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे और सभ्यता के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। मस्क ने न्यायिक दौड़ को देश के लिए महत्वपूर्ण बताया। मस्क ने कहा कि सदन में बहुमत अब बहुत कम रह गया है। एक अदालत ने राज्य के डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल द्वारा मस्क को दो मतदाताओं को चेक सौंपने से रोकने के आखिरी मिनट के प्रयास को सुनने से इनकार कर दिया। दो निचली अदालतों ने डेमोक्रेट जोश कौल की कानूनी चुनौती को पहले ही खारिज कर दिया था।

अमेरिकाः अटॉर्नी जनरल ने ब्रायन थॉम्पसन के हत्यारोपी के लिए मांगा मृत्युदंड

न्यूयार्क, एजेंसी। यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ ब्रायन थॉम्पसन की हत्या के आरोपी लुइगी मैनजियोन के लिए मौत की सजा की मांग की गई। अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने कहा कि यह एक पूर्व-नियोजित और निर्मम हत्या थी, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। ब्रायन थॉम्पसन की 4 दिसंबर 2024 को मैनहट्टन के हिल्टन मिडटाउन होटल के बाहर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस समय वे यूनाइटेड हेल्थकेयर निवेशकों के सम्मेलन में जा रहे थे। जांचकर्ताओं ने इस हत्या को राजनीतिक हिंसा करार दिया। हत्या के बाद 5 दिनों तक पुलिस ने मैनजियोन की तलाश की। तलाशी न्यूयॉर्क के एक हॉस्टल से लेकर पेंसिल्वेनिया के मैकडॉनल्ड्स तक पहुंची, जहां से मैनजियोन को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, उसके बैग में हत्या में इस्तेमाल की गई बंदूक और बीमा उद्योग के खिलाफ लिखे गए नोट मिले। अटॉर्नी जनरल बॉन्डी ने कहा, लुइगी मैनजियोन ने एक निर्दोष व्यक्ति और दो छोटे बच्चों के पिता ब्रायन थॉम्पसन की निर्मम हत्या की। यह अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका था। इसलिए, हमने इस मामले में मौत की सजा की मांग की है।

आईएईए हमारे परमाणु स्थलों पर मंडरा रहे खतरों पर रुख करे स्पष्ट : ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए (अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) से अपने देश की शांतिपूर्ण परमाणु फैसिलिटी पर मंडरा रहे खतरे को लेकर रुख स्पष्ट करने को कहा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने यह बयान मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी से फोन पर बातचीत के दौरान दिया। उन्होंने यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रविवार को दी गई उस धमकी के संदर्भ में की, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर वाशिंगटन के साथ समझौता नहीं करता, तो वह ईरान के परमाणु स्थलों पर बमबारी कर देंगे। अराघची ने एजेंसी के साथ ईरान की बातचीत और सहयोग की नीति के बारे में बताया और कहा कि जब तक ईरान के खिलाफ खतरे बने रहते हैं, उनका देश अपने परमाणु कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने ग्रॉसी को ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम और कूटनीतिक चर्चा से जुड़ी ताजा घटनाओं के बारे में भी जानकारी दी। आईएईए प्रमुख ने कहा कि वह मौजूदा समस्याओं को हल करने के लिए एक अच्छे माहौल को बनाने के लिए दूसरे पक्षों से चर्चा करेंगे। ग्रॉसी ने ईरान यात्रा करने की इच्छा जताई, जिस पर ईरानी विदेश मंत्री ने सहमति जताई। ट्रंप ने रविवार को एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर ईरान अपने परमाणु

कार्यक्रम पर बातचीत करने से इनकार करता है, तो वह उस पर जबरदस्त सैन्य हमले करेंगे। उन्होंने कहा, अगर वे समझौता नहीं करते, तो ऐसी बमबारी होगी जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिकी और ईरानी अधिकारी बातचीत कर रहे हैं, लेकिन इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। यह टिप्पणी उस पत्र के बाद आई है, जिसके बारे में ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने मार्च के शुरू में संयुक्त अरब अमीरात के जरिए ईरानी नेताओं को एक पत्र भेजा था, जिसमें तेहरान की परमाणु गतिविधियों पर सीधे बातचीत का प्रस्ताव दिया गया था। इसके जवाब में तेहरान ने सीधे बातचीत के प्रस्ताव को ठुकरा दिया, लेकिन अप्रत्यक्ष बातचीत की संभावना को खुला रखा।

अकेले रह रहे प्रवासी बच्चों को कानूनी सहायता देने का आदेश : कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका की अदालत ने ट्रंप प्रशासन का एक और फैसला पलट दिया है। कैलिफोर्निया के एक संघीय न्यायाधीश ने मंगलवार को ट्रंप प्रशासन को आदेश दिया है कि सरकार हजारों प्रवासियों बच्चों को अस्थायी रूप से कानूनी सहायता बहाल करे, जो बिना अभिभावकों या मां-बाप के अमेरिका में रह रहे हैं। गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन ने 21 मार्च को अपने एक आदेश से इस सहायता को बंद कर दिया था। सैन फ्रांसिस्को के अमेरिकी जिला न्यायाधीश अरसेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने मंगलवार देर रात एक अस्थायी निरोधक आदेश दिया। उन्होंने लिखा कि अधिवक्ताओं ने इस बारे में वैध सवाल उठाए हैं कि क्या प्रशासन ने 2008 के कानून का उल्लंघन किया है, जिसके कारण मामले के जारी रहने के दौरान यथास्थिति पर वापस लौटना जरूरी है। यह आदेश बुधवार से प्रभावी होगा और 16 अप्रैल तक चलेगा।

यमन में अमेरिका के ताबड़तोड़ हमले, हूती विद्रोहियों का दावा- होदेदा के पास 4 लोग मारे गए

दुबई, एजेंसी। यमन के विद्रोही-नियंत्रित क्षेत्रों में बुधवार को अमेरिका ने कथित तौर पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेदा के पास एक हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर लगातार हवाई हमले किए जा रहे हैं। यह स्थिति इस्राइल-हमास युद्ध से उत्पन्न हुई है, जिसके चलते हूतियों को निशाना बनाया जा रहा है। हूतियों ने दावा किया है कि पिछले कुछ समय में कम से कम 65 लोग मारे गए हैं। ईरान पर दबाव बनाने का प्रयास रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी अभियान के रुकने के कोई संकेत नहीं हैं, क्योंकि ट्रंप प्रशासन ईरान के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। इसलिए ईरान समर्थित हूतियों पर लगातार हवाई हमले जारी हैं। नौवहन की स्वतंत्रता बहाल होने तक जारी रहेंगे हमलेः लेविट व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अब तक 200 से अधिक हवाई हमले किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमलों के परिणामस्वरूप ईरान कमजोर हुआ है। लेविट ने कहा कि उन्होंने नौसेना के जहाजों और वाणिज्यिक जहाजों पर हमले करने वाले हूती सदस्यों को मार गिराया है। लेविट ने संकेत दिया कि ये हमले तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक कि लाल सागर क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल नहीं हो जाती है। मंसूरिया जिले में जल परियोजना को बनाया निशाना इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने अभी तक अपने किसी नेता के मारे जाने की बात स्वीकार नहीं की है और न ही अमेरिका ने किसी अधिकारी का नाम बताया है। ताजा हमला होदेदा गवर्नरेट के मंसूरिया जिले में हूती नियंत्रित जल परियोजना को निशाना बनाकर किया गया। इस हमले में चार लोग मारे गए और अन्य घायल हुए हैं। विद्रोहियों ने कहा कि बुधवार को अन्य हमलों में हज्जाज, सादा और सना गवर्नरेट को निशाना बनाया गया। ट्रूमैन का समर्थन करने के लिए यूएसएस कार्ल विंसन रवाना दूसरी तरफ, हूतियों ने दावा किया है कि उन्होंने लाल सागर में अमेरिकी विमानवाहक पोत- यूएसएस हैरी एस ट्रूमैन पर हमले जारी रखे हैं, जो हूतियों पर अधिकांश हमले कर रहा है। वहीं, विमानवाहक पोत यूएसएस कार्ल विंसन ट्रूमैन का समर्थन करने के लिए एशिया से मध्यपूर्व की ओर रवाना हो गया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने बुधवार सुबह कहा कि क्षेत्र में अतिरिक्त स्क्वाड्रन और अन्य हवाई संपत्तियां तैनात की जाएंगी। हालांकि उन्होंने विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी।

नेपाल : पूर्व राजा पर भड़के पीएम ओली, कहा - दोषी पाए गए तो करना होगा सजा का सामना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने हिंसक विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले राजशाही समर्थकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि 28 मार्च की हिंसा में दोषी पाए जाने पर पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को भी नहीं बख्शा जाएगा। स्थानीय मीडिया के अनुसार सोमवार को प्रतिनिधि सभा की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने एक वीडियो बयान के जरिए शाह पर प्रदर्शनकारियों को भड़काने का आरोप लगाया। ओली ने कहा कि पूर्व राजा समेत आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को सजा से छूट नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने सवाल किया, क्या सिंहासन वापस पाने की आकांक्षा रखने वालों को विरोध और उसके परिणामों पर अपनी स्थिति सार्वजनिक रूप से नहीं बतानी चाहिए? ओली ने संसद में कहा, उन्हें (पूर्व राजा को) किसी भी तरह से सजा से छूट नहीं दी जाएगी। जो लोग वर्तमान व्यवस्था को उखाड़ फेंकने और राजशाही को दोबारा स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें 28 मार्च की घटनाओं पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। इन भयावह कृत्यों के दोषियों को कड़ी कानूनी कार्रवाई का सामना करना होगा। संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के सांसदों को संविधान को खत्म करने से बचने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वे चार्टर की रक्षा करने के लिए शपथबद्ध हैं। इस बीच, ओली के भाषण ने संसद में आरपीपी के सांसदों के विरोध को भड़का दिया। नेपाल के प्रमुख दैनिक काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी प्रमुख राजेंद्र लिंगडेन ने 2008 में राजशाही के खात्मे के बाद से ही रिपब्लिकन पार्टियों पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद सदन की बैठक में बोलते हुए, आरपीपी नेता लिंगडेन ने चेतावनी दी कि अगर लोग चाहें तो रिपब्लिकन व्यवस्था को पलटा जा सकता है। उन्होंने कहा, क्या दंगों के लिए केवल प्रदर्शनकारी ही जिम्मेदार थे? क्या स्थिति को नियंत्रण में लेना सरकार का कर्तव्य नहीं था? लिंगडेन ने आगे आरोप लगाया कि सुरक्षा बलों ने छतों से एक्सपायर हो चुकी आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिससे तनाव और बढ़ गया। उन्होंने काठमांडू के टिंकुने में हुई घटना की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग की। इससे पहले, आरपीपी के दो नेताओं - वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवींद्र मिश्रा और महासचिव धवल सुमशेर राणा को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। काठमांडू जिला न्यायालय (केडीसी) ने दोनों नेताओं पर देशद्रोह का आरोप लगाया, जिसने उनकी रिमांड भी मंगलवार तक बढ़ा दी। द हिमालयन की एक रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने करीब 100 लोगों को गिरफ्तार किया, लेकिन केवल 42 लोगों को ही अदालत में पेश किया गया और जांच जारी है।

ईरान के दरवाजे पर 50,000 अमेरिकी सैनिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक इशारे पर कर देंगे मटियामेट

वाशिंगटन, एजेंसी। यमन में हौथी विद्रोहियों पर अमेरिकी हवाई हमलों से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया है। करीब 50 हजार अमेरिकी सैनिक ईरान को चारों तरफ से घेर रहे हैं, जो डोनाल्ड ट्रंप का इशारा मिलते ही इस्लामिक देश ईरान की ईंट से ईंट बजाने के लिए तैयार हैं। इसका खुलासा खुद ईरान ने किया है। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्डस कोर (आईआरजीसी) के एक उच्चस्तरीय कमांडर ने सोमवार, 31 मार्च को चेतावनी दी कि ईरानी क्षेत्र में अमेरिकी सेना एक शीशे के घर में बैठी है और उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकना चाहिए। यानी ईरान के इलाके में अमेरिकी सेनाएं खुला निशाना हैं और उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे अपने निशाने पर हों। आईआरजीसी एयरोस्पेस डिवीजन कमांडर ब्रिगेडियर जनरल आमिर अली हाजीजादेह ने ईद-उल-फितर समारोह के दौरान अमेरिका को सीधे तौर पर खुली चेतावनी दी। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका ने उसकी धरती पर हमला किया तो वह मुंहतोड़ जवाब देगा। आपको याद दिला दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले ही ईरान को हूथी विद्रोहियों का समर्थन न करने की चेतावनी दी थी। दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिकी धमकियों को किसी भी तरह का समर्थन देने से इनकार करते हुए उन्हें निराधार बताया। जिसके बाद ये मामला और गरमा गया. प्रेस टीवी के अनुसार, हाजीजादेह ने कहा, अमेरिकियों के पास अपने क्षेत्र में, विशेष रूप से ईरान के आसपास 10 सैन्य अड्डे हैं और इन ठिकानों पर 50,000 सैनिक तैनात हैं। इसका सीधा मतलब है कि वे शीशे के घर में बैठे हैं; और जब कोई शीशे के घर में बैठा होता है, तो वह दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकता। आईआरजीसी कमांडर का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई धमकी के बाद आया है। ट्रम्प ने कहा था कि यदि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर नया समझौता करने से इनकार करता है, तो उसे बमबारी का सामना करना पड़ेगा। ट्रम्प ने रविवार को एनबीसी न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा। यदि वे समझौता नहीं करेंगे तो बमबारी होगी। उन्होंने ईरान पर द्वितीयक शुल्क लगाने की भी धमकी दी। अब इस मामले पर ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई कहां पीछे रहने वाले थे, उन्होंने ट्रंप की धमकी का उसी के लहजे में जवाब दिया। परमाणु समझौते पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए गए अल्टीमेटम पर ईरान की राजधानी तेहरान में लोगों को संबोधित करते हुए खामेनेई ने कहा, पूरी दुनिया में लोग पहले से ही इजरायल और अमेरिका की नीतियों से नाराज हैं। लोग जो कुछ भी जानते हैं वह केवल सतही हिस्सा है। अगर लोगों को इन देशों की असली साजिशों का पता चल जाएगा तो वे और भी ज्यादा क्रोधित हो जाएंगे। इसके अलावा अमेरिका को जवाब देते हुए खामेनेई ने कहा, अमेरिका और इजरायल हमेशा से ईरान के खिलाफ दुश्मनी रखते आए हैं। वे हमें धमकाने की कोशिश करते हैं, लेकिन हमें नहीं लगता कि वे हमला करेंगे। हालांकि, अगर वे हमला भी करेंगे तो हम उन्हें कड़ा जवाब देंगे। अब यहां देखने वाली बात यह होगी कि क्या ट्रंप इस बयान का जवाब सैन्य हमले से देंगे या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति की कोई रणनीति सामने आएगी, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

दुनिया में सबसे ज्यादा भारतीय सऊदी अरब की जेलों में हैं बंद

– विदेश मंत्रालय ने कहा– 86 देशों में 10 हजार 152 भारतीय है कैद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में सबसे ज्यादा भारतीय सऊदी अरब की जेलों में बंद हैं। इस सूची में चीन समेत कई और देशों का नाम भी शामिल है। विदेश मंत्रालय की तरफ से संसदीय समिति को एक रिपोर्ट पेश की गई है, जिसमें भारत के बाहर जेलों में बंद भारतीयों की संख्या का ब्यौरा दिया गया है। ताजा मामला टेक महिंद्रा के अधिकारी अमित गुप्ता का है। उन्हें कतर में गिरफ्तार किया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने बताया है कि 86 देशों में 10 हजार 152 भारतीय जेलों में बंद हैं। ऐसे भारतीयों की सबसे ज्यादा संख्या सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में है। इन दोनों ही क्षेत्रों में भारतीय कैदियों की संख्या 2 हजार से ज्यादा है। इसके अलावा बहरीन, कुवैत और कतर में भी बड़ी संख्या में भारतीय जेल में बंद हैं। इनके अलावा नेपाल में 1317, मलेशिया में 338, चीन में 173 है कैदी बंद हैं। चीन, कुवैत, नेपाल, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात उन 12 देशों में शामिल हैं, जहां 100 से ज्यादा भारतीय कैद हैं। इनमें से 9 देश ऐसे हैं, जो ट्रांसफर ऑफ सेंटेंस्ड पर्सन्स समझौते में शामिल है। इसके तहत दोषी पाए गए व्यक्ति को उसके मुल्क में सजा काटने के लिए भेजने की अनुमति दी जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते के बाद भी बीते तीन सालों में 8 कैदी भारतीय कैदियों को मुल्क वापस लाकर भारत की जेलों में रखा गया है। इनमें 3 ईरान, 3 ब्रिटेन, 2 कंबोडिया और 2 रूस से हैं। मंत्रालय का कहना है कि विदेश की जेलों से भारतीय नागरिकों की रिहाई या प्रत्यर्पण पर नियमित रूप से भारतीय मिशन काम कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया है कि भारतीय मिशन और पोस्ट विदेश की जेलों में बंद नागरिकों को कानूनी समेत हर संभव मदद मुहैया करा रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित भारतीय दूतावास की तरफ से मदद हासिल भारतीय कैदियों से कोई भी फीस नहीं ली जाती है।

जयपुर जिला कलेक्ट्रेट में बम की सूचना, कलेक्टर की सरकारी आईडी पर धमकी का ईमेल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर जिला कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद खाली करावाया गया। कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी की सरकारी आईडी पर धमकी का ईमेल आया था। गुरुवार सुबह 11:30 बजे मिले ईमेल की जानकारी कलेक्टर ने जयपुर पुलिस कमिश्नर को दी। इसके बाद आनन-फानन में पूरे परिसर से लोगों को बाहर किया गया। करीब 200 कमरों की जांच के लिए बम स्क्वॉड और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (ईआरटी) को बुलाया गया। हालांकि, करीब 2 घंटे के सर्च के दौरान किसी भी एजेंसी को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर खड़े कर्मचारियों ने बताया कि सुबह सामान्य दिनों की तरह कामकाज चल रहा था। अचानक 11:30 बजे के आसपास शोर मचने लगा। सभी को परिसर खाली करने के लिए बोला गया। जब तक कॉम्प्लेक्स के बाहर पहुंचे, बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी अंदर पहुंचने लगे थे। बाहर आकर जानकारी मिली कि कलेक्टर के पास बम की धमकी का ईमेल आया है। इसके बाद से सभी लोग डरे हुए हैं। दोपहर 2 बजे तक भी बिल्डिंग परिसर में बम स्क्वॉड की टीमें मौजूद थीं। अधिकारियों ने बताया कि जब तक एजेंसी क्लीयरेंस नहीं दे देती, अंदर जाने की परमिशन नहीं दी जाएगी। धमकी भरे ईमेल में लिखा गया कि जयपुर कलेक्टर ऑफिस एक भयंकर आईडी पाइप बम के टारगेट पर है। यह कदम 2-जी मामले में सवुक्कु शंकर के साथ हुए अनुचित व्यवहार और सादिक बलवा की हिरासत में हुई मौत का बदला लेने के लिए उठाया गया है। बम वीकेंड पर पहले से ही आज के लिए लगा दिया गया है। जो अन्ना यूनिवर्सिटी एमआईटी कैंपस के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में तैयार हुआ है। हमारा लक्ष्य जन्नत देखना है। कलेक्ट्रेट हमारे साथ नष्ट हो जाएगा! आज का ऑपरेशन पूरा होने के बाद शहीद हो जाएंगे। बिलाल-रियाज जो यह पढ़ रहे हैं। आज का दिन है। आप जानते हैं कि क्या करना है। यह हमारा अंतिम कम्युनिकेशन होगा।

लॉरेंस गैंग के 5 गुर्गे गिरफ्तार, 7 पिस्तौल और 21 जिंदा कारतूस बरामद

–मुंबई पुलिस को शक इन गुर्गों के निशाना पर कोई सेलिब्रिटी था

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अंधेरी इलाके से लॉरेंस गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 7 पिस्तौल और 21 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस ने बुधवार को 2 अप्रैल को यह जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें शक है कि गैंग के निशाने पर कोई सेलिब्रिटी था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने लॉरेंस गैंग के सदस्यों को शनिवार को हिरासत में लिया गया था। उनके हथियार ले जाने के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है। गिरफ्तार लोगों की पहचान विकास ठाकुर उर्फ विक्की, सुमित कुमार दिलावर, श्रेयस यादव, देवेंद्र सक्सेना और विवेक गुप्ता के रूप में हुई है। ये सभी राजस्थान, बिहार और यूपी के रहने वाले हैं। सुमित कुमार और विकास हिस्ट्रीशीटर हैं। लॉरेंस गैंग सलमान खान को धमकियां दे रहा है। ऐसे में गैंग के पांच सदस्यों की गिरफ्तारी और उनके पास से हथियार बरामद होने के बाद इसे सलमान खान की सुरक्षा के लिए बड़े खतरे के रूप में भी देखा जा रहा है। पुलिस गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर रही है कि उनके निशान पर कौन था।

मजीठिया ड्रग तस्करी मामले में नया मोड़

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के नशा तस्करी से जुड़े मामले में नया मोड़ आ गया है। मामले की जांच कर रही एसआईटी ने मोहाली कोर्ट में याचिका दायर करके सर्च वारंट मांगे हैं। वहीं, जैसे ही यह मामला मजीठिया के वकीलों को पता चला तो उन्होंने भी कोर्ट में याचिका दायर कर एसआईटी द्वारा दर्ज अर्जी की कॉपी मांगी। मजीठिया के वकीलों ने साथ ही कोर्ट में पूछा है कि कौन सी जगह की तलाशी लेनी है, इस बारे में जानकारी दी जाए। हालांकि सरकार की तरफ से पेश हुए वकीलों ने इस एप्लिकेशन को गलत बताया है। वहीं, इस मामले में अब 5 अप्रैल को बहस होगी।

सोनिया गांधी ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर कहा- देश को रसातल पर ले जा रही सरकार, बिल जबरन पारित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी (सीपीपी) की बैठक में कहा कि लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल को केंद्र सरकार ने जबरन पारित करवाया है। यह विधेयक संविधान पर हमला है और हमारे समाज को स्थायी रूप से तोड़ने की बीजेपी की सोची-समझी रणनीति का एक हिस्सा है।

इस अवसर पर सोनिया गांधी ने उपस्थित कांग्रेस सांसदों से कहा, कि मोदी सरकार देश को रसातल में ले जाने का काम कर रही है। वह संविधान पर हमला कर उसे ध्वस्त करना चाहती है। इस तरह से तो संविधान महज कागजों में रह जाएगा। वन नेशन-वन इलेक्शन बिल भी संविधान का उल्लंघन है, जिसका हम विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सांसद मोदी सरकार की भारत को निगरानी राज्य में बदलने की मंशा को उजागर करने का काम करें।

बहुचर्चित वक्फ संशोधन बिल सोमवार देर रात लोकसभा में पारित हो गया, जिससे भारतीय राजनीति में हलचल मच गई है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को इस बिल पर तीखा प्रहार करते हुए इसे समाज को बांटने वाला और संविधान को कमजोर करने वाला करार दिया। कांग्रेस संसदीय समिति को संबोधित करते हुए सोनिया गांधी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए और कहा, भाजपा ने इस बिल को लोकसभा में बुलडोजर से पारित किया है। सोनिया गांधी ने लोकसभा में बहस के दौरान विपक्षी सांसदों को अपनी बात रखने का मौका न मिलने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, यह बेहद चिंताजनक है कि विपक्षी सांसदों को अपनी बात कहने नहीं दी जाती। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने सत्ता पक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप भी लगाया। सोनिया गांधी ने भाजपा के प्रस्तावित एक देश, एक चुनाव कानून का भी विरोध किया। उन्होंने इसे संविधान की मूल आत्मा के खिलाफ बताते हुए कहा कि कांग्रेस इस कानून को स्वीकार नहीं करेगी और इसे निरस्त करने की मांग करेगी।

नए संसद भवन पर टिप्पणी

सोनिया गांधी ने नए संसद भवन को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, अतीत में हम सहकर्मियों से मिल सकते थे, अन्य दलों के नेताओं से बातचीत कर सकते थे और मीडिया के साथ जुड़ सकते थे। लेकिन अब यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस रक्षा और विदेश मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा चाहती थी, लेकिन सत्ता पक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी। उन्होंने चीन द्वारा भारत की सीमाओं पर पेश की जा रही चुनौतियों और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 19 जून 2020 को दिए गए बयान की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, चीन से आयात में तेजी से वृद्धि हो रही है, जिससे हमारे एमएसएमई उद्योग नष्ट हो रहे हैं। यह अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है।

यहां बताते चलें कि लोकसभा में बुधवार रात को वक्फ संशोधन बिल पास हो गया। रात 2 बजे की गई वोटिंग में 520 सांसदों ने भाग लिया, जिसमें 288 ने पक्ष में और 232 ने विपक्ष में वोट डाले।

ममता बनर्जी का बड़ा ऐलान – बीजेपी सरकार हटी तो वक्फ संशोधन विधेयक होगा रद्द

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा में पारित वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब बीजेपी की सरकार केंद्र से हटेगी, तो इस वक्फ बिल को रद्द कर दिया जाएगा। ममता बनर्जी ने बीजेपी पर देश को बांटने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह विधेयक अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन करता है। उन्होंने कहा, जब केंद्र में नई सरकार बनेगी, तब इस कानून में संशोधन किया जाएगा और इसे रद्द कर दिया जाएगा। यहां बताते चलें कि लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इस बिल के खिलाफ मतदान किया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने इस विधेयक को राज्यों के अधिकारों पर अतिक्रमण करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि संविधान संसद को इस संबंध में कानून पारित करने का अधिकार नहीं देता। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्ति मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का हिस्सा है। इसलिए राज्यों को इस पर निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। गौरतलब है कि लोकसभा में बिल पास होने के बाद सरकार ने इसे राज्यसभा में पेश किया है। विपक्ष ने इस विधेयक को असंवैधानिक करार देते हुए सरकार से इसे वापस लेने की मांग की है। इस मुद्दे पर सियासी घमासान जारी है और आने वाले दिनों में इसे लेकर राजनीतिक दलों के बीच टकराव और बढ़ सकता है।

महिला समृद्धि योजना पर रेखा गुप्ता, जल्दबाजी में आप सरकार की तरह गलती नहीं करना चाहती

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गरीब महिलाओं को 2500 रुपए मासिक आर्थिक सहायता का वादा करके सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आम आदमी पार्टी (आप) लगातार घेर रही है। नेता विपक्ष आतिशी की ओर से बार-बार रेखा सरकार से पूछ जा रहा है कि महिलाओं के खाते में पैसे कब आएंगे? इस बीच मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक इंटरव्यू में विस्तार से योजना पर बात कर बताया कि क्यों इसमें वक्त लग रहा है। मुख्यमंत्री रेखा ने कहा कि वह जल्दबादी में आप सरकार की तरह गलती नहीं करना चाहती हैं।

महिला समृद्धि योजना से जुड़े सवाल पर रेखा गुप्ता ने कहा, जब कोई सरकार बनती है, तब बजट आवंटन आवश्यक है, योजना की रूपरेखा, नियम बनाने पड़ते हैं। रजिस्ट्रेशन पूरा करना होता है और उसकी जांच होती है। यह एक ही बार पैसा देने की योजना नहीं है। हमें एक टिकाऊ रूपरेखा बनानी ताकि केवल योग्य लाभार्थियों को इसका लाभ मिले। आप सरकार ने योजनाओं की घोषणा कागजों पर की लेकिन एक साल से ज्यादा चला नहीं सकी। हम केजरीवाल सरकार वाली गलती नहीं करना चाहते हैं। रेखा ने कहा कि हमारी सरकार ने गरीब महिलाओं के लिए मदद का वादा किया। हमें सावधानीपूर्वक योग्यता की शर्तें तय करनी हैं ताकि दुरुपयोग को रोका जा सके, जैसा कि ईडब्ल्यूएस स्कीमों में होता कि फायदा अक्सर अयोग्य लोगों को मिल जाता है। किर्यान्वयन में समय लगता है, लेकिन हम अपने हर वादे को पूरा करने वाले है। सीएम ने कहा, हमें नियम और शर्तें बनानी हैं। हमें ऐसी रूपरेखा बनानी है कि सही लोगों को ही फायदा मिले।

गुप्ता ने आप पर पलटवार कर कहा कि उन्होंने पंजाब में इसी तरह का वादा किया लेकिन तीन साल बात भी लागू नहीं कर सके है। आलोचना करना उनका राजनीतिक खेल है और इसमें कोई वजन नहीं। उन्हें अपना रिकॉर्ड देखना चाहिए। उन्होंने दिल्ली में 10 साल पहले मुफ्त वाई-फाई देने का वादा किया था। मुझे बताइए दिल्ली के किस हिस्से में मुफ्त वाई-फाई है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए कोई विशेष तारीख देने से इंकार करते हुए कहा कि विधानसभा सत्र अभी समाप्त हुआ है और सरकार को अभी एक महीना ही हुआ है। उन्होंने कहा कि एक महीने पुरानी सरकार से योजनाओं को इतनी जल्दी लागू करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। सीएम ने कहा, नया वित्त वर्ष 1 अप्रैल को शुरू होता है। हमारी सरकार ने बस अभी बजट पेश किया है। यह एक बहुत बड़ा काम था। हमें ओपनिंग बैलेंस का आकलन करना है और यह देखना है कि वित्तीय स्थिरता के साथ कितने लाभार्थियों को मदद दे सकते हैं। हम इस योजना को फंड देने के लिए वेतन देना नहीं रोक सकते हैं। हमें दोनों प्राथमिकताओं में बैलेंस रखना होगा। पिछली सरकार ने अस्पतालों के प्रॉजेक्ट अधूरे छोड़ दिए। स्कूल और कॉलेज बनाने में विफल रही और दिल्ली के 12 सरकारी कॉलेज में वेतन नहीं दे सकी। सीएम ने कहा, हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि वेतन दिए जाएं, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो और सभी सेक्टर में शासन प्रभावशाली हो।

तेलंगाना में 400 एकड़ में फैले कांचा गचीबावली जंगल को काटने पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, प्रोटेस्ट पर उतरे हैं छात्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्वोच्च न्यायालय ने हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास कांचा गाचीबोवली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई का स्वतः संज्ञान लिया और तेलंगाना के मुख्य सचिव को सरकार की कार्रवाई के लिए व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह बनाया। गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, न्यायालय ने मौजूदा पेड़ों की सुरक्षा को छोड़कर, क्षेत्र में सभी गतिविधियों को रोक दिया और चेतावनी दी कि अनुपालन न करने पर सख्त परिणाम भुगतने होंगे।

तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (न्यायिक) द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में व्यापक वनों की कटाई दिखाई गई। सर्वोच्च न्यायालय ने निष्कर्षों की समीक्षा करने के बाद, पेड़ों को हटाने के पीछे की जल्दबाजी पर सवाल उठाया और राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगा कि क्या उचित पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त की गई थी। अदालत ने विशेष रूप से इस बात पर जवाब मांगा कि क्या पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) प्रमाण पत्र जारी किया गया था और क्या इतने बड़े पैमाने पर विनाश करने से पहले वन अधिकारियों से अपेक्षित अनुमति ली गई थी।

अदालत ने पूछा इन गतिविधियों को शुरू करने की क्या मजबूरी थी? इस बात पर जोर देते हुए कि क्षेत्र में मोर और अन्य वन्यजीवों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि यह एक वनाच्छादित आवास है। अदालत में पेश किए गए फोटोग्राफिक साक्ष्यों से पता चला कि लगभग 100 एकड़ में भारी मशीनरी तैनात करके जमीन के बड़े हिस्से को साफ कर दिया गया। अदालत का निर्देश स्पष्ट था- अगले आदेश तक, क्षेत्र में सभी गतिविधियाँ बंद होनी चाहिए, और इसका पालन न करने पर मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

24 घंटे में दूसरी बार पाकिस्तान ने किया सीजफायर का उल्लंघन, एलओसी पर 20 मिनट तक चली गोलियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जो तीन दिनों में इस तरह की दूसरी घटना है। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा बिना उकसावे के की गई गोलीबारी का भारतीय सेना ने कड़ा जवाब दिया। यह तीन दिनों में पाकिस्तान द्वारा किया गया दूसरा संघर्ष विराम उल्लंघन है। मंगलवार को, पाकिस्तान ने पुंछ में नियंत्रण रेखा पर बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद एक और संघर्ष विराम उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर उन्हें कवर फायर प्रदान करते हुए सीमा पार घुसपैठियों को धकेलने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने तेजी से जवाब दिया, जिससे खतरा खत्म हो गया। सूत्रों से पता चला है कि गोलीबारी का उद्देश्य भारतीय क्षेत्र में घुसपैठियों को घुसाना था। खुफिया जानकारी से पता चला है कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए एलओसी के पार आतंकवादी बॉर्डर एक्शन टीम (BAT) भेजने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, भारतीय सैनिकों की सतर्कता ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, भारत की जवाबी कार्रवाई में चार से पांच पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गए। 1 अप्रैल को संघर्ष विराम उल्लंघन के बाद, घायल पाकिस्तानी सैनिकों की तस्वीरें सामने आईं, जो भारत की प्रतिक्रिया के प्रभाव की पुष्टि करती हैं। इसके अलावा, पाकिस्तानी सेना के जवानों के अंतिम संस्कार की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जो इस बात का संकेत देती हैं कि उनकी तरफ़ से भी हताहत हुए हैं। एक पाकिस्तानी समाचार पोर्टल ने भारत के जवाबी हमले में मारे गए कर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए सैनिकों की फुटेज प्रसारित की, जो इस रिपोर्ट की पुष्टि करती है कि 1 अप्रैल के हमले में कई पाकिस्तानी सेना के जवान मारे गए थे।

अजित पवार के पावर पर लगाम, अब शिंदे की नजर से गुजरेगी हर एक फाइल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम आने और भाजपा की सरकार बनने के बाद भी यहां सियासी नाराजगी दूर नहीं हो पाई है। लेकिन अब राजनैतिक खींचातानी कम होती दिखाई दे रही है। पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे से मुख्यमंत्री पद की कुर्सी गई तो वह होम मिनिस्टर बनना चाहते थे, लेकिन वह भी नहीं मिला तो कुछ मंत्रालय लेकर डिप्टी सीएम बन गए। इसके बाद भी उनकी नाराजगी बनी ही रही। कभी प्रभारी मंत्रियों को लेकर तो कभी मंत्रालयों के फैसलों को लेकर वह खफा दिखते थे। एक मलाल यह भी रहा कि अजित पवार को उनसे ज्यादा तवज्जो दी जा रही है, लेकिन अब देवेंद्र फडणवीस सरकार में उनका कद बढ़ा दिया गया है। अब महाराष्ट्र सरकार के कामकाज की कोई भी फाइल उनसे होकर ही सीएम देवेंद्र फडणवीस तक जाएगी। नई सरकार के गठन के बाद से अजित पवार के पास फाइल जाती थी क्योंकि वह वित्त मंत्री थे और फिर सीएम फडणवीस उसे देखते थे।

महाराष्ट्र की चीफ सेक्रेटरी सुजाता सौनिक की ओर से आदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि कोई भी फाइल पहले वित्त मंत्री (डिप्टी सीएम अजित पवार) के पास जाएगी और फिर उन्हें शहरी विकास और हाउसिंग मिनिस्टर (डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे) के पास भेजा जाएगा। अंत में सभी फाइलें सीएम देवेंद्र फडणवीस के पास जाएंगी। इस तरह एकनाथ शिंदे के कद का पूरा ख्याल रखा गया है और वह एक तरह से अजित पवार से सीनियर होंगे। शिवसेना के नेताओं की लगातार यह शिकायत थी कि उनके लीडर एकनाथ शिंदे को सरकारी कामकाज उतना महत्व नहीं मिल रहा है, जितना उनका कद है और पार्टी की ताकत है। ऐसे में अब शिवसैनिकों के गुस्से को भी कंट्रोल किया जा सकेगा। स्थानीय निकाय के चुनावों से पहले यह फैसला अहम है। अब नई व्यवस्था आ गई है, जिसके तहत पहले फाइल अजित पवार पर ही जाएगी। फिर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के पास फाइलें आएंगी और उनके पास करने के बाद ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास पहुंचेंगी। इससे पहले जब एकनाथ शिंदे ही सीएम थे तो यह व्यवस्था थी कि पहले अजित पवार के पास फाइल पहुंचती थी और फिर देवेंद्र फडणवीस के पास से होते हुए मुख्यमंत्री तक पहुंचती थी। अब एक बार फिर से वैसी ही व्यवस्था है, बस क्रम बदल गया। अब फडणवीस सीएम हैं और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे हैं, लेकिन अजित पवार से शिवसेना लीडर का कद बड़ा कर दिया गया है।

वक्फ बिल के पास होने पर योगी की दो टूक चेतावनी, अब प्रदेश में माफियागीरी नहीं चलेगी

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रृंगवेरपुर धाम पहुंचे और उन्होंने प्रभु श्रीराम और निषादराज की मित्रता का स्मरण दिलाया। इस दौरान महाकुंभ की सफलता और प्रयागराज को मिली वैश्विक पहचान के लिए प्रयागराजवासियों को श्रेय दिया।

इस दौरान विरोधियों पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि पिछली सरकारें नहीं चाहती थीं कि पौराणिक शहर को पहचान मिले। उनके लिए अपना वोट बैंक है, निषादराज की पौराणिक भूमि पर भी कब्जे की साजिश। जब हम महाकुंभ का आयोजन करने जा रहे थे, तब कुंभ की भूमि को भी वक्फ की भूमि बता दिया? भू माफिया प्रदेश में नहीं रह सकते। अब प्रदेश में माफियागीरी नहीं चलेगी। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए योगी ने कहा कि हम पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह के प्रति आभारी हैं। वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित हो गया, आज राज्यसभा में पारित होगा। इस मौके पर योगी ने 579 करोड़ की 181 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इसके साथ ही वह विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक तथा प्रशस्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि आज यहां पर निषादराज परंपरा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए 580 करोड़ की योजना की सौगात देने आया हूं। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। गंगा-यमुना और सरस्वती का संगम। यहां निषादराज और भगवान राम के मिलन का भी संगम भी हुआ।

महाकुंभ ने बहुत कुछ दे दिया

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ ने बहुत कुछ दे दिया प्रदेश, देश और सनातन धर्मावलिबंयों को। इतना बड़ा आयोजन रामभक्त ही कर सकते हैं। इसके लिए राष्ट्रनिष्ठा चाहिए। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति समर्पण नहीं, वह इतना बड़ा आयोजन नहीं कर सकता।

एमएसपी पर राज्य सरकारों की सिफारिशों को क्यों दरकिनार कर रहा केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। अलग-अलग सूबों में फसल उत्पादन की अलग लागत आने के बावजूद केंद्र देश भर के लिए एक ही न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी तय करती है। हालांकि, कोई भी राज्य एमएसपी के ऊपर जरूरत के हिसाब से बोनस दे सकता है, लेकिन केंद्र इस तरह की किसी भी कोशिश को ठीक नहीं मानती। बहरहाल, मुद्दा यह है कि केंद्र सरकार एमएसपी एक ही तय करती है लेकिन क्या राज्य सरकारें इसके लिए अपनी ओर से कोई प्रस्ताव भेजती हैं? हां बिल्कुल ऐसा ही है। अब सवाल यह आता है किस किस राज्य ने धान, गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के लिए केंद्र को कितनी एमएसपी का प्रस्ताव दिया है।

केंद्र ने खरीफ मार्केटिंग सीजन 2024-25 के लिए धान की एमएसपी 2300 रुपये क्विंटल तय की थी। जबकि उस साल के लिए महाराष्ट्र ने धान की एमएसपी 4661 रुपये प्रति क्विंटल मांगी थी। केरल ने 3690 रुपये और कर्नाटक सरकार ने 3426 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी की मांग की थी। उत्तर प्रदेश ने 3000 और बिहार सरकार ने 3201 रुपये की मांग की थी। तेलंगाना ने 5428 रुपये प्रति क्?िंटल की एमएसपी मांगी थी। राज्य सरकारों ने केंद्र से अपने सूबे के लिए चाहे जितनी भी एमएसपी का प्रस्ताव दिया हो, लेकिन केंद्र ने प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया। केंद्र ने देश में धान की संपूर्ण लागत महज 2008 रुपये प्रति क्?िंटल मानी। ताज्जुब यह है कि सी-2 कॉस्ट बताने के बावजूद केंद्र सरकार ने इस बात को माना नहीं। केंद्र सरकार ने ए2+एफएल फार्मूले के आधार पर धान की उत्पादन लागत को प्रति क्?िंटल 1533 रुपये बताया और उस पर न्यूनतम 50 फीसदी मुनाफा जोड़कर 2300 रुपये एमएसपी तय कर दी।

वहीं गुजरात सरकार ने केंद्र को पत्र लिखकर एक अप्रैल 2025 से शुरू हुए रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 के लिए गेहूं की एमएसपी 4050 रुपये प्रति क्विंटल तय करने की मांग उठाई थी। पश्च?िम बंगाल ने 3350 और महाराष्ट्र ने गेहूं की एमएसपी भी 4461 रुपये मांगी। जबकि केंद्र ने एमएसपी 2425 रुपये तय की है। यानी इन सूबों की मांग के मुकाबले एमएसपी बहुत कम है। राज्यों से आए प्रस्तावों को दरकिनार कर केंद्र ने एक औसत निकलकर यह बताया कि गेहूं की संपूर्ण लागत 1720 रुपये प्रति क्?िंटल आई है। हालांकि सरकार ने सी-2 कॉस्ट के आधार पर एमएसपी तय नहीं किया। केंद्र सरकार ने गेहूं की ए2+एफएल फार्मूले के आधार पर उत्पादन लागत 1182 रुपये ही मानी। इस पर 105 फीसदी का मुनाफा देकर पूरे देश के लिए 2425 रुपये प्रति क्?िंटल की एमएसपी तय कर दी।

कृषि लागत एवं मूल्य आयोग के अनुसार रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 के दौरान गेहूं की एमएसपी के लिए आठ राज्यों ने सिफारिश दी है, लेकिन चार सूबों ने कोई प्रस्ताव नहीं दिया। इसमें गेहूं का सबसे बड़ा उत्पादक उत्तर प्रदेश भी शामिल है। इसके अलावा राजस्थान, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से भी गेहूं की एमएसपी को लेकर केंद्र सरकार को कोई प्रस्ताव या सुझाव नहीं दिया है।